संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित
- 12

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5 प्रतिशत की वृद्धि
- 12

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा भड़का चीन
- 13

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह
- 14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.01

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या, विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 299, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

खंड शिक्षा अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

संवाददाता, हरिद्वार/देहरादून

- पुलिस मॉर्डन स्कूल के कार्य की एवज में मांगी थी 20 हजार की घूस

अमृत विचार: हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र में तैनात खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौर को गुरुवार को विजिलेंस देहरादून की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि वह पुलिस मॉडर्न स्कूल 40वीं वाहिनी पीएसी के नवीनीकरण/मान्यता प्राप्त आदि कार्यों के एवज में स्कूल के प्रधानाचार्य से रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत पर विजिलेंस ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपी अधिकारी को मौके पर ही पकड़ लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम आरोपी को अपने साथ ले जाने और आगे की कार्रवाई की तैयारी में जुट गई। सूत्रों के अनुसार, बृजपाल राठौर की पत्नी देहरादून में पुलिस अधिकारी के पद पर तैनात हैं और पूर्व में शिक्षा विभाग हरिद्वार में भी सेवाएं दे चुकी हैं। विजिलेंस टीम मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि, देवभूमि उत्तराखंड को भ्रष्टाचार मुक्त करते हुए, सुशासन की कार्य संस्कृति विकसित करने का हमारा प्रयास है।

भारत-ओमान व्यापार समझौता दोनों देशों को देगा ऊर्जा : मोदी

मस्कट, एजेंसी

- प्रधानमंत्री बोले- निवेश में नया विश्वास पैदा करने के साथ अवसरों के नए द्वार खोलेगा यह समझौता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा, निवेश में नया विश्वास उत्पन्न करेगा और हर क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत स्थिरता, सुशासन एवं निवेशकों के उच्च विश्वास के दम पर देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। कहा, भारत ने पिछले 11 वर्ष में न केवल नीतियों में बदलाव किया है, बल्कि अपने आर्थिक स्वरूप को भी बदल दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी को विशेष नागरिक सम्मान देते सुलतान हैसम।

मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

मस्कट। ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान के लिए गुरुवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान समेत दूसरे देशों में 28 से अधिक उच्चतम नागरिक सम्मान से नवाजा जा चुका है। हाल ही में उन्हें इथियोपिया में 'ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' और कुवैत में 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया गया था। भारत और ओमान के बीच कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोदी ओमान की यात्रा पर हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादी मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगल और पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को माओवादी विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इस मुठभेड़ में अभी तक एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादियों के मारे जाने की सूचना है।

आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी सील

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी गुरुवार को सील कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धरमपुरी गांव में आवासीय परिसर में संचालित फैक्टरी पर छापा मारा गया, जहां 30 से अधिक प्रकार के आयुर्वेदिक सिरप बनाए जा रहे थे। सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति के निर्देशन में संचालित फैक्टरी में इन सिरप की गुणवत्ता जांचने के लिए कोई प्रयोगशाला नहीं थी और संचालक द्वारा सिरप के निर्माण में इस्तेमाल घटकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। सिरप की पैकेजिंग पर अलग-अलग कंपनियों के नाम पाए गए।

लोस में 'जी राम जी विधेयक' पारित

विपक्ष ने हंगामा कर जताया विरोध, शिवराज ने कांग्रेस पर बापू के आदर्श खत्म करने का लगाया आरोप

- आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज उछाले
- विधेयक को ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला कदम बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने बापू के आदर्शों को मार दिया, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

इससे पहले बुधवार को सदन में उक्त विधेयक पर देर रात तक चर्चा हुई और विपक्ष के अधिकतर सदस्यों ने इसे विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति को विचार-विमर्श के लिए भेजने की मांग की। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को मंत्री के जवाब से पहले यह मांग फिर से उठाई जिसे आसन की ओर से अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच चौहान ने अपना जवाब पूरा किया और उनके उत्तर के बाद सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस दौरान आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज भी उछाले। चौहान ने कहा कि देश में 1960-61 में ग्रामीण जनशक्ति कार्यक्रम बनने से लेकर मनरेगा तक समय-समय पर विभिन्न योजनाएं बनती रही हैं। उन्होंने कहा कि इनसे उद्देश्य पूरा नहीं होता या थोड़ा ही लक्ष्य पूरा होता है तो नई योजनाएं लाई जाती हैं। मनरेगा के नाम में पहले महात्मा गांधी का नाम नहीं था और इसका नाम नरेगा था, लेकिन 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले वोटों के कारण कांग्रेस को बापू याद आ गए और उनका नाम जोड़ा गया। चौहान ने आरोप लगाया, कांग्रेस नीत सरकार ने मनरेगा को भी ताकत के साथ लागू नहीं किया और पीएम ने इसे सही से क्रियान्वित किया। उन्होंने संप्रग और राजग सरकार के समय इस योजना के क्रियान्वयन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए थे, वहीं मोदी सरकार में 3210 करोड़ श्रम दिवस का सृजन किया गया।

मनरेगा की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाया जाना सिर्फ दिखावा है। खरगे ने संसद परिसर में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह भी कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के सरकार के कदम का कांग्रेस सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, खरगे, और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने 'गरीबों का अधिकार वापस दो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए।

कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया : शिवराज

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सदन में कहा कि यह सरकार सनक में नाम बदल रही है। चौहान ने कहा, हम सनक में नाम नहीं बदल रहे, अपने परिवार के लोगों पर नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है। चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों के समय सैकड़ों योजनाओं, इमारतों, उत्सवों, संस्थानों आदि के नाम गांधी परिवार के सदस्यों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर रखे गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी का नाम लेकर ढोंग कर रही है और उसने तो देश के बंटवारे के दिन, कश्मीर को विशेष दर्जा दिये जाने के साथ, इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के दिन ही बापू के आदर्शों की हत्या कर दी थी।

रिटायरमेंट से पहले जजों का ताबड़तोड़ फैसले सुनाना दुर्भाग्यपूर्ण : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऐसा लगता है कि न्यायाधीश लास्ट ओवर में छक्के मार रहे हैं
- सेवानिवृत्ति से पहले कई आदेश पारित करने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

शीर्ष कोर्ट ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 'बहुत सारे आदेश' पारित करने की न्यायाधीशों की 'बढ़ती प्रवृत्ति' पर आपत्ति जताई और इसकी तुलना मैच के अंतिम ओवरों में बल्लेबाज द्वारा 'छक्के मारे जाने' से की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ मध्य प्रदेश के एक प्रधान और जिला न्यायाधीश की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कुछ संदिग्ध न्यायिक आदेशों के संबंध में उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से ठीक 10 दिन पहले उन्हें निलंबित करने के उच्च न्यायालय के सामूहिक फैसले को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी इस पीठ में शामिल थे। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले छक्के लगाने शुरू कर दिए। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है। मैं इस पर विस्तार से चर्चा नहीं करना चाहता। सीजेआई ने कहा, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले न्यायाधीशों की बहुत सारे आदेश पारित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मप्रदे के न्यायिक अधिकारी 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उन्हें कथित तौर पर उनके द्वारा पारित दो न्यायिक आदेशों के कारण 19 नवंबर को निलंबित कर दिया गया।

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट किया

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उन्हें इसके लिए निलंबित नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आदेश स्पष्ट रूप से बेईमानी भरे हों तो क्या होगा? यह भी उल्लेख किया कि 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष करने का निर्देश दिया था।

जस्टिस मनोज होंगे प्रदेश हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस

संवाददाता, नई दिल्ली/नैनीताल

- सुप्रीम शीर्ष कॉलेजियम की पांच हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिशें

अमृत विचार: : सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने देश के पांच उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। इस सूची में उत्तराखंड उच्च न्यायालय का नाम भी शामिल है।

प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने बैठक में यह निर्णय लिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के बाद उत्तराखंड हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उत्तराखंड हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र आगामी 9 जनवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके पद छोड़ने के बाद वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता कार्यभार संभालेंगे। उत्तराखंड के अलावा, कॉलेजियम ने मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना हाईकोर्ट के लिए भी नए मुख्य न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की है। अब इन सिफारिशों को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा, जिसके बाद राष्ट्रपति द्वारा आधिकारिक नियुक्ति की जाएगी।

कैंची धाम के पास हादसा, बरेली की तीन महिलाओं की मौत

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा मोटर मार्ग पर कैंची धाम के पास गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे भीषण सड़क हादसे में बरेली के इज्जत नगर थाना क्षेत्र निवासी तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सात साल के एक बालक समेत छह घायल हो गए। ये सभी नौ लोग बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के निवासी कैंची धाम जा रहे थे। सीओ नैनीताल के अनुसार, प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि चालक को या तो नींद की झपकी आ गयी या फिर किसी वाहन को पास देने के चक्कर में स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। मामले की जांच की जा रही है। (विस्तृत पेज-3)

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के मूर्तिकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नोएडा/मुंबई। केवड़िया स्थित विशालकाय 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और संसद परिसर में स्थापित गांधी की प्रतिष्ठित प्रतिमा सहित कई ऐतिहासिक प्रतिमाओं के निर्माता प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।

सुतार के पुत्र अनिल सुतार ने बताया कि उनकी आयु 100 वर्ष थी और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी रचनाएं 'भारत के इतिहास और संस्कृति की प्रभावशाली अभिव्यक्ति है'। महाराष्ट्र के धुले जिले में 19 फरवरी, 1925 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुतार ने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्हें 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में फिर लापरवाही, सिपाही सस्पेंड

संवाददाता, देहरादून

- सचिवालय से रवाना होने के दौरान पायलट कार और इंटरसेप्टर कार हुई बंद

अमृत विचार: मुख्यमंत्री धामी की सुरक्षा से जुड़ी एक बड़ी लापरवाही गुरुवार को सामने आयी है। दरअसल, सचिवालय में राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा बैठक के बाद सीएम जब गढ़ी कैंट स्थित हिमालय सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के लिए रवाना हो रहे थे तो उस दौरान सीएम फ्लीट में लगी पायलट कार खराब हो गई, जिस कारण सीएम की फ्लीट बिना पायलट कार के ही रवाना हो गई।

हैरानी की बात यह भी है कि सीएम की फ्लीट जैसे ही सचिवालय से बाहर निकल रही थी तो वीआईपी फ्लीट को रास्ता दिखाने के लिए सचिवालय गेट पर खड़ी इंटरसेप्टर कार भी मौके पर खराब हो गई। ऐसे में सीएम के रवाना होने के बाद पायलट कार और इंटरसेप्टर को धक्का मारकर स्टार्ट करना पड़ा।

इस संबंध में पुलिस विभाग की तरफ से बताया कि, मुख्यमंत्री की फ्लीट में नियुक्त वाहन के फ्लीट मूवमेंट के दौरान समय से वाहन स्टार्ट न होने पर एसएसपी देहरादून द्वारा आरक्षी चालक दीपक सैनी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। बताया गया कि, सीएम फ्लीट में नियुक्त वाहन चालक फ्लीट मूवमेंट के दौरान समय से वाहन स्टार्ट नहीं कर पाया।

कर्नाटक में हेटस्पीच पर सात साल की होगी जेल

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा ने हंगामे के बीच नफरती भाषण पर रोक से संबंधित एक विधेयक पारित कर दिया। घृणा भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक देश का पहला ऐसा कानून है, जिसमें सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को चार दिसंबर को मंजूरी दी थी और 10 दिसंबर को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसे सदन में पेश किया था। मंत्री ने कहा कि बार-बार अपराध करने की स्थिति में 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान घटाकर सात साल कर दिया गया है। ऐसी कोई भी अभिव्यक्ति, जो किसी भी पूर्वाग्रहपूर्ण हित को पूरा करने के लिए जीवित या मृत व्यक्ति, या दुर्भावना की भावना पैदा करने के इरादे से सार्वजनिक रूप से बोले गए या प्रसारित की जाती है, वह घृणास्पद है।

सम्मान | सीएम धामी ने विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर दिया संबोधन, मुस्लिम महिलाओं ने यूसीसी लागू करने पर किया अभिनंदन

भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों-समुदायों के प्रति सम्मान की परंपरा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के साथ अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आई मुस्लिम महिलाओं ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी एक भाई के रूप में प्रदेश और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। कहा कि आज का दिन भारत की एकता और अखंडता के संरक्षण के लिए हमारे मौलिक कर्तव्यों को याद करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में सदियों से समानता और सभी धर्मों तथा समुदायों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है। भारत में अनेकों संस्कृतियों, परंपराओं, भाषाओं और खान-पान की विविधता के बावजूद एकता की भावना रही हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के महान सिद्धांत को आत्मसात करते हुए भारत ने हमेशा समूची दुनिया को एक परिवार के रूप में माना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ सभी समुदायों को आगे बढ़ाया जा रहा है। आज जन-धन योजना, उज्जवला योजना, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना जैसी अनेकों योजनाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण, लंगर से सभी प्रकार के करों को हटाना, जियो पारसी योजना, बौद्ध सर्किट का विकास, जैन अध्ययन केंद्र की स्थापना, हज यात्रा की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाने एवं तीन तलाक जैसी कुप्रथा का अंत जैसे निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहन राशि दे रही है। पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को वार्षिक छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। कहा कि, जनता से किए वादे के अनुसार हमने राज्य में यूसीसी लागू कर सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में पूरे देश को एक नई दिशा दिखाने का कार्य किया है।

उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने पर मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन करतीं मुस्लिम महिलाएं।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

संतुष्ट नहीं हुई कोर्ट खान अधिकारी तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने ऊधमसिंह नगर के सिरोलीकलां सहित पांच अन्य गांवों में अवैध खनन को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। सरकार की तरफ से कोर्ट में ड्रोन से ली गयी फोटो पेश की गई। जब कोर्ट ने पूछा की ये फोटोग्राफ कब ली गईं, तो कोर्ट को कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला और न ही फोटोग्राफ में दिन व समय अंकित था। जिस पर कोर्ट संतुष्ट नहीं हुई और जिला खान अधिकारी को इसे स्पष्ट करने के लिए 19 दिसंबर को सुनवाई जारी रखते हुए जिला खान अधिकारी ऊधमसिंह नगर को वर्चुअल माध्यम से कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं।

डीएम पांच तक दें व्यक्तिगत शपथपत्र

नैनीताल : ऊधमसिंह नगर में वर्ष 2021 में 99 क्विंटल अनाज बिना वितरण व रखरखाव के चलते सड़ने और डीएम के आदेश पर दोषियों से रिकवरी के आदेश को कमिश्नर द्वारा माफ करने के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने डिस्पैच रजिस्टरों का अवलोकन किया लेकिन वह सन्तुष्ट नहीं हुई। कोर्ट ने जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर को 5 जनवरी तक अपना व्यक्तिगत शपथपत्र पेश करने और वर्चुअल माध्यम से कोर्ट में पेश होने को कहा है। मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट ने 5 जनवरी की तिथि नियत की है।

दूसरी जमानत याचिका भी खारिज हुई

नैनीताल : हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपी, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) विभाग रुद्रपुर के अधीक्षक योगेश चंद अग्रवाल की दूसरी जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठानी की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि आरोपी की गिरफ्तारी में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन नहीं हुआ है। अदालत ने माना कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को लिखित में आधार स्पष्ट कर दिए गए थे, जो कानूनन पर्याप्त हैं।

सजा हुई रद्द, नए सिरे से लें निर्णय

नैनीताल : हाईकोर्ट ने पिरान कलियर कब्रिस्तान में महिला और बच्चे की हत्या के आठ साल पुराने मामले में निचली अदालत द्वारा चारों अभियुक्तों-अजाम उर्फ अजीम, हफीज मुस्तकीम, इमाम रजा नकवी और रफी को दी गई सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस रविंद्र मैठाणी और जस्टिस आलोक महरा की खंडपीठ ने प्रक्रियात्मक खामियों को देखते हुए मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए वापस निचली अदालत भेज दिया है। यह मामला 8 अगस्त 2009 का है, जब रुड़की के पिरान कलियर स्थित कब्रिस्तान में नूरजहां और उसके 10 वर्षीय बेटे अब्दुल रहमत के शव मिले थे।

स्वास्थ्य विभाग में 1 जनवरी से बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

देहरादून : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर की चिकित्सा इकाईयों में आगामी 1 जनवरी से बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य रूप से लागू की जायेगी। इस संबंध में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य महानिदेशक को बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा चिकित्सा इकाईयों में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर व सुगम बनाने के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को जिलों का भ्रमण कर निरीक्षण करने को भी कहा है।

एआई से रोकें कर की चोरी, बाहरी वाहनों पर ग्रीन सेस लगाएं: सीएम

सीएम धामी ने की समीक्षा बैठक, ग्रीन सेस लेने में लेटलतीफी पर जतायी नाराजगी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजस्व वसूली बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हुए तय लक्ष्य समय पर पूरे करने और प्रदेश से बाहर के वाहनों से ग्रीन सेस लेने की कार्यवाही में लेटलतीफी पर नाराजगी जताते हुए परिवहन विभाग को ग्रीन सेस की वसूली जल्द शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सचिवालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 की राजस्व प्राप्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। निबंधन एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित सभी कार्यों का डिजिटाइजेशन किया जाए। सब रजिस्ट्रार कार्यालयों का जिलाधिकारियों एवं संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए। रजिस्ट्री के दौरान संपति का उचित मूल्य दर्ज हो, इसकी जांच के लिए संपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण भी किया जा जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए राज्य के हित में वन संपदा का सही उपयोग किया जाए। तराई क्षेत्रों में कॉमर्शियल प्लांटेशन तथा जड़ी-बूटियों के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए ठोस योजना बनाई जाए। राज्य के समग्र विकास के लिए राजस्व में बढ़ोतरी करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'इस दशक को उत्तराखंड का दशक' बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए संसाधन वृद्धि को मिशन मोड में लागू किया जा रहा है।

विशेष श्रेणी के राज्यों में उत्तराखंड को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, खनन सुधारों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य को 200 करोड़ की केंद्रीय प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है, जो राज्य के सही दिशा में बढ़ने का परिचायक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,015 करोड़ का कर राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक 62 प्रतिशत से अधिक प्राप्ति हो चुकी है। उन्होंने संबंधित विभागों से आगामी अवधि में लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए समन्वित और सक्रिय प्रयास किए जाने के निर्देश दिए।

पूंजीगत व्यय में 34 प्रतिशत की वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दीर्घकालिक आर्थिक सुदृढ़ता के लिए पूंजीगत निवेश पर विशेष बल दे रही है। पूंजीगत व्यय में 34 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई गति मिलेगी और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा। वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक और उत्तरदायी बनाने के लिए नीति सुधार, नवाचार तथा नई तकनीकों पर निरंतर ध्यान दिया जाना जरूरी है। पारदर्शिता, जवाबदेह और जनहित में ठोस परिणाम देने वाला प्रशासन हमारा उद्देश्य है जिसके लिए सभी अधिकारियों को कड़े वित्तीय अनुशासन, बेहतर प्रबंधन और सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य में जुटे रहना होगा।

किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है नया अल्पसंख्यक शिक्षा कानून: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

समारोह में मेधावी छात्रा को सम्मानित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, राज्य के अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश में नया अल्पसंख्यक शिक्षा कानून लागू किया है। ये कानून किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सभी अल्पसंख्यक समुदायों सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी और मुस्लिमों को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करेगा जिसके अंतर्गत सभी मदरसों सहित सभी अल्पसंख्यक विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा।

गुरुवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि, सरकार ने सभी धर्मों की स्वायत्तता की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून भी लागू किया है ताकि किसी भी प्रकार के दबाव, प्रलोभन या छल से होने वाले धर्मांतरण को रोका जा सके और सामाजिक सौहार्द बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के कई अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदायों को भेदभाव, उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने विश्व अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर सभी अल्पसंख्यको से आह्वान करते हुए कहा कि सभी सोशल मीडिया के माध्यम से उन देशों में हो रहे अत्याचार और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, अल्पसंख्यक क्षेत्रों में मांग के अनुरूप आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास को गति देने के लिए अल्पसंख्यक विकास निधि की स्थापना भी की गई है जिसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 4 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम, पद्मश्री डॉ. आर.के जैन, श्री हेमकुंड साहिब ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा, अध्यक्ष वक्फ बोर्ड शादाब शम्स मौजूद रहे।

शासन हुआ गंभीर, एसपी सुरक्षा को विस्तृत जांच

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी की फ्लीट सुरक्षा में लापरवाही का मामला

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सुरक्षा में चूक के संबंध में एडीजी इंटेलीजेंस ने त्वरित व कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को मुख्यमंत्री की सुरक्षा फ्लीट में नियुक्त एक फ्लीट वाहन में तकनीकी खराबी उत्पन्न होने के कारण सुरक्षा ड्यूटी में चूक की स्थिति उत्पन्न हुई। यह घटना सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा से संरक्षित महानुभाव हैं, अतः उनकी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। उक्त घटना के संबंध में उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक, अभिसूचना एवं सुरक्षा अभिनव कुमार द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश दिए गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक में सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये तत्काल निलम्बन की कार्यवाही की गई है। घटना के संबंध में मुख्य सुरक्षा अधिकारी, मुख्यमंत्री सुरक्षा की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) को 7 दिवस के भीतर विस्तृत जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री सुरक्षा एवं राजभवन सुरक्षा में नियुक्त सभी वाहनों की वर्तमान स्थिति का आकलन करने हेतु पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) को तत्काल भौतिक एवं तकनीकी निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिपं चुनाव मामला: हाईकोर्ट ने उठाए जांच और रवैये पर सवाल

विधि संवाददाता, नैनीताल

- सरकार ने कहा-हिंसा एक साजिश जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा
- मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने 29 तक मांगी जांच प्रगति रिपोर्ट

अमृत विचार: नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव में बवाल के मामले में हाईकोर्ट ने अभी तक की जांच और पूरे रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि चार महीने में अभी तक एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। अदालत ने पुलिस महानिदेशक से इस पूरे प्रकरण को देखने और अधिकारियों के रवैये पर कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही, निर्देश दिए कि इस प्रकरण की जांच एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की निगरानी में की जाए और 29 दिसंबर तक जांच की प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश करें।

इस मामले में गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। अपराध शाखा अपराध जांच विभाग (सीबीसीआईडी) के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अरुण मोहन जोशी वर्चुअली रूप से अदालत में पेश हुए। उन्होंने कहा कि सीबीसीआईडी की ओर से दोषरहित जांच की जा रही है। प्रयास है कि वह ठोस आरोपपत्र दायर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सीबीसीआईडी अभी तक 70 मामलों की जांच कर चुकी है और सभी एक साल से कम अवधि में संपन्न की गयी हैं। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से कहा गया कि पुलिस जांच का दायरा बढ़ा रही है और यह भी पता लगा रही है कि इस पूरी साजिश में कौन-कौन से लोग शामिल हैं। सरकार की ओर से इसे एक साजिश बताया गया और कहा गया कि चार से 14 अगस्त के मध्य यह पूरी साजिश की गयी है। जांच में इस पर भी फोकस किया जा रहा है। सरकार की तरफ से कहा गया कि यह भी ध्यान देने लायक बात है कि घटना के दिन कुछ जिला पंचायत सदस्यों के विजयी प्रमाण पत्र एक ही व्यक्ति के पास कैसे उपलब्ध थे। ये सभी लोग कैसे नैनीताल पहुंचे और इन बिंदुओं पर भी जांच की जाएगी। सरकार की ओर से आगे कहा गया कि एक ही मामले में कुल छह प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज हैं। इनमें चार एफआईआर निजी लोगों द्वारा हैं। इन मामलों की अलग अलग जांच की जा रही है। उन्होंने अदालत से मांग की कि पहली एक एफआईआर पुलिस अधिकारी की ओर से की गयी है और उसमें ही जांच की जानी चाहिए।

अधिकतम नागरिक सेवाएं कानूनी दायरे में लाएं: सीएस

संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने दिए बैठक में निर्देश, प्रथम एवं द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी की जानकारी भी प्रदर्शित की जाए

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में सेवा का अधिकार के अंतर्गत सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाओं को सेवा का अधिकार कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए।

उन्होंने आईटीडीए को आरटीएस और नॉन आरटीएस 1053 अधिसूचित सेवाओं को शीघ्र ऑनलाइन किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि विभागों के निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सेवाओं को उपलब्ध कराया जाए। निर्धारित समयावधि में उक्त सेवा प्रदान नहीं की जाती है तो सिस्टम से अपने आप उच्च स्तरीय अधिकारी तक पहुंच जाए। उन्होंने सेवा का अधिकार के तहत विभागों द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी अनिवार्य रूप से कार्यालयों के आगे पटल पर प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही कहा कि प्रथम एवं द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी की जानकारी भी प्रदर्शित की जाए। उन्होंने आयुक्त, सेवा का अधिकार आयोग को सेवा का अधिकार के लिए ड्राफ्ट नियम तैयार किए जाने की बात कही, ताकि इसे और प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इस अवसर पर सचिव नितेश कुमार झा, आयुक्त सेवा का अधिकार आयोग भूपाल सिंह मनराल एवं निदेशक आईटीडीए आलोक पांडेय मौजूद रहे।

आईआईटी रुड़की में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन का शुभारंभ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सम्मेलन में करीब 150 शोध पत्र पेश किए जाएंगे

अमृत विचार: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य शिक्षा में इसके महत्व को बताना है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में भारत के अलावा विदेशों से आए विद्वान, संत और शोधकर्ता भारतीय ज्ञान परंपरा पर विचार विमर्श करेंगे। सम्मेलन में करीब 150 शोध पत्र पेश किए जाएंगे।

सम्मेलन में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक शिक्षा को रामायण के मूल्यों को समझने और आत्मसात करने जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मकसद सिर्फ आजीविका कमाना नहीं है बल्कि मानवता की सेवा करना है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर के.के. पंत ने बताया कि उनके संस्थान का कुलगीत भी कवि गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस की चौपाई से प्रेरित है। उन्होंने कहा, ''रामचरितमानस की पंक्ति 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' और आईआईटी-रुड़की का कुलगीत 'सर्जन हित जीवन नित अर्पित' दोनों समाज सेवा के महत्व को रेखांकित करते हैं।'' पंत ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के सिद्धांत अमूल्य हैं।

उन्होंने रामायण के मूल्यों, माता-पिता के प्रति कर्तव्य, सामाजिक जिम्मेदारी, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और 'रामराज्य के आदर्श' को सतत विकास, स्वास्थ्य, नैतिकता एवं राष्ट्र-निर्माण जैसे समकालीन विषयों से जोड़ते हुए युवाओं से आग्रह किया कि वे ज्ञान को केवल उच्च वेतन प्राप्ति का साधन न मानकर समाज की सेवा एवं 'विकसित भारत 2047' के निर्माण का माध्यम समझें।

संत महामंडलेश्वर स्वामी हरि चेतनानंद ने मोबाइल फोन और भौतिक चीजो के पीछे भागने वाले इस दौर में चरित्र निर्माण और आंतरिक सुख के लिए रामायण, महाभारत और दूसरे धर्मग्रंथों के महत्व के बारे में बताया। उद्घाटन सत्र में 'गीता शब्द अनुक्रमणिका' (गीता शब्द इंडेक्स) का विमोचन भी किया गया।

विद्यार्थियों की बस में लगी आग

देहरादून: तमिलनाडु के एक विश्वविद्यालय से यहां घूमने आए विद्यार्थियों की बस में गुरुवार को आग लग गयी हालांकि समय रहते उन्हें बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी होने से बच गई।

पटेल नगर थाना प्रभारी चंद्रभान अधिकारी ने बताया कि यह घटना शिमला बाईपास मार्ग पर सेंट ज्यूड चौक के पास उस समय हुई, जब मदुरै कृषि विवि के 40 विद्यार्थियों को हरिद्वार से एफआरआई ले जा रही एक निजी बस में अचानक आग लग गयी। आग लगने से बस में अफरातफरी मच गयी हालांकि मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों ने आग के भड़कने से पहले ही सभी विद्यार्थियों को बाहर निकाल लिया। मौके पर पहुंचे दमकल वाहन ने आग पर काबू पा लिया। सभी छात्र सुरक्षित हैं लेकिन आग में उनका सामान जल गया।

भू अभिलेखों से जुड़े सभी पोर्टल जल्द शुरू करें: बर्द्धन

संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार: सरकार ने भूलेख पोर्टल को एक जनवरी और आरसीएमएस पोर्टल को 26 जनवरी से शुरू करने का निर्णय लिया है। दोनों पोर्टल शुरू होने के बाद आम लोगों को राहत मिलने के साथ-साथ भूमि मामलों के निपटान को गति मिलेगी।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय मे भूमि अभिलेखों के डिजीटलीकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की और भूमि अभिलेखों के सम्बन्ध में विभिन्न सॉफ्टवेयर्स की प्रगति की जानकारी ली है। कहा कि भू अभिलेखों से जुड़े सभी पोर्टल जल्द शुरू किए जाएं। मुख्य सचिव ने भूलेख पोर्टल को एक जनवरी से शुरू किए जाने का निर्देश दिया ताकि आमजन को राहत मिल सके। कहा कि दाखिल खारिज का स्टेटस अपडेट होते ही सम्बन्धित को व्हाट्सएप और एसएमएस के जरिये तत्काल सूचना प्राप्त हो जाए व आरओआर में परिवर्तन होते ही खुद ही सजरे में भी स्टेटस परिवर्तन हो जाए। कहा कि यह भी प्रावधान रखा जाए कि अपने भूमि रिकॉर्ड की प्रति भी आसानी से मिल सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि आरसीएमएस पोर्टल को भी 26 जनवरी तक शुरू करना है, राजस्व कोर्ट को पूर्ण रूप से ई-कोर्ट के रूप में स्थापित किया जाए,

ताकि मामलों के निस्तारण में तेजी आ सके। कहा कि, राजस्व कोर्ट मामलों में भू अभिलेखों के सत्यापन आदि के लिए पटवारी-कानूनगो के स्तर पर समय-सीमा निर्धारित करते हुए सॉफ्टवेयर में समाविष्ट किया जाए ताकि मामलों को जल्द निस्तारित किया जा सके। इसके लिए आईटीडीए को भी अपने सिस्टम को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

रोमांचक दुनिया

आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा अरोरा बनने का क्रम

पृथ्वी के ध्रुवों पर रोमांचक रंग-बिरंगी रोशनी का नजारा

संवाददाता, नैनीताल

नॉर्वे के समीप आइसलैंड से ली गई अरोरा की तस्वीर।

अमृत विचार: भले ही यह सौर चक्र सूर्य की सतह पर भीषण विस्फोटों का रहा हो, लेकिन इसका रोमांचक नजारा पृथ्वी की ध्रुवों पर आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी (अरोरा) के रूप में खूब देखने को मिल रहा है। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी रंग बिरंगी रोशनियों का दीदार जारी रहेगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह सौर चक्र सूर्य की सतह पर विफोटो के साथ भू चुंबकीय सौर तूफानों से भरा रहा। इस सौर चक्र में सूर्य पर सक्रियता पिछले डेढ़ साल पहले शुरू हो गई थी, जो अभी तक जारी है। नवंबर का महीना सर्वाधिक सौर तूफानों के नाम रहा। इस पूरे सौर चक्र में अत्यधिक सक्रियता ने तीन दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। हालांकि इससे पहले सौर चक्र 17 में सौर विस्फोट काफी अधिक रहे थे जो सौर चक्र 21 में भी सक्रिय देखे गए। मगर 22वें सौर चक्र की शुरुआत में हालत बदल गए और सौर सक्रियता संतुलन बिगड़ गया।

जान लीजिए कि, एक सौर चक्र औसतन 11 वर्ष का होता है जिसमें करीब डेढ़ वर्ष सूर्य की सक्रियता यानी विस्फोट के रूप में देखने को मिलती है। जिस कारण सौर तूफान अधिक उठते हैं, जो हमारी पृथ्वी के ध्रुवों तक पहुंचते है। सौर तूफानों से सैटेलाइट, हवाई उड़ानों और इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खतरा पहुंचता है, लेकिन पृथ्वी के ध्रुवों से सौर तूफानों के टकराने से अरोरा बनते हैं। जिस कारण ध्रुवों पर मनमोहक नजारा देखने को मिलता है, जो इन खूब नजर आ रहे है। डॉ. वहाबउद्दीन का कहना है कि आने वाले दिनों में अरोरा के रंग ध्रुवों पर खूब नजर आने वाले हैं।

चार सन स्पॉट ग्रुप, बड़े विस्फोटों की आशंका

डॉ. वहाबउद्दीन बताते हैं कि अभी सूर्य की सतह पर चार सन स्पॉट ग्रुप बने हुए हैं जिनमें बड़े विस्फोटों की आशंका बनी हुई है जिसके कारण सौर तूफानों के उठने की संभावना रहेगी। इसके चलते ध्रुवों पर अरोरा की रंग-बिरंगी रोशनी नजर आती रहेंगी। उम्मीद है कि कुछ समय बाद इस सौर चक्र के सक्रियता के साथ ही विस्फोटों का दौर भी थम जाएगा। साथ ही, सूर्य अपनी सामान्य अवस्था में नजर आने लगेगा।

सीएम ने दिया 183.97 करोड़ का अनुमोदन

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के तहत सडक, रोपवे, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा, हवाई अड्डों आदि से संबंधित विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 183.97 करोड़ रुपये की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने मसूरी एवं रानीबाग (काठगोदाम) से नैनीताल मार्ग में रोपवे निर्माण हेतु फिजिबिलटी अध्ययन कराने, जीआईसी राजकीय मेडिकल कॉलेज, रुद्रपुर के निर्माण कार्यों, नगर पंचायत गूलरभोज क्षेत्रान्तर्गत कोपा स्थित श्मशान घाट का निर्माण व नवीनीकरण कार्य, शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना के निर्माण कार्य, राज्य के समस्त जनपदों के पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय परिसरों में जनरेटर क्रय करने का अनुमोदन दिया है।

हरिद्वार में बालक को भिक्षुक होने से बचाया

संवाददाता, हरिद्वार

- सौतेला पिता लावारिस छोड़ गया एएचटीयू ने फर्ज निभाया

अमृत विचार: हरिद्वार में मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) ने आठ वर्षीय बालक को लाचारी में भिक्षुक बनने से बचा लिया।

दरअसल एएचटीयू टीम रूटीन अभियान के दौरान बुधवार देर रात सुभाष घाट के पास पहुंची तो वहां कड़ाके की ठंड में ठिठुरता और भूख से व्याकुल यह बालक मिला। दिल्ली निवासी इस बालक ने बताया कि 10 दिन पूर्व उसका सौतेला पिता उसे घुमाने के बहाने हरिद्वार लाया था और मोती बाजार के पास खरीदारी का बहाना बनाकर उसे वहीं छोड़कर भाग गया और लौटा नहीं। मासूम ने काफी दिनों तक उसी स्थान पर अपने सौतेले पिता का इंतजार किया, लेकिन भूख, ठंड और बेबसी के कारण उसे भिक्षुकों के साथ बैठकर उनके सहारे मिलने वाले भोजन और कंबलों पर निर्भर होना पड़ा। एएचटीयू टीम ने तत्परता दिखाते हुए बालक को तत्काल सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया। बालक को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) हरिद्वार के समक्ष पेश किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत बालक को खुला आश्रय गृह, कनखल में सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया गया है।

सिटी ब्रीफ

बनभूलपुरा पुलिस ने पकड़ा सटोरिया

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने एक सटोरिए को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 17 दिसंबर को मो . शावेज पुत्र फिदा हुसैन निवासी नई बस्ती ठोकर बनभूलपुरा को सट्टे की खाई-बाड़ी करते रंगेहाथ पकड़ा गया। आरोपी के पास से पुलिस ने सट्टा पर्ची, पैन, गत्ता व 1680 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मैदानी इलाकों में आज और कल कोहरे की चेतावनी

हल्द्वानी : मैदानी इलाकों में कोहरा और ठंड की मार पड़ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने शुक्रवार और शनिवार को भी कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। राज्य के हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल, चंपावत, पौड़ी और देहरादून जिलों के मैदानी इलाकों में कोहरे की मार रहेगी। साथ ही हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में कहीं-कहीं शीतदिवस की स्थिति बनेगी। हल्द्वानी में दिन के समय चटक धूप निकली और शाम के समय ठंड बढ़ी। अधिकतम तापमान 20 .4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 .6 डिग्री रहा।

नो एंट्री में घुसे 11 वाहनों के चालान, लगाए रिफ्लेक्टर

हल्द्वानी : यातायात पुलिस ने नो एंट्री जोन में घुसे 11 मालवाहन वाहनों के चालान किए हैं। साथ ही सभी वाहन चालकों को सख्त हिदायत देकर छोड़ा है। इसके अलावा कोहरे को देखते हुए पुलिस ने वाहनों में रिफ्लेक्टर भी लगाए। यातायात निरीक्षक महेश चंद्रा ने बताया कि मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीलीकोठी और आनंदपुर में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में बड़े वाहनों को ला रहे चालकों पर जुर्माना ठोका गया। वाहन चालकों को हिदायत देकर कहा कि अगर दोबारा वह नियमों का उल्लंघन करते हैं तो गाड़ी सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

कैंची धाम के पास खाई में गिरी स्कॉर्पियो, 3 की मौत व 6 घायल

सूचना पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने चलाया रेस्क्यू अभियान, बरेली के बताए गए यात्री, वाहन में चालक समेत नौ लोग थे सवार

संवाददाता, नैनीताल/भवाली

अमृत विचार: भवाली-अल्मोड़ा मोटर मार्ग पर कैंची धाम के समीप गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बाबा नीम करौली महाराज के दर्शन के लिए निकले श्रद्धालुओं की यह यात्रा तीन लोगों के लिए अंतिम साबित हुई।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह बरेली (उत्तर प्रदेश) के इज्जतनगर से नौ लोग एक स्कॉर्पियो वाहन से कैंची धाम जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े नौ बजे भवाली से लगभग तीन किलोमीटर आगे निगलाट के पास वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन के खाई में गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। ग्रामीणों ने पुलिस और एसडीआरएफ के पहुंचने से पहले अपने स्तर पर रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। मौके पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया। खाई की गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण रहा।

ग्रामीणों के सहयोग से एसडीआरएफ ने सभी घायलों और शवों को खाई से बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद सभी को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

एसडीआरएफ की सब इंस्पेक्टर भावना ने बताया कि स्कॉर्पियो में चालक समेत कुल नौ लोग सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना परिजनों को फोन के माध्यम से दे दी गई। वहीं नैनीताल के सीओ रविकांत सेमवाल ने बताया कि पुलिस ने मृतकों और घायलों का विवरण जारी कर दिया है। प्रथम दृष्टया हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

निगलाट में घायलों को लाते स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

घटना स्थल से घायलों को निकालते एसडीआरएफ टीम व स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

गंगा देवी। (फाइल)

नैंसी गंगवार। (फाइल)

बृजेश देवी। (फाइल)

हर वर्ष कैंची धाम घूमने आता है परिवार

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में गुरुवार को बरेली से पहुंचे मृतक व घायलों के परिजनों का जमावड़ा लग गया। इस दौरान 20 वर्षीय घायल अक्षय के बड़े भाई हरवेंद्र पटेल ने बताया कि परिवार के लोग हर वर्ष कैंची धाम में बाबा के दर्शन करने आते हैं। बरेली से वह सुबह छह बजे निकले थे। करीब साढ़े नौ बजे उन्हें हादसे की खबर मिली और आनन-फानन में वह लोग यहां हल्द्वानी पहुंच गए।

भवाली के समीप निगलाट में हुए हादसे में मारी गई महिला के शव को ले जाती टीम।

कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हैं क्रैश बैरियर

भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर जगह-जगह गहरी खाइयां हैं। कैंची धाम तक कई स्थानों पर क्रैश बैरियर या तो क्षतिग्रस्त हैं या लटके हुए हैं। अमृत विचार द्वारा इस समस्या को लेकर पूर्व में कई बार समाचार भी प्रकाशित किए जा चुके हैं। हादसे वाली जगह पर ब्रेक लगने के कोई निशान नहीं दिखे, जिससे यह आशंका और मजबूत होती है कि या तो चालक को नींद की झपकी आ गई या वह मोड़ का सही अंदाजा नहीं लगा पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वहां मजबूत क्रैश बैरियर होता, तो संभवत: लोगों की जान बच सकती थी।

सामने से आई मौत, मां-पत्नी व साली को लील गई

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- हादसे में बाल-बाल बचे एयरफोर्स के एयरमैन पर टूटा दुखों का पहाड़
- एयरमैन राहुल बोले, सामने से आए वाहन को पास देने में हुआ हादसा

अमृत विचार : बरेली के कैंची धाम के निकले परिवार को नहीं पता था कि उनका यह सफर कैंचीधाम से ठीक पहले ही खत्म हो जाएगा। कैंची धाम से पहले सामने आई मौत (वाहन) को पास देना स्कॉर्पियो सवारों को भारी पड़ गया और खास तौर पर एयरफोर्स के एयरमैन राहुल को। इस हादसे में राहुल को सिर्फ खरोचें आईं, लेकिन मां, पत्नी और साली को मौत लील गई।

चावड़, अहमदनगर, बरेली, निवासी राहुल पटेल एयरफोर्स में बतौर एयरमैन कार्यरत हैं। इलाज के लिए डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल लाए गए राहुल ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई उसमें उनकी मां गंगा देवी, पत्नी बृजेश और साली नैंसी थी। राहुल का कहना है कि भवाली पार करने के बाद जब वह कैंची धाम की ओर बढ़ रहे थे, तभी सामने से एक वाहन आया।

वाहन की रफ्तार काफी तेज थी और इस वाहन को पास देने के चक्कर में जब स्कॉर्पियो ने साइड ली तो उसका पिछला पहिया सड़क से नीचे उतर गया। स्कॉर्पियो को झटका लगा और एक पल में स्कॉर्पियो समेत सभी लोग गहरी खाई में जा गिरे। किसी को कुछ समझ नहीं आया कि क्या हुआ। जब तेजी से खाई में गिरती स्कॉर्पियो की आवाज शांत हुई तो सभी ने खुद को नदी किनारे पड़ा पाया।

हादसे में इनकी हुई मौत

गंगा देवी पत्नी भूप राम उम्र 55 वर्ष, बृजेश कुमारी पत्नी राहुल पटेल उम्र 26 वर्ष निवासीगण ग्राम चावण पोस्ट मुड़िया थाना इज्जतनगर बरेली, नैंसी गंगवार पुत्री जयपाल सिंह गंगवार निवासी पीलीभीत बरेली उम्र 24 वर्ष

ये हुए घायल

ऋषि पटेल उर्फ यूवी पुत्र राहुल पटेल उम्र 7 वर्ष, स्वाति पत्नी भूप राम उम्र 20 वर्ष, अक्षय पुत्र ओमेंद्र सिंह उम्र 20 वर्ष, राहुल पटेल पुत्र भूप राम उम्र 35 वर्ष, निवासीगण ग्राम चावण पोस्ट मुड़िया थाना इज्जतनगर बरेली, करन उर्फ सोनू पुत्र जितेंद्र निवासी गुजरात उम्र 25 वर्ष, ज्योति पत्नी करन निवासी गुजरात उम्र 25 वर्ष

जमीन को गिरवी रख लिया लोन फिर बेच दी, मुकदमा

संवाददाता, हल्द्वानी

- बैंक शाखा प्रबंधक की तहरीर को पुलिस ने किया अनसुना
- न्यायालय पहुंचा मामला तो मुकदमा दर्ज करने का आया आदेश

अमृत विचार: एक युवक ने बैंक में जमीन को बंधक रखकर 12.50 लाख रुपये ऋण लिया और बाद में छल-कपट से उस जमीन को बेच भी दिया। बैंक ने ऋण न चुकाने पर उसे नोटिस भी भेजे और बाद में पता चला कि आरोपी ने जमीन को ही बेच दिया है। बैंक प्रबंधक ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब न्यायालय ने आरोपी के ऊपर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

डिंपल गुंसाई नैनीताल बैंक लिमिटेड की उदयलालपुर शाखा की प्रबंधक हैं। उन्होंने न्यायालय द्वितीय अपर सिविल जज के यहां प्रार्थना पत्र दाखिल किया और कहा कि दानिश सिद्दीकी ने 18.4.22 को नवाड़खेड़ा में स्थित करीब 1698 वर्ग फिट जमीन को बैंक में बंधक के तौर पर रखा और 12.50 लाख रुपये का ऋण लिया। ऋण लेने के बाद उसने नहीं चुकाया और 28.10.22 को उसके ऋण खाते को गैर निष्पादित परिसम्पत्ति घोषित कर दिया।

बैंक को बाद में पता चला कि उक्त भूमि उसने गलत तरीके से मो. मूसा को 19.3.24 को बेच दी है। इससे बैंक को आर्थिक तौर पर हानि हुई। मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए सीओ हल्द्वानी, एसएसपी नैनीताल को प्रार्थना पत्र दिए गए लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। अधिवक्ता एमसी पाठक ने बताया कि न्यायालय द्वितीय अपर सिविल जज विशाल ठाकुर ने प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

मनरेगा से राष्ट्रपिता का नाम हटाना अपमान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने पर विरोध जताया है। कहा कि भाजपा की नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी के प्रति राजनीतिक कटुता हो सकती है लेकिन राष्ट्रपिता का नाम हटाना उनका अपमान है। मनरेगा के मूल स्वरूप को बदल दिया। जिस मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने में भूमिका निभाई थी, उसी को कमजोर कर दिया है।

विधायक सुमित ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि, केंद्र सरकार ने मनरेगा में रोजगार के दिनों को 100 से घटाकर 60 कर दिया है। पहले ग्रामीणों को साल में 125 दिनों तक रोजगार मिल जाता था लेकिन अब उन्हें केवल 60 दिन ही काम मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ेगी। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत कार्यों की संस्तुति पहले ग्राम प्रधान और ग्राम सभा से होती थी, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार रोजगार उपलब्ध होता था लेकिन अब केंद्र ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। अब मनरेगा के कार्यों को केंद्र से संचालित करने की योजना बना रही है। यह समझ से परे है कि दिल्ली में बैठे लोगों को कैसे पता चलेगा कि गांव में कहां निर्माण होना है। इस बदलाव से पहाड़ खाली हो जाएंगे। योजना पहाड़ों से पलायन रोकने की नहीं, बल्कि पलायन को और तेज करने की स्कीम बनती जा रही है। कहा कि, मनरेगा में केंद्र और राज्य के अंशदान के अनुपात को 90:10 से बदलकर 60:40 करना राज्यों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालने जैसा है। इससे राज्य सरकारों के लिए योजना को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन होगा। इसका नुकसान गरीब जन को होगा। इस दौरान महानगर अध्यक्ष गोविंद बिष्ट, मधु सांगुड़ी, शोभा बिष्ट, हेमंत बगड़वाल, एनबी गुणवंत मौजूद रहे।

नैनीताल रोड स्थित होटल में प्रेस वार्ता करते हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश एवं कांग्रेस के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सुमित की भाजपा को खुली बहस की चुनौती

हल्द्वानी : सुमित हृदयेश ने भाजपा को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि कांग्रेस मनरेगा सहित जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर तथ्यों और सच्चाई के साथ चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी में प्रशासन अनावश्यक रूप से लाल निशान लगा रहा है और आम नागरिकों को डरा रहा है। यह कार्रवाई जनहित से अधिक केवल बजट खर्च करने की मानसिकता को दर्शाती है।

एसआईआर धारचूला में करो

हल्द्वानी : विधायक ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग को एसआईआर करना है तो धारचूला में जाकर करे। वहां एक ब्लॉक प्रमुख जो स्वयं जनरल वर्ग से हैं और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित सीट से ब्लॉक प्रमुख बनी हुई हैं। निर्वाचन आयोग वहां जाकर एसआईआर की प्रक्रिया को पूरा करे। एसआईआर में कांग्रेस पूरी तरह से सजग और सक्रिय रहेगी जिससे आम इंसान का वोट देने का अधिकार न रद्द हो।

खुले में मीट बेचने पर रोक, सात को दिए नोटिस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : शहर में स्वच्छता, और धार्मिक-सामाजिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने मांस एवं मछली विक्रेताओं को दुकान के बाहर खुले में कटा हुआ मांस या मछली बेचने पर रोक लगा दी है। इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय सिंह के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार को अंडा मार्केट में विशेष अभियान चलाया। टीम ने क्षेत्र की कई मांस व मछली की दुकानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानों के बाहर खुले में कटा हुआ मांस और मछली रखी हुई पाई गई। इस पर टीम ने दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए कि खुले में मांस, मछली नहीं बेची जाएगी और न ही डिस्पले के लिए बाहर रखा जाएगा। साथ ही जिला प्रशासन के निर्देशों का तत्काल पालन करने को कहा। बीते दिनों शहर के व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन के साथ बैठक कर खुले में मांस और मछली रखे जाने पर आपत्ति जताई थी। लोगों का कहना था कि इससे न केवल शहर की स्वच्छता प्रभावित होती है, बल्कि दुर्गंध, मक्खियों की समस्या और स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ते हैं। इसके साथ ही पर्यटन नगरी नैनीताल की छवि पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एसडीएम नवाजिश खलिक ने बताया कि प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना करने पर सात दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और उन्हें नोटिस दिए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि कोई भी दुकानदार नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ जुर्माना, लाइसेंस निरस्तीकरण सहित अन्य कठोर कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने सभी मांस एवं मछली विक्रेताओं से अपील की है कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करें तथा सामग्री को ढककर, स्वच्छ और निर्धारित स्थान पर ही बिक्री के लिए रखें।

जायजा एसडीएम राहुल शाह ने हल्द्वानी में संचालित विभिन्न आधार केंद्रों का किया निरीक्षण

यह आधार केंद्र है, बताने को लगाएं डिस्प्ले बोर्ड

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने हल्द्वानी तहसील के अंतर्गत संचालित आधार केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सभी केंद्र संचालकों से कहा कि डिस्प्ले बोर्ड लगाएं ताकि आमजन को भी इन केंद्रों की जानकारी हो और लाभ मिल सके।

डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार, एसडीएम राहुल शाह ने दुर्गा सिटी सेंटर स्थित इंडसइंड बैंक, डाकघर और तहसील स्थित आधार नामांकन एवं अपडेट केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उन्होंने पाया कि तहसील परिसर स्थित आधार केंद्रों में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। यहां प्रतिदिन 100 से अधिक लोग आधार अपडेट कराने पहुंच रहे हैं, जबकि शहर के अन्य तहसील केंद्रों में यह संख्या महज 30-40 में सिमट जा रही है।

इस वजह से तहसील में लोगों की भीड़ लगी हुई है। एसडीएम ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि आधार केंद्र में शहर के अन्य आधार केंद्रों की भी सूची चस्पा करें ताकि भीड़ की स्थिति में लोग अन्य आधार केंद्र जाएं। वहीं, अन्य आधार केंद्रों को भी निरीक्षण दिए कि बड़े-बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाएं ताकि लोगों इन आधार केंद्रों की जानकारी मिले और वे इसका लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि आधार अपडेट के आवेदनों का संतुलित वितरण होना जरूरी है। शहरवासियों से भी तहसील के अतिरिक्त अन्य आधार केंद्रों में आधार अपडेट कराने की अपील की है।

डीसी स्थित इंडसइंड बैंक में आधार केंद्र का निरीक्षण करते एसडीएम राहुल शाह।

हल्द्वानी में संचालित आधार केंद्रों की सूची

1. बंधन बैंक, हल्द्वानी
2. तहसील परिसर, हल्द्वानी (दो केन्द्र)
3. डाकघर, काठगोदाम
4. प्रधान डाकघर, हल्द्वानी (दो केन्द्र)
5. इंडसइंड बैंक, दुर्गा सिटी सेंटर
6. सुन्दरपुर रैक्वाल, दौलतपुर, गौला पार
7. बाल विकास ब्लॉक कार्यालय, हल्द्वानी (शहरी)
8. बाल विकास ब्लॉक कार्यालय, हल्द्वानी (ग्रामीण)
9. डाकघर, भोटियापड़ाव, हल्द्वानी
10. केनरा बैंक, हल्द्वानी

मुक्तेश्वर की चरस के साथ तस्कर धरा

हल्द्वानी : शहर में खपाने के लिए मुक्तेश्वर से चरस की खेप लेकर पहुंचा तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी उस वक्त गिरफ्त में आया जब वह ग्राहक की तलाश में यहां-वहां घूम रहा था।

पुलिस के मुताबिक, मंडी चौकी प्रभारी प्रेम विश्वकर्मा, कांस्टेबल ललित मेहरा और अमर सिंह ने फायर स्टेशन की ओर से आते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस को उस पर शक तब हुआ, जब वह पुलिस को देख कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 200 ग्राम चरस बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शिवांग केसरवानी पुत्र लल्लू केसरवानी निवासी मंगलपड़ाव बताया। साथ ही बताया कि बरामद चरस वह मुक्तेश्वर के किसी नेगी नाम के व्यक्ति से 50 हजार रूपये मे खरीद कर लाया था, जिसे महंगे दामों में बेचना चाहता था।

उधारी मांगी तो पेंटर ने दंपती को पीटा, महिला डॉक्टर से लूटे जेवरात

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- साजिश के तहत दुर्गा सिटी सेंटर बुलाकर की गई मारपीट
- चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी, सीसीटीवी में कैद

अमृत विचार : उधारी वापस मांगना एक परिवार को भारी पड़ गया। साजिश के तहत बुलाकर महिला डॉक्टर, उनके पति और बेटे पर जानलेवा हमला किया और लूटपाट भी की। खास बात यह है कि पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की। एक साल से अधिक वक्त तक पुलिस के चक्कर लगाने के बाद अब कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ है।

मानपुर उत्तर निवासी डॉ. रश्मि सक्सेना के मुताबिक, उनके घर में पुताई का काम करने वाले दिलीप ने मकान बनाने के नाम पर अलग-अलग किश्तों में उनसे करीब 1 लाख 63 हजार रुपये उधार लिए। उनके घर का काम अधूरा छोड़कर आरोपी चोरी-छिपे बागजाला क्षेत्र में मकान बनाता रहा। कई बार मांगने पर भी न तो काम पूरा किया गया और न ही रकम लौटाई गई। पीड़िता का आरोप है कि 16 सितंबर 2024 को दिलीप और उसकी पत्नी के कहने पर उन्हें दुर्गा सिटी सेंटर के पास कैफे में पैसे लौटाने के बहाने बुलाया गया। वहां पहुंचते ही दिलीप का बेटा अजय, उसकी पत्नी बिपाशा और उनके साथ आए 10-12 लोगों ने हमला कर दिया। महिला डॉक्टर के पति को जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटा, जबकि उनके बेटे को जान बचाने के लिए भागना पड़ा। हमले के दौरान डॉ. रश्मि सक्सेना से जबरन दो अंगूठी और एक मंगलसूत्र छीन लिया। आरोप है कि कुछ हमलावरों के हाथों में चाकू भी थे और वो जान से मारने की धमकी दे रहे थे। मौके पर भीड़ जमा होने पर आरोपी फरार हो गए। घटना में तीनों के मोबाइल फोन और अन्य सामान भी टूट गए। पीड़िता का यह भी आरोप है कि घटना के बाद चौकी भोटियापड़ाव में शिकायत देने पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई और समझौते का दबाव बनाया गया। बाद में बेस अस्पताल में तीनों का मेडिकल कराया गया। डॉ. रश्मि सक्सेना ने आरोप लगाया कि दिलीप, उसकी पत्नी ललिता देवी, बेटे अजय व आकाश, बहू बिपाशा, उसके पिता-भाई और उनके साथियों का आपराधिक इतिहास है और शहर की कई चौकियों में इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

कामरेड विनोद मिश्र को दी श्रद्धांजलि

लालकुआं : संकल्प दिवस के अवसर पर आयोजित भाकपा (माले) की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड विनोद मिश्र की 27वीं बरसी पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाकपा माले के वरिष्ठ नेता बहादुर सिंह जंगी ने कहा कि 1970 के दशक के शुरुआती झटकों और बिखराव के बाद पार्टी को दोबारा खड़ा करने और संगठित करने में कामरेड विनोद मिश्र की ऐतिहासिक भूमिका रही है। कामरेड कैलाश पांडेय ने कहा कि देश में विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर मतदाता सूची से नाम हटाने, नए श्रम कोड, शिक्षा के निजीकरण, मनरेगा को कमजोर करने और विदेशी पूंजी को बढ़ावा देने को लोकतंत्र पर हमला बताया। कार्यक्रम में भुवन जोशी, विमला रौथाण, आनंद सिंह सिजवाली, पुष्कर दुबड़िया, किशन बघरी, गोविंद जीना, चंदन राम, धीरज कुमार, कमलापति जोशी, निर्मला शाही, डीएस मेहरा, अंबादत बसखेती और शिवानी रहे।

कृतिका व आयुष का बास्केटबॉल में चयन

रामनगर : एमपी इंटर कॉलेज के दो विद्यार्थियों का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत 69वें राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय के मीडिया प्रभारी हेम चन्द्र पाण्डे ने बताया कि इन छात्र-छात्राओं ने राज्यस्तर पर अल्मोड़ा में प्रतिभाग किया था। कक्षा 8 की बालिका कृतिका नेगी का चयन यू-14 बालिका वर्ग में हुआ है। ये 19 से 23 दिसंबर शहदोल, मध्य प्रदेश में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। जबकि कक्षा 7 में अध्ययनरत बालक आयुष रावत का चयन यू-14 बालक वर्ग में हुआ है। ये 23 से 28 दिसंबर तक जबलपुर मध्य प्रदेश में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।इस वर्ष राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता अल्मोड़ा में आयोजित की गई थी। बालिकाओं की इस उपलब्धि पर खेल अध्यापक प्रकाश रावत, प्रबंधक विनय जिन्दल, प्रधानाचार्य संजीव शर्मा, शिक्षक राजीव शर्मा, शिवेन्द्र चंद, कैलाश त्रिपाठी, केके फुलेरा, दीप नारायण, रजनीश आर्या, सर्वेश मालिक, प्रदीप रावत, श्याम मेहरा, नीरज राज आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

देवभूमि पत्र संवाहक कल्याण समिति ने गुरुवार को रोडवेज सेंटर पर किया कार्यक्रम का आयोजन

वितरक बंधुओं ने केक काटकर धूमधाम से मनायी वर्षगांठ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: देवभूमि पत्र संवाहक कल्याण समिति के वर्षगांठ के अवसर पर वितरक दिवस कार्यक्रम गुरुवार सुबह रोडवेज सेंटर पर हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह राणा एवं संचालन बालादत्त नैनवाल ने किया। इस दौरान अध्यक्ष राणा ने वितरकों के पलायन को गंभीरता से लेते हुए कहा कि भविष्य में समिति वितरकों के लिए ठोस रणनीति तैयार करेगी तथा हर महीने

केक काटकर वर्षगांठ मनाते देवभूमि पत्र संवाहक कल्याण समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

वितरकों के साथ बैठक की जाएगी जिसमें प्रसार बढ़ाने के संदर्भ में मंथन किया जाएगा। वितरकों की पेंशन कार्रवाई हो सके, सरकारी योजना, साइकिल वितरण जैसी योजना के लिए कोषाध्यक्ष जगदीश सिंह बिष्ट को वितरकों के आधार कार्ड की कॉपी जमा करने को कहा। विधि जानकारी व सरकारी योजना की जानकारी के लिए बालादत्त नैनवाल से चर्चा की गई। महामंत्री कृष्णानंद जोशी ने कहा कि वितरकों की समस्या के निस्तारण को हरसंभव प्रयास किया जाएगा और इसके लिए समिति वचनबद्ध है। वितरकों ने समिति अध्यक्ष की वितरक हितैषी योजना की प्रसंसा की। इस अवसर पर जगदीश बिष्ट, श्याम भोज, पूरन बृजवासी, कैलाश रौतेला, नीरज पंत, कमल जोशी, हरीश जोशी, विवेक गुप्ता, दलप्रीत सिंह प्रिन्स, बिट्टू, अजय जायसवाल, गिरीश मासीवाल, संतोष, पप्पू, पूरन बुढ़लाकोटी, मनीष सेन, अभिषेक शर्मा, गोपाल बिष्ट, प्रकाश जोशी, राजन बिनवाल, राहुल, ईश्वरी दत्त जोशी, मनीष जोशी, रमेश बहुगुणा, पंकज आर्या, विकास चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

बर्ड वॉचर के कैमरे में कैद हुआ बंगाल टाइगर

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल के सातताल क्षेत्र में एक बंगाल टाइगर बर्ड वॉचर के कैमरे में कैद हुआ है। बंगाल टाइगर की इस मौजूदगी को पशु-पक्षी प्रेमी सुखद समाचार मान रहे हैं। स्थानीय बर्ड वॉचर विक्रम कंडारी ने बताया कि महाराष्ट्र के एक बर्ड वॉचर ने टाइगर की तस्वीर अपने कैमरे में कैद की है। वहीं क्षेत्र के अन्य वन्यजीव प्रेमियों और विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल टाइगर की मौजूदगी स्थानीय जैव विविधता के लिए सकारात्मक संकेत है।

गौरतलब है कि तीन महीने पहले एक वाहन चालक ने रात्रि के समय अपने मोबाइल फोन से एक मादा बंगाल टाइगर को उसके तीन शावकों

के साथ सड़क पार करते हुए देखा था, जिसका वीडियो भी बनाया गया था। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि पूरे क्षेत्र को एक ठोस योजना के तहत संरक्षित किया जाए। उनका मानना है कि जंगली जानवरों को देखने वाले पर्यटकों की देश-विदेश में कोई कमी नहीं है। ऐसे में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की तर्ज पर भीमताल के समीप सातताल क्षेत्र में भी विशेष प्रकार का वन्यजीव पर्यटन विकसित किया जा सकता है।

सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम में आई 79 समस्याएं

अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही हुआ समाधान, एडीएम विवेक राय ने विकास योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर राज्यभर में चलाए जा रहे "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के तहत गुरुवार को मालधन में आयोजित शिविर में कुल 79 समस्याएं सामने आईं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) नैनीताल विवेक राय एवं विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट की उपस्थिति में राजकीय इंटर कॉलेज मालधनचौड़ में आयोजित शिविर में अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया।

शिविर में प्राप्त समस्याओं को सिलसिलेवार सुना गया, जिनमें से लगभग 70 समस्याओं का विभागों के माध्यम से तत्काल समाधान कराया गया। जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव नहीं था, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समाधान कर लाभार्थियों को लिखित रूप से अवगत कराने के निर्देश अपर जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। बहुउद्देशीय शिविर के उपरांत अपर जिलाधिकारी विवेक राय द्वारा क्षेत्र में संचालित विभिन्न

शिविर में समस्या सुनते अपर जिलाधिकारी विवेक राय। ● अमृत विचार

विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं मनरेगा के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का गहन निरीक्षण किया। शिविर में मुख्य रूप से मालधनचौड़ क्षेत्र के सात गांवों से आए ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से क्षेत्र में जलभराव की समस्या उठाई। इस संबंध में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने अवगत कराया कि मालधनचौड़ क्षेत्र के लिए 31 करोड़ 58 लाख रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत हो चुकी है। तीन चरणों में जल निकासी का कार्य किया जाना है। प्रथम चरण के अंतर्गत 9 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराया जाना है, जिसकी प्रक्रिया गतिमान है। शिविर में गांधीनगर से आए जनप्रतिनिधियों ने सड़क किनारे झाड़ी कटान, पेयजल लाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, भूमि एवं आवास से संबंधित समस्याएं रखीं। इस पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को शीघ्र सड़क किनारे झाड़ी कटान कराने तथा पेयजल विभाग को पेयजल लाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त सड़कों को लोनिवि के साथ समन्वय कर एक सप्ताह के भीतर ठीक कराने के निर्देश दिए। क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा जंगली जानवरों, विशेष रूप से बंदरों से हो रहे नुकसान की समस्या भी रखी गई। इस पर अपर जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को अभियान चलाकर पिंजरे लगाकर बंदर पकड़ने के निर्देश दिए।

शिविर में गांधीनगर से देवीपुरा तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। आधार सीडिंग एवं केवाईसी न होने के कारण समाज कल्याण एवं किसान पेंशन का लाभ न मिलने की समस्याएँ भी सामने आईं। इस पर अपर जिलाधिकारी ने समाज कल्याण एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित लाभार्थियों के घर जाकर आवश्यक प्रपत्र एकत्र कर एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान करें।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए, जहाँ केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों को मौके पर ही दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 104 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं तथा शुगर व बीपी की जांच भी की गई। आयुर्वेदिक विभाग ने 41 एवं होम्योपैथिक विभाग द्वारा 66 लोगों का उपचार कर निशुल्क दवाइयां दीं। आधार कैंप में 30 लोगों का आधार अपडेट किया गया तथा 5 लोगों का नया आधार बनाया गया। राजस्व विभाग द्वारा आय, स्थायी, जाति एवं चरित्र से संबंधित कुल 90 प्रमाण पत्र बनाए गए। बाल विकास विभाग द्वारा 20 धात्री महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा 7 वृद्धावस्था, 5 दिव्यांग एवं 3 विधवा पेंशन से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। पंचायत विभाग द्वारा 5 लोगों को परिवार रजिस्टर की नकल दी गई। खाद्य विभाग द्वारा 3 राशन कार्ड संशोधित किए गए। सेवायोजन विभाग ने 4 पंजीकरण से संबंधित आवेदन प्राप्त किए। इसके अलावा 8 आयुष्मान कार्ड एवं 5 आभा आईडी से संबंधित कार्यवाही भी की गई। शिविर में विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, क्षेत्र प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, जिला पंचायत सदस्य अनीता आर्या, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य बसंती आर्या, ग्राम प्रधान विमला देवी, दीप्ति आर्या, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेमचंद आर्य, राकेश नैनवाल, किशोरी लाल, उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, खंड विकास अधिकारी गिरीश पांडे, तहसीलदार मनीषा मारकाना सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रो.नेगी को स्पर्श गंगा शिक्षा श्री पुरस्कार

रामनगर: पीएनजी राजकीय महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग प्रभारी प्रो.जगमोहन सिंह नेगी को स्पर्श गंगा शिक्षा श्री सम्मान से नवाजा गया है।

देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डोईवाला बृजभूषण गैरोला, विशिष्ट अतिथि पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी एवं भारतीय वन्य जीव संस्थान की अधिष्ठाता डॉ. रूचि बडोला, कुमाऊं विश्वविद्यालय से प्रो.अतुल जोशी, स्पर्श गंगा बोर्ड के प्रथम विशेष कार्य अधिकारी प्रो. प्रभाकर बडोनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं लेखक गांव के संरक्षक डॉ. रमेश पोखरियाल ''निशंक', यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोविंद सिंह रजवार, पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. सविता मोहन, पं. सुरेश सेमवाल, राज्य मंत्री नवीन चंद्र वर्मा, चन्द्रवीर पोखरियाल, डॉ. राजेश नैथानी, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय के सचिव बालकृष्ण चमोली की मौजूदगी में दिया गया। प्रो. नेगी की इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो. एमसी.पाण्डे, चीफ प्रॉक्टर प्रो.एसएस मौर्या आदि ने बधाई दी है।

अधिकारियों ने मुख्य बाजार की सड़क चौड़ीकरण को किया सर्वे

संवाददाता, कोटाबाग

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बाद कोटाबाग के मुख्य बाजार की सड़क चौड़ीकरण को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने संयुक्त सर्वे किया। नहर कवरिंग, विद्युत पोल एवं पेयजल लाइन शिफ्ट होने के बाद सड़क चौड़ीकरण किए जाने से राहगीरों और क्षेत्रवासियों को सुविधा मिलेगी तथा बाजार में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।

कोटाबाग में सड़क चौड़ीकरण का सर्वे करते विभागों के अधिकारी। ● अमृत विचार

स्थानीय ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ने मुख्यमंत्री धामी को समस्या से अवगत कराया था। क्षेत्र की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सड़क चौड़ीकरण की घोषणा करते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त सर्वे कर सड़क की मौजूदा स्थिति और चौड़ाई का आकलन किया। लोक निर्माण विभाग रामनगर के एई सुरेंद्र कुमार ने बताया कि अटल उत्कृष्ट राइका से शंकर चौक तक डेढ़ किमी सड़क का सर्वे किया गया है। क्षेत्रवासियों ने विधायक बंशीधर भगत एवं विधायक प्रतिनिधि विकास भगत का आभार व्यक्त किया है। पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश वर्मा, भाजपा महामंत्री विनोद बधानी, सिंचाई विभाग के एसडीओ कैलाश रज्जवार, जल संस्थान के एई हरीश पंत, जेई धीरज मेहता, पीडब्ल्यूडी के जेई गजेंद्र किरौला तथा विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड बोर्ड की प्रयोग परीक्षाएं 16 जनवरी से होंगी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड की मुख्य परीक्षाओं से पहले प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी है। परिषद के अनुसार, 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 16 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी। बोर्ड सचिव विनोद कुमार सिमल्टी ने बताया कि इन तिथियों को परिषद की बैठक में सभापति की अध्यक्षता में अनुमोदन दिया गया है। सभी विद्यालयों को तय कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं कराने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बोर्ड सचिव के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में जनवरी-फरवरी के दौरान शीतकालीन अवकाश रहता है। जिस कारण प्रयोगात्मक परीक्षाओं की अवधि सीमित रखने के बजाय पूरे एक महीने की रखी गई है। इससे दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों के विद्यालयों को भी परीक्षा आयोजन में पर्याप्त समय मिलेगा और किसी तरह की अव्यवस्था की स्थिति नहीं बनेगी। प्रयोगात्मक परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए परिषद ने परीक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिषद कार्यालय में चयन की कार्यवाही जारी है। इस साल करीब 750 प्रयोगात्मक परीक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं, जो अलग-अलग स्कूलों में जाकर प्रैक्टिकल परीक्षाएं संपन्न कराएंगे। बोर्ड का फोकस निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया पर रहेगा। इस बार हाईस्कूल में करीब 1 लाख 12 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। वहीं, इंटरमीडिएट में करीब 1 लाख 3 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

मनरेगा का नाम बदलने से आक्रोश केंद्र सरकार का पुतला दहन किया

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदले जाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखने को मिला। कांग्रेस नेताओं ने इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को बिंदुखत्ता क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार का पुतला दहन किया।

बिन्दुखत्ता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मनरेगा का नाम बदले जाने के फैसले की कड़ी निंदा की। ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू

लालकुआं के बिंदुखत्ता क्षेत्र में केंद्र सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

ने कहा कि मनरेगा योजना का नाम बदलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को मिटाने की साजिश है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुंदन सिंह मेहता एवं हेमवती नंदन दुर्गापाल ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार का एकमात्र एजेंडा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की योजनाओं और उपलब्धियों के नाम बदलना रह गया है। आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई, बेरोजगारी और ग्रामीण संकट से ध्यान भटकाने को ऐसे फैसले ले रही है। महामंत्री प्रदीप सिंह बथ्याल, कुंदन सिंह मेहता, रमेश कुमार, शंकर राम सिंह बिष्ट, गोकर्ण सिंह बिष्ट, दीपा बिष्ट, मीना कपिल, बलवंत बिष्ट, कैप्टन इन्द्र पनेरी, कैप्टन बलवंत कोरंगा आदि रहे।

लालकुआं नगर में कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं।

श्री राम कथा पर नगर में निकली भव्य कलश यात्रा

लालकुआं : राधे-राधे सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्री राम कथा के शुभारंभ पर लालकुआं में भव्य कलश यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में पारंपरिक परिधान से सुसज्जित सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। 25 एकड़ रोड स्थित भोला मंदिर के सामने आयोजित श्री राम कथा के शुभारंभ पर प्रातः डॉ. पंकज मिश्र मयंक ने पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा प्रारंभ की। हनुमान जी एवं शिव परिवार की आकर्षक झांकियां भी शोभायात्रा में शामिल रहीं। समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। समिति अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि 27 दिसंबर को हवन-यज्ञ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में महामंत्री उमेश तिवारी, मुख्य यजमान कुलदीप मिश्रा, राजेंद्र अग्निहोत्री, राजकुमार सेतिया, दिनेश खुल्बे, पवन चौहान, हेमंत पांडे, जीवन कबड़वाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी रहे।

इनर व्हील क्लब ने कोसी बैराज में किया सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: इनर व्हील क्लब ऑफ रामनगर ने कोसी बैराज पर सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ किया गया। क्लब सदस्यों ने बताया कि इस सेल्फी प्वाइंट के माध्यम से पर्यटक रामनगर बैराज की प्राकृतिक सुंदरता और नदी में तैरते सुरखाब जैसे मेहमान परिंदों की यादगार तस्वीरें अपने मोबाइल में कैद कर सकेंगे।

उन्हें उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत एवं स्थानीय दर्शनीय स्थलों की जानकारी भी मिलेगी। क्लब ने सिंचाई विभाग को डस्टबिन भी भेंट किया गया, जिससे पर्यटक स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें। इसके

सेल्फी प्वाइंट के शुभारंभ के दौरान इनर व्हील क्लब की सदस्य।

अतिरिक्त क्लब द्वारा सुंदरखाल वनग्राम प्राथमिक विद्यालय में पुस्तकालय का भी शुभारंभ किया गया। बच्चों को एनसीईआरटी की पुस्तकें, खेल सामग्री, बैडमिंटन किट और अन्य उपयोगी घरेलू सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में एसडीएम प्रमोद कुमार, पालिकाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राजीव खनौलिया, सभासद शिवी अग्रवाल सहित सुरुचि सक्सेना, प्राची अग्रवाल, कविता अग्रवाल, अंजली जिंदल, चारुल जिंदल रहे।

मारपीट कर 60 हजार लूटने का आरोप लगाया

रामनगर : एक युवक ने कुछ लोगों पर अवैध रूप से नगर पालिका के नाम पर वाहन का शुल्क मांगने, गाली गलौच व मारपीट करने का आरोप लगाया है। युवक ने 60 हजार रुपये लूटने का भी आरोप लगाया है। भोजपुर तहसील ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद निवासी अरमान पुत्र मुनाजिर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने वाहन की मरम्मत को अपने साथी मोहम्मद अली के साथ रामनगर ट्रांसपोर्ट नगर आया था। इस दौरान तीनों ने बताया कि वह नगर पालिका के टेंडर में वाहनों से प्रवेश शुल्क वसूलते हैं। उसने 100 रुपये दे दिए। उन लोगों 200 रुपये मांगते हुए गाली गलौच शुरू कर दी। उन्होंने लोहे की रॉड व ईंटों से मारपीट शुरू कर दी। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कौशल एकेडमी को फिर मिला मुख्यमंत्री से सम्मान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: नगर के प्रतिष्ठित व्यावसायिक शिक्षण संस्थान कौशल एकेडमी इंटरनेशनल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का परचम लहराया है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान को प्रदेश का उत्कृष्ट होटल मैनेजमेंट संस्थान चुना गया है। इसके लिए संस्थान को मुख्यमंत्री उदय सम्मान से सम्मानित किया गया।

बताया कि कौशल एकेडमी से प्रशिक्षित छात्र न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। कई छात्र 18 से 24 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर कार्यरत हैं, जो संस्थान की उच्च

सीएम से सम्मान प्राप्त करते डॉ. घुगत्याल।

प्रशिक्षण गुणवत्ता को दर्शाता है। संस्थान से संचालित तीन वर्षीय अंतरराष्ट्रीय डिग्री प्रोग्राम में छात्रों के लिए विदेश प्रशिक्षण अनिवार्य रखा है। प्रधान सलाहकार डॉ. गिरीश घुगत्याल ने सीएम का आभार व्यक्त किया। कहा यह सम्मान न केवल संस्थान की उपलब्धि है, बल्कि उत्तराखंड के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण है।

सिटी ब्रीफ

उत्तरायणी मेले को लेकर की बैठक

हल्द्वानी : पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर की ओर से आगामी 7 से 15 जनवरी तक आयोजित होने वाले उत्तरायणी मेले की तैयारियों को लेकर गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले को भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित रूप देने पर विस्तार से चर्चा की गई। मंच के संरक्षक हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि उत्तरायणी मेला पर्वतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है, जिसे और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अधिक से अधिक झांकियां लाने की अपील की। मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल ने जानकारी दी कि 14 जनवरी को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। संस्थापक सदस्य भुवन जोशी, गोपाल बिष्ट, देवेंद्र तौलिया, त्रिलोक बनौली, बीएम बिष्ट, धर्म सिंह, ललित सिंह, दीपक सुयाल रहे।

एसडीएम से मिले बागजाला के किसान

हल्द्वानी : गौलापार स्थित बागजाला क्षेत्र में वन्यजीवों से सुरक्षा और पेयजल समस्या के समाधान को लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय किसान महासभा का एक शिष्टमंडल एसडीएम राहुल शाह से मिला। प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने दो-सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत बागजाला में चल रहे अधूरे कार्यों को आंदोलन के दौरान हुए समझौते के अनुसार शीघ्र पूरा कराने की मांग की। ग्रामीणों ने रात के समय जंगली जानवरों से बढ़ते खतरे और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी उठाई।

कौतिक को भव्य रूप देने पर किया मंथन

कालाढूंगी : खेल एवं सांस्कृतिक समिति चकलुवा द्वारा उत्तरायणी कौतिक के आयोजन का भव्य रूप देने के लिए बैठक की। वक्ताओं ने कहा दिनांक 11 जनवरी से उत्तरायणी कौतिक महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया। महोत्सव के संयोजक कुदंन बसेड़ा ने बताया कि महोत्सव में मैराथन दौड़, स्कूलों के कुमाउनी डांस प्रतियोगिता व लोक गायकों व कलाकारों द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी जाएगी। अध्यक्ष त्रिभुवन कन्याल ने बताया कि हर वर्ष की तरह खेल एवं सांस्कृतिक समिति चकलुवा (रजि.) इस वर्ष भी उत्तरायणी कौतिक महोत्सव का भव्य आयोजन करेगी। बैठक में पूरन सिंह मेहरा, विक्रम जंतवाल, ललित सिंह जंतवाल, ललित सत्याल, मनमोहन बसेड़ा रहे।

एमबीपीजी कॉलेज परिसर में विकसित किया गया आधुनिक पोस्ट ऑफिस, डाक सेवाओं को मिला आधुनिक स्वरूप

डाक सेवा: हल्द्वानी को मिला जेन-जी पोस्ट ऑफिस

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: भारतीय डाक विभाग ने युवाओं को ध्यान में रखते हुए एक नई और अभिनव पहल की शुरुआत की है। एमबीपीजी परिसर में स्थित उप डाकघर को भारतीय डाक विभाग की ओर से जेन-जी पोस्ट आफिस के रूप में विकसित कर जेन-जी पोस्ट ऑफिस बनाया गया है। यह कुमाऊं के पहले और राज्य के दूसरे जेन-जी पोस्ट ऑफिस है। जिसका शुभारंभ गुरुवार को किया गया।

इस अवसर पर निदेशक डाक सेवा, उत्तराखंड परिमंडल अनसूया प्रसाद चमोला ने फीता काटकर पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन किया। शुभारंभ के बाद

एमबीपीजी कालेज के पास जेन जी पोस्ट आफिस का उद्घाटन करते कालेज के प्राचार्य।

अनसूया प्रसाद चमोला ने बताया कि जेन-जी पोस्ट ऑफिस खोलने का मुख्य उद्देश्य भारतीय डाक सेवाओं को समय के अनुरूप आधुनिक बनाना है, ताकि जेन-जी युवाओं को डाक सेवाओं से जोड़ा जा सके और उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में डाक विभाग केवल पत्र और पार्सल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं के लिए अवसरों और नवाचार का केंद्र बन रहा है।

उन्होंने बताया कि जेन-जी पोस्ट ऑफिस में युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए फ्री वाई-फाई, कैफे, मिनी लाइब्रेरी, डिजिटल भुगतान की सुविधा और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। यह केंद्र पारंपरिक डाक सेवाओं के साथ-साथ एक आधुनिक, रचनात्मक और नवाचार आधारित प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। निदेशक डाक सेवा ने कहा कि केंद्र सरकार डाक सेवाओं को शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में जेन-जी पोस्ट ऑफिस की अवधारणा को लागू किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी को डाक सेवाओं से जोड़ा जा सके और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा सके। इस अवसर पर डाक विभाग के अधिकारी, कॉलेज प्रशासन, छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग मौजूद रहे। जेन-जी पोस्ट ऑफिस के शुभारंभ से क्षेत्र के युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

लंबी लाइनों का झंझट होगा खत्म

पूरी सेवा प्रणाली को सिंगल-विंडो मॉडल पर तैयार किया गया है, जिससे लंबी लाइनों में लोगों को नहीं लगना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में पासपोर्ट सेवा केंद्र, स्पीड पोस्ट, बैंकिंग, आधार अपडेट, बिल भुगतान, पार्सल पैकिंग और अन्य जरूरी सेवाएं एक ही छत के नीचे मिल जाएंगी। इतना ही नहीं, ग्राहकों की सुविधा के लिए ऑटोमेटेड पार्सल ड्रॉप-बॉक्स भी उपलब्ध है।

राज्य टीम में शामिल हुए तीन जिजित्सु खिलाड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

- 20 से 23 दिसंबर तक गौलापार में होगी प्रतियोगिता

अमृत विचार: जिजित्सु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से 20 से 23 दिसंबर तक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गौलापार में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सब जूनियर व जूनियर अंडर-18 जिजित्सु चैंपियनशिप के लिए योगनगरी ऋषिकेश के तीन खिलाड़ियों का चयन उत्तराखंड राज्य टीम में हुआ है।

उत्तराखंड मार्शल आर्ट अकादमी की मुख्य प्रशिक्षक व विश्व विजेता जिजित्सु खिलाड़ी प्रज्ञा जोशी ने बताया कि हाल ही में संपन्न उत्तराखंड राज्य जिजित्सु चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से गुमानीवाला स्थित उत्तराखंड मार्शल कराटे अकादमी के तीन खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में नितिका पंत, उन्नति बिष्ट और तेजस सिंह शामिल हैं।

तीनों खिलाड़ी अलग-अलग भार वर्गों में जिजित्सु की नेवाजा व फाइटिंग स्पर्धाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों के चयन पर जिजित्सु इंडिया के निदेशक (प्रशासन) व एशियन कोच सतीश जोशी सहित जनप्रतिनिधियों, खेल अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सौ फीसदी एफडीआई पर बीमा कर्मियों का प्रदर्शन

एलआईसी दफ्तर में कर्मचारियों ने नारेबाजी कर जताया विराध, सरकार पर लोगों की आंख में धूल झोंकने का लगाया आरोप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बीमा कर्मचारी संघ ने भारतीय जीवन बीमा निगम में एफडीआई सीमा 100 प्रतिशत किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया।

गुरुवार को काठगोदाम स्थित एलआईसी दफ्तर में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कानून को सबका बीमा सबकी रक्षा जैसा आकर्षक नाम देकर सरकार लोगों की आंख में धूल झोंक रही है। एफडीआई की सीमा बढ़ाकर सरकार निजी बीमा कंपनियों को ही मजबूत कर रही है, जबकि उनका ध्येय सिर्फ अधिकाधिक मुनाफा कमाना है न कि पॉलिसी धारक को सेवा देना या अर्थव्यवस्था को मजबूत करना। बीमा क्षेत्र में विदेशी पूंजी अभी तक कुल लगाईं गयी पूंजी का मात्र 33 प्रतिशत ही है, लेकिन सरकार अमेरिकी साम्राज्यवाद व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने समर्पणकारी मुद्रा में है जैसा कि टैरिफ वार में देखा गया है।

आईआरडीए को अधिक अधिकार देने से भविष्य में अनेक मामलों में संसद के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी जिससे संसदीय नियंत्रण कमजोर होगा। एफडीआई बढ़ाने से घरेलू बचत,

शीशमहल स्थित बीमा दफ्तर में प्रदर्शन करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन की बैठक में उपस्थित यूनियन के सदस्य।

जो देश की अर्थव्यवस्था को बचाने व बढ़ाने का काम करती है, इस पर विदेशी कंपनियों का नियंत्रण स्थापित हो जाएगा। सरकार के इस कदम से घरेलू बीमा क्षेत्र अस्त-व्यस्त हो जाएगा। विदेशी बैंकों की तरह मुनाफादेह व्यवसाय के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और निम्न एवं मध्यम वर्ग एवं ग्रामीण क्षेत्र से बीमा सुरक्षा दूर हो जाएगी। अधिक लाभ प्राप्त करने के लिये बीमा कंपनियां आम आदमी के स्थान पर धनी लोगों का बीमा करने पर ध्यान देंगी। एलआईसी ने कुल बीमा योग्य जनसंख्या के 70 प्रतिशत लोगों का बीमा कर लिया है, सरकार के इस निर्णय से सबको बीमा सुरक्षा देने की एलआईसी की क्षमता कमजोर होगी। इस अवसर पर क्लास वन फेडरेशन के केएस रावत, प्रमोद पांडे, बीमा कर्मचारी संघ के डीके पांडे, मनोज गुप्ता व पंकज त्रिपाठी ने संबोधित किया। यहां उपमा सेठी, किरन भट्टाचार्य, केवल भट्ट, अशोक कश्यप, विजय अधिकारी, हिमांशु चौधरी, पंचम सिंह, एलडी जोशी, कमल भट्ट, घनश्याम, दिनेश खाती, गौरव खाती, महेंद्र सिंह, भुवन टम्टा, पीसी जोशी, सुनील पांडेय, गिरिराज सिंह, अनुराग त्रिपाठी, दुष्यंत पांडे, अमर नेगी, विपिन जोशी, प्रमोद अग्रवाल, दीप जोशी, संजय चंद, राजीव पंत, मयंक बधानी, रेवाधर शर्मा, कैलाश कैड़ा, विनोद गुर्रानी, नरेंद्र जोशी, राकेश आदि रहे।

रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने की निगम संरचना और नियमितीकरण की मांग

हल्द्वानी : उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन की द्वितीय चरण की प्रांतीय बैठक गुरुवार को हल्द्वानी बस स्टेशन परिसर में आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड परिवहन निगम की वर्तमान स्थिति, कर्मचारियों के नियमितीकरण और निगम को मजबूत करने को लेकर गहन मंथन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से दो प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए। पहले प्रस्ताव में समिति ने सरकार को सिफारिश की गई वर्तमान कट-ऑफ तिथि दिसंबर 2018 के स्थान पर दिसंबर 2025 किए जाने की मांग की गई। साथ ही परिवहन निगम में कार्यरत विशेष श्रेणी, संविदा व उपनल कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग उठाई गई। दूसरे प्रस्ताव में परिवहन निगम के निदेशक मंडल की पिछली बैठक में प्रस्तुत उस प्रस्ताव का प्रदेश स्तर पर विरोध करने का निर्णय लिया गया, जिसमें समूह ग के नियमित पदों को आउटसोर्स करने की मांग की गई थी। इसके अलावा बैठक में निगम हित में नई बसों की खरीद, समय पर वेतन भुगतान, पुराने बंद पड़े मार्गों को फिर से सुचारू करने व प्रदेश के सभी बस स्टेशनों पर डग्गामारी रोकने की भी मांग उठाई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कमल पपने ने की जबकि संचालन महामंत्री अशोक चौधरी ने किया। बैठक में उपाध्यक्ष बलदेव सिंह, उपमहामंत्री एल डी पालीवाल, संयुक्त मंत्री गोपेश्वर श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अध्यक्ष आनंद बिष्ट, क्षेत्रीय मंत्री मनिंदर सिंह सहित प्रदेश व क्षेत्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा रुद्रपुर, काशीपुर, रामनगर, रानीखेत, अल्मोड़ा, काठगोदाम, हल्द्वानी व भवाली डिपो से आए पदाधिकारियों व सैकड़ों कर्मचारियों ने बैठक में हिस्सा किया।

विक्रम बिरला ने क्वींस को पेनल्टी में हराया

हल्द्वानी: सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल हरकपुर क्वीरा लामाचौड़ की ओर से आयोजित सेवन ए साइड अंतर विद्यालयी बालक-बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन गुरुवार को कुल 12 मुकाबले खेले गए। इनमें 6 मैच बालक वर्ग व 6 मैच बालिका वर्ग के खेले गए। सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल हरकपुर क्वीरा लामाचौड़ के मैदान पर खेले गए बालिका वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में क्वींस और आर्यमान विक्रम बिरला की टीमें निर्धारित समय तक बराबरी पर रही। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में आर्यमान विक्रम बिरला ने 2-1 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में आर्यमान विक्रम बिरला का सामना सिंथिया स्कूल से होगा, जो अपने सभी मुकाबले जीतकर पहले ही फाइनल में पहुंच गई है। सब जूनियर बालक वर्ग (कक्षा 1 से 5) के मुकाबलों में डॉन बॉस्को ने पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत दर्ज की, जबकि शिवालिक ने बीएलएम को 3-0 से हराकर फाइनल में स्थान बनाया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में आनंद देव, गोपाल नेगी, सागर रावत, रजत चौहान, रजत सिंह, अंश बनकोटी और धर्मेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

सरकारी नौकरियों में आरक्षित वर्ग को दिया जाए समुचित प्रतिनिधित्व

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मूलनिवासी संघ ने एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को सरकारी नौकरी में समुचित प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की व कहा कि यह उनका अधिकार है।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन राज्यपाल को भेजा। जिसमें कहा कि आउटसोर्स, उपनल, संविदा के अंतर्गत कुछ वर्ष पूर्व अस्थाई व्यवस्था के अंतर्गत समूह ग और समूह घ में भर्ती की गई थी। इसमें एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को संवैधानिक प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया था। उस समय सामाजिक संगठनों ने प्रतिनिधित्व का अनुरोध किया था,

उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देते मूल निवासी संगठन के लोग। ● अमृत विचार

तब यह कहा गया कि यह पद नितांत अस्थाई हैं, इसलिए प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा रहा है। अब संज्ञान में आया है कि उक्त अस्थाई कर्मियों को स्थाई करने की कार्यवाही गतिमान है। इस तरह से एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के संवैधानिक अधिकारों का हनन हुआ है। उपनल कर्मियों को सामान्य कार्य के लिए समान वेतन देने की प्रक्रिया सरकार का सराहनीय है किंतु वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं होने से अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी के लोग आंदोलन की तैयारी में हैं। कृष्ण चंद्र, आरपी गंगोला, आर आर्य, गंगा प्रसाद, नफीस अहमद खान, सुंदरलाल बौद्ध, आरआर लोहिया, आरआर आर्य, पीआर टम्टा, ऋतिक कांत, हरीश लोधी थे।

कृषि, पशु व मौन पालन के लिए दें अधिक ऋण

संवददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डीएम रयाल ने जिला स्तरीय जिला लीड बैंक सलाहकार समिति एवं आरसेटी की बैठक भी सर्किट हाउस में की। उन्होंने सभी बैंकर्स को कृषि, पशुपालन, डेयरी, पॉली हाउस के लिए अधिक से अधिक ऋण देने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी करना है, इसलिए सभी बैंकर्स लोन में प्राथमिकता दें। इस लक्ष्य की पूर्ति में जिन बैंकर्स ने हीलाहवाली की तो उनके खिलाफ आरबीआई एक्ट के तहत कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सीवीओ ने बताया कि जिन किसानों के पास भूमि नहीं है, उनको पशु पालन के लिए लोन दिया जाता है लेकिन अधिकांश बैंकर्स पशुपालकों को लोन नहीं देते हैं। इस पर डीएम ने लीड बैंक अधिकारी को ऐसे बैंकर्स की सूची बनाकर उनके खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि होम स्टे योजना में स्थानीय व्यक्तियों की सब्सिडी पर डाका डालने वाले बाहरी व्यक्तियों की पहचान करते हुए उनके विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जाए। डीएम ने आरसेटी को कहा कि जेल में बंद कैदियों को जेल से छूटने पर सम्मानजनक जीवन- यापन के लिए कैदियों को उनकी आवश्यकता व इच्छा के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाए। जिला लीड बैंक अधिकारी अमित बाजपेई, नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी मुकेश बेलवाल, आरबीआई से भरत आनंद रहे।

बिजली बिल में वृद्धि का उठा मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस में जिला उद्योग मित्र की बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए आपसी समन्वय बनाकर निदान करने के निर्देश दिए। उद्यमियों ने औद्योगिक आस्थान क्षेत्रों में सड़क, वैकल्पिक मार्ग, पानी, बिजली, सब स्टेशन निर्माण, जीएसटी रिफंड आदि की समस्याएं उठाईं।

डीएम ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में कोई भी निर्माण/उत्पादन हो, गुणवत्तापूर्ण व मानकों के अनुसार हो। उन्होंने कहा जिन योजनाओं के एस्टीमेट व प्रपोजल बनाने हैं, सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर इसको जल्द बनाएं। इस मौके पर जिला उद्योग केंद्र की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के उपादान स्वीकृति के लिए कुल 41 प्रकरण कमेटी सामने रखे गए।

सर्किट हाउस सभागार में जिला उद्योग मित्र की बैठक लेते डीएम ललित मोहन रयाल।

बैठक में लोनिवि को सूर्या गांव-सातताल मोटर मार्ग निर्माण के लिए 26.96 लाख का स्वीकृति का प्रस्ताव के लिए शासन को पत्र भेजने के लिए कहा गया। यह प्रस्ताव पहले भेजा गया था लेकिन आपत्ति के बाद फिर से भेजा गया है। कोटाबाग में 33 केवीए के नए उपसंस्थान निर्माण के लिए भूमि चयन की जानकारी दी गई है। उद्यमियों ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिलों में वृद्धि का मामला उठाया, इस पर डीएम ने बिजली विभाग को टेक्नीकल टीम के साथ इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए। यह भी बताया कि बिजली का पोल शिफ्ट नहीं होने से भीमताल आणु नाले के दिशा परिवर्तन नहीं हो पा रही है। हिमालयन चैम्बर के अध्यक्ष आरसी बिलोला, सचिव मनोज ढाका, मलय तिवारी, दीपक अग्रवाल आदि रहे।

सेहत की बात

मेडिकल कॉलेज ने जारी की एडवाइजरी, डॉ. परमजीत सिंह ने ऐसे मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी

सर्द मौसम में बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती रखें विशेष ध्यान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: क्षेत्र में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे ठंड में काफी इजाफा हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और अधिक बढ़ने की संभावना है। इस परिप्रेक्ष्य में मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के मेडिसिन विभाग के चिकित्सकों ने आमजन से ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह ने बताया कि ठंड के मौसम में विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती

महिलाओं एवं पहले से बीमार व्यक्तियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने सलाह दी कि लोग पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें तथा सिर, कान, हाथ और पैरों को अच्छी तरह ढककर रखें। डॉ. सिंह ने गर्म एवं पौष्टिक भोजन लेने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि सूप, दलिया, हरी सब्जियां, गर्म दूध आदि का सेवन करने से शरीर को आवश्यक ऊर्जा मिलती है। ठंड के मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए संतुलित आहार और पर्याप्त तरल पदार्थ का सेवन बेहद जरूरी है।

स्वयं डॉक्टर नहीं बनें, खुद दवा लेने से बचें

हल्द्वानी : डॉ. परमजीत सिंह ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ या सीने में दर्द जैसी कोई भी समस्या महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और स्वयं दवा लेने से बचें। कहा कि आग जलाते समय विशेष सावधानी बरतने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि बंद कमरों में अंगीठी या कोयले का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनने का खतरा रहता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। इसके साथ ही उच्च रक्तचाप, दमा एवं हृदय रोग से ग्रसित मरीजों को नियमित रूप से अपनी दवाइयाँ लेते रहने और ठंड से बचाव के लिए चिकित्सकीय सलाह का पालन करने की सलाह दी गई। गठिया से पीड़ित मरीजों को भी ठंड में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई गई।

न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग से होती है संक्रमणों की पहचान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग विषय पर कार्यशाला हुई। इसका उद्देश्य चिकित्सकों, तकनीकी स्टाफ एवं विद्यार्थियों को न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग की तकनीक, महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

पैथोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तनुजा पांगती ने कहा कि न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग पारंपरिक सीरोलॉजिकल परीक्षणों की तुलना में कहीं अधिक सटीक एवं विश्वसनीय होती है। एनएटी तकनीक इस विंडो पीरियड को काफी हद तक कम कर देती है, क्योंकि यह सीधे वायरस के जेनेटिक मटेरियल की पहचान करती है। यह तकनीक एचआईवी, हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी जैसे गंभीर संक्रमणों का बहुत प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाने में सक्षम है। कहा कि थैलेसीमिया, कैंसर, डायलिसिस से गुजर रहे मरीज, गर्भवती महिलाएं एवं नवजात शिशु जैसे मरीजों को बार-बार रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में एनएटी जांच इन मरीजों के लिए जीवनरक्षक सिद्ध होती है। इस अवसर पर डॉ. आरजी नौटियाल, डॉ. उमेश, डॉ. हरिशंकर पांडे, डॉ. ऊषा जोशी, डॉ. सलोनी उपाध्याय, डॉ. परमजीत सिंह, डॉ. सुचिता पंत, डॉ. सोमेश मेहरा थे।

नालियों और डक्ट का निर्माण कार्य शुरू

हल्द्वानी: शहर में सड़क चौड़ीकरण अभियान के तहत प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने पटेल चौक पर कार्य शुरू कर दिया है। टीम ने नाली और यूटिलिटी डक्ट निर्माण का काम शुरू करते हुए पटेल चौक से बरेली रोड तक के मार्ग पर नालियों का निर्माण करना शुरू कर दिया है।

नगर आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम मौके पर टीम के साथ मौजूद रहे। प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि सड़क और सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे अवैध कब्जा तुरंत हटाएं। नगर निगम के आयुक्त पारितोष वर्मा का कहना है कि परियोजना का उद्देश्य यातायात सुगमता बढ़ाना है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,19 दिसंबर 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

9 विद्यार्थियों का नामी कंपनी में चयन

पंतनगर : जीबी पंत विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय की ओर से लॉन्चड ग्लोबल लिमिटेड की ओर से साक्षात्कार के आधार पर विश्वविद्यालय के 9 विद्यार्थियों पल्लवी लोहानी बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर, निधि पटेल बीएससी एग्रीकल्चर, निशा यादव एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन, महक शर्मा बीटेक सीएसई, प्रेक्षा रावत एवं वैष्णवी, बीटेक एमई, शिवांश भट्ट एवं कृतिका बीटेक सिविल इंजीनियरिंग और सुब्रत अग्रवाल बीटेक आईपीई का चयन किया गया। गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ .मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के बाद 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष के साथ ही अन्य सुविधाएं दी जाएगी। निदेशक सेवायोजन एवं परामर्श डॉ .एमएस नेगी ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही बताया कि पूर्व की भांति भविष्य में भी निदेशालय अन्य क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों के सेवायोजन के लिए प्रयासरत रहेगा।

शिवसेना कुमाऊं मंडल की बैठक हुई

सितारगंज : ग्राम उकरौली सिडकुल में नागेंद्र यादव के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों को कुमाऊ मंडल प्रमुख द्वारा शिवसेना की नीतियों से अवगत कराया गया। दर्जनों लोगो को सदस्यता भी दिलाई गई। बैठक में कुमाऊं प्रमुख पूरनचंद भट्ट, नागेंद्र यादव, रवि कुमार, दीपक राव, भीमसेन, अमन यादव, अर्जुन कुमार, प्रदीप कुमार, पप्पू कुमार, पंकज कुमार आदि मौजूद रहे।

जन जागरूकता रैली के माध्यम से किया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

सीएमओ ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जन स्वास्थ्य जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.केके अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, एनएचएम, विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय एवं सराहनीय भागीदारी रही।

गुरुवार को गांधी पार्क से रैली प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए बालाजी द्वार तक निकाली गयी। यहां से रैली गांधी पार्क में आकर संपन्न हुई। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने, नशा एवं तंबाकू नियंत्रण, भ्रूण हत्या की रोकथाम, स्वस्थ जीवन शैली एवं दैनिक दिनचर्या में सुधार, स्वच्छता एवं रोगों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आकर्षक स्लोगन, पोस्टर, बैनर एवं नारों के माध्यम से प्रभावी संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने स्वस्थ समाज सशक्त राष्ट्र के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीएमओ डॉ .केके अग्रवाल। ● अमृत विचार

रैली में शामिल स्कूली छात्राएं। ● अमृत विचार

इस जनजागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनपद के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना और समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा है। रैली में सूरजमल नर्सिंग कॉलेज, एएनएमटीसी गदरपुर, वी-3 नर्सिंग कॉलेज, द्रोण नर्सिंग कॉलेज, जनता इंटर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, रुद्रपुर सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं और आशा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

सीएमओ ने दी विभिन्न योजनाओं की जानकारी

रुद्रपुर : रैली के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ .केके अग्रवाल ने आम नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और इसे लेकर समाज में किसी भी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की जानकारी देते हुए समय पर उपचार एवं आवश्यकता पड़ने पर मनोचिकित्सक से परामर्श लेने की अपील की। उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशे एवं तम्बाकू सेवन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया।

यह रहे मौजूद

एसीएमओ डॉ. डी. सिंह, डॉ. हरेंद्र मलिक, डॉ. एसपी सिंह, बीएन बेलवाल, हिमांशु, चांद मिया, प्रदीप मेहर, उमेश पाल, दिनेश जोशी, नवल किशोर, आमिर खान, निधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समीर हत्याकांड में आया फैसला, पांच हत्यारों पर आरोप तय

रुद्रपुर: वर्ष 2018 को किच्छा में प्रॉपर्टी डीलर समीर हत्याकांड की सुनवाई करते हुए तृतीय अपर जिला जज ने पांच हत्यारों को दोषी करार देते हुए सजा देने की तिथि घोषित कर दी है। सुनवाई के दौरान अदालत ने तीन हत्यारों को पकड़ लिया, जबकि फरार दो हत्यारों को जल्द गिरफ्तार करने का आदेश जारी हो चुका है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि 3 मई 2018 को प्रॉपर्टी डीलर समीर की गोली मारकर निर्मम हत्या हुई थी। हत्याकांड में जसविंदर सिंह, अंग्रेज सिंह उर्फ रिंकू, गुरचरण सिंह उर्फ बंटी, सुखदेव सिंह उर्फ सुक्खा और प्रसन्नजीत सिंह उर्फ सन्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जिसके बाद सभी अभियुक्त जमानत पर रिहा थे। प्रकरण की सुनवाई तृतीय एडीजे मुकेश चंद्र आर्या की अदालत में हुई। जहां एडीजीसी अनिल कुमार सिंह ने अदालत के सामने गवाह पेश किए और दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने समीर हत्याकांड के अभियुक्त पांचों हत्यारों पर दोषी माना और 22 दिसंबर को सजा की तिथि मुकर्रर कर दी। सुनवाई के दौरान अंग्रेज सिंह, गुरचरण सिंह और प्रसन्नजीत को पुलिस कस्टडी का आदेश दिया, जबकि फरार जसविंदर सिंह और सुखदेव सिंह को शीघ्र ही गिरफ्तार करने का आदेश भी दिया।

छात्रसंघ अध्यक्ष का निर्वाचन किया रद्द

- सात फरवरी को अब दोबारा होगा चुनाव
- राजविंदर कौर ने हाईकोर्ट की डबल बेंच में अपील की थी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष पर दोबारा मतदान कराने का आदेश जारी किया है। इसके बाद प्राचार्य प्रो. रेनू रानी बंसल ने छात्रसंघ अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन को रद्द कर दिया।

बृहस्पतिवार को महाविद्यालय के सूचना पट पर सूचना चस्पा पर प्राचार्य प्रो. रेनू रानी बंसल ने बताया कि 27 सितंबर 2025 को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराया गया था। जिसमें गौरव सिंह फर्त्याल के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन को विधिमान्य मानते हुए हाईकोर्ट के निर्देश पर सात फरवरी को दोबारा मतदान कराया जाएगा।

ग़ौरतलब है कि छात्रसंघ चुनाव में छात्रा राजविंदर कौर ने अध्यक्ष पद पर दावेदारी करते हुए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया था। वहीं, तथ्यों को छिपाकर नामांकन कराना पाते हुए उसके नामांकन को खारिज कर दिया गया था। इस संबंध में रजविंदर कौर ने 26 सितंबर को हाईकोर्ट रिट याचिका दायर की थी। फिर, 9 अक्टूबर को हाईकोर्ट की डबल बेंच में अपील की थी। 16 अक्टूबर को हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सुनवाई करते हुए मामले को महाविद्यालय के शिकायत एवं निवारण प्रकोष्ठ के पास भेज दिया था।

इसके बाद प्राचार्य ने अध्यक्ष पद पर दोबारा मतदान कराए जाने का निर्णय लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए चुनाव अधिकारी के पास भेज दिया था। लेकिन चुनाव अधिकारी ने चुनाव कराने से मना कर दिया। इस पर रजविंदर कौर ने दोबारा हाईकोर्ट का रुख किया। 4 दिसंबर 2025 को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने 7 फरवरी 2025 को अध्यक्ष पद पर दोबारा मतदान करने का आदेश जारी दिया।

वहीं, राजविंदर कौर ने बताया कि इस साल हुए पंचायत चुनाव में वह गांव सिसौना में वार्ड नंबर 13 से निर्विरोध सदस्य चुनी गई थी। छात्रसंघ चुनाव में नामांकन करने से पहले उसने बीडीओ कार्यालय में अपना इस्तीफा दे दिया था। बताया कि छात्रसंघ चुनाव में निर्वाचन अधिकारी ने इसी को आधार बताते हुए उसका नामांकन निरस्त किया था। साथ ही, गौरव सिंह फर्त्याल को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया था।

जाति प्रमाण पत्रों के प्रकरणों में सुनवाई

- प्रकरणों के निस्तारण के दिए निर्देश, एडीएम ने की जनपद स्तरीय स्कूटनी कमेटी की बैठक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की जनपद स्तरीय स्कूटनी कमेटी की बैठक कर प्राप्त प्रकरणों पर सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने जाति प्रमाण पत्र संबंधी 9 प्रकरणों में सुनवाई करते हुए कुछ मामलों में संबंधित पक्षों को सुनवाई के लिए अंतिम अवसर दिया। साथ ही शेष प्रकरणों का निस्तारण करते हुए आदेश पारित किये जाने के निर्देश दिए गए।

गुरुवार को जिला सभागार में आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि गलत अभिलेखों व कूटरचित करके प्रमाण पत्र बनवाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। इसलिए कोई भी व्यक्ति गलत अभिलेख लगाकर प्रमाण पत्र बनवाने की कोशिश न करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में पिछले पांच वर्षों में निर्गत प्रमाण पत्रों की जांच की जा रही है। इस दौरान स्कूटनी कमेटी ने प्राप्त शिकायतों के पक्षकारों व शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज किए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडेय, ऋचा सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, तहसीलदार किच्छा गिरीश त्रिपाठी, पटल प्रभारी सचिन काला आदि मौजूद थे। वहीं उप जिलाधिकारी डॉ.अमृता शर्मा, तहसीलदार लीना भट्ट वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय।

बिहार के सीएम पर कांग्रेसी भड़के

जसपुर: महिला के साथ बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा दुर्व्यवहार करने पर स्थानीय कांग्रेसियों ने रोष जताया। कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति को प्रेषित ज्ञापन एसडीएम के पेशकार को सौंपा। गुरुवार को विधायक आदेश चौहान के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचे। कांग्रेसजनों ने पेशकार प्रकाश मेहर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि समाचार चैनल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला है कि बिहार राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम के दौरान एक महिला के साथ दुर्व्यवहार किया जो अशोभनीय भी है। कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री को उनके पद से बर्खास्त कराने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में इख्तियार बबलू, जाकिर हुसैन, अमरजीत सिंह, दारा सिंह आदि शामिल थे।

निदेशक सूचना ने पत्रकारों की सुनीं समस्याएं

- डीआईओ को प्रेस क्लब के लिए नियमावली तैयार करने के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की ओर से संचालित जनसरोकारों से जुड़ी पहल जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार को प्रभावी बनाने की दिशा में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में संयुक्त निदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग नितिन उपाध्याय ने पत्रकारों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना।

गुरुवार को जिला सूचना कार्यालय में निदेशक सूचना उपाध्याय का जिला सूचना अधिकारी गोविंद सिंह बिष्ट ने पौधा देकर स्वागत किया। इस दौरान संयुक्त निदेशक ने पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सही और व्यापक जानकारी आम जनता तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की योजनाओं का अधिकतम प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक जनयोजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थी ले सकें। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी को प्रेस क्लब के संचालन के लिए एक स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित नियमावली तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही खटीमा में प्रेस क्लब की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार कर महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग को शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय को पौधा भेंट करते डीआईओ और पत्रकार।

उन्होंने कहा कि सरकार पत्रकारों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और मीडिया से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए विभाग स्तर पर हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर अजय जोशी, सुरेंद्र गिरधर, भरत शाह, दीप बेलवाल, बीरेंद्र बिष्ट, सौरभ गंगवार, दुर्गेश तिवारी, वेद यादव, मुमत्याज, हरिनारायण अग्रवाल, विकास कुमार, ललित शर्मा, रमेश चंद्रा, राजेंद्र सिंह कंडारी, अनूप झा, विजय कुमार, प्रेम कुमार, सुमित शर्मा आदि उपस्थित थे।

मेधावी छात्रा को सम्मानित करते सीडीओ दिवेश शाशनी। ● अमृत विचार

पांच मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

रुद्रपुर : विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर बोर्ड एवं उत्तराखंड मदरसा बोर्ड देहरादून के हाईस्कूल, मुंशी व मौलवी, इंटरमीडिएट और आलिम में उच्चतम अंक प्राप्तकर्ता एवं विभाग द्वारा चयनित पांच बालिकाओं को मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने छात्राओं के अभिभावकों से अपील की कि वे बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करें और उनके सपनों को पूरा करने में सहयोग दें। मौके पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर मौजूद थीं।

हत्याकांड का चौथा आरोपी गिरफ्तार

- हाफिज, गुफरान और समीर पहले हो चुके हैं गिरफ्तार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: एक सप्ताह पूर्व रोडवेज बस स्टेशन के सामने हुए तुषार शर्मा हत्याकांड के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अन्य आरोपियों को शीघ्र पकड़ने का दावा कर रही है।

12 दिसम्बर को देर शाम रोडवेज बस स्टेशन के पास हुई मारपीट की घटना में घायल तुषार शर्मा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। सलमान व अभय उर्फ बाबू को अन्यत्र रिफर कर दिया गया था। मृतक के पिता मनोज शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने हाशिम, गुफरान, समीर, पप्पू चाय वाला, शहबाज एवं अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। हत्या में नामजद चौथे आरोपी वार्ड नंबर 10 गोटिया निवासी मो सद्दीक उर्फ पप्पू को खेतलसंडा खाम रेलवे क्रॉसिंग के पास से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 13 दिसंबर को देर रात्रि हाशिम को झनकट क्षेत्र में ईंट भट्टे के पास पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था जबकि गुफरान उर्फ पप्पू चाय वाला और समीर 19 उर्फ मैरी को 15 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया था। तुषार हत्याकांड की ब्रीफिंग एएसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने की। इस दौरान सीओ विमल रावत मौजूद रहे।

खटीमा में तुषार हत्याकांड के चौथे आरोपी मो सद्दीक के साथ एएसपी और सीओ।

अधिग्रहित की गयी भूमि को मुस्लिम समाज को दिये जाने की मांग उठाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: खेड़ा में ईदगाह और कब्रिस्तान को लेकर चल रहे विवाद को निपटाने के लिए कांग्रेस का एक शिष्टमंडल नगर निगम में महापौर विकास शर्मा से मिला। साथ ही एक ज्ञापन सौंपकर निगम द्वारा अधिग्रहित की गयी भूमि को मुस्लिम समाज को ही दिये जाने की मांग की।

गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हिमांशु गावा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ममता रानी, पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के लोग नगर निगम में मेयर विकास शर्मा से मिले। इस दौरान उन्होंने खेड़ा में ईदगाह और कब्रिस्तान वाली जगह को लेकर उपजे विवाद और उसके समाधान के लिए वार्ता की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह एक समाज का मामला है, किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है। ये भूमि 50 से भी अधिक वर्षों से मुस्लिम समाज के पास है। इधर महापौर शर्मा ने कांग्रेस शिष्टमंडल को आश्वस्त किया की वह न्याय संगत कार्य करेंगे।

महापौर को ज्ञापन सौंपता कांग्रेस का शिष्टमंडल। ● अमृत विचार

स्मैक और कैसीनो के शौक ने बनाया चोर

खटीमा : आदर्श कॉलोनी क्षेत्र में हुई दो बड़ी चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शातिर चोर राजकुमार राठौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के जेवरात बेचने के 2 .15 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण और एक 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है। एएसपी उत्तम सिंह नेगी और सीओ विमल रावत ने बताया कि आरोपी राजकुमार मूल रूप से नैनीताल का निवासी है और वर्तमान में रुद्रपुर में रहता है। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि उसे स्मैक के नशे और नेपाल के कैसीनो में जुआ खेलने की लत है। जुए में कर्जदार होने के कारण उसने अगस्त और नवंबर में आदर्श कॉलोनी के दो बंद घरों को निशाना बनाया था। पुलिस ने आरोपी को भूड़ महोलिया के एक बाग से घेराबंदी कर दबोचा। पुलिस टीम में कोतवाल विजेंद्र शाह शामिल रहे।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1607/7-2(2025-26) **निविदा सूचना** दिनांक : 18-12-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है नगर निगम, अल्मोड़ा में स्थित निम्नानुसार हाईटैक शौचालय की 03 वर्ष संचालन हेतु सील बंद निविदाएँ दिनांक 05.01.2026 को दोपहर 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को सायं 04:00 बजे कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं एवं उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी / शर्तें नगर निगम, अल्मोड़ा के कर अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

क्र०सं०	निविदा का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	हाईटैक शौचालय मुंशी हरि प्रसाद टम्टा धर्मशाला के सामने माल रोड अल्मोड़ा के आवंटन हेतु।	पचास हजार	1000+18% GST
2	माल रोड स्थित हाईटैक शौचालय अल्मोड़ा के आवंटन हेतु।	चालीस हजार	1000+18% GST

(रामजी शरण शर्मा) नगर आयुक्त, नगर निगम अल्मोड़ा

(अजय वर्मा) महापौर, नगर निगम अल्मोड़ा

शिविर | जन जन की सरकार–जन जन के द्वार के तहत शिविर का आयोजन किया

बिरिया में लगे शिविर में उठीं 51 समस्याएं

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: ग्रामसभा बिरिया में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में ''जन जन की सरकार-जन जन के द्वार'' शिविर का आयोजन किया गया। एडीएम उपाध्याय ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। जिसके लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें पंजीकृत समस्याओं को त्वरित निस्तारित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों को शीघ्रता से निर्गत किया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग आपसी समन्वय करते हुए योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित करें तथा विभिन्न योजनाओं के पात्रों का फार्म भरवाने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारियां दी गईं। शिविर में 51 शिकायतें प्राप्त हुईं जिसमे से छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र के लिए 25 आवेदन पत्र भरवाए गए और विभिन्न योजनाओं में 210 लोगों को लाभान्वित किया गया। जबकि तीन मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, दो महिला स्वयं सहायता समूह को चेक और एक दिव्यांग प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, नोडल अधिकारी शिविर/मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वीके सिंह, तहसीलदार वीरेन्द्र सजवाण, पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष नंदन सिंह खड़ायत, खण्ड विकास अधिकारी संजय गांधी, सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

खटीमा के बिरिया में आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित करते एडीएम उपाध्याय और एसडीएम सैनी।

दहेज हत्या के मामले में पति, सास व ननद बरी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: दहेज हत्या के मामले में प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज गर्ब्याल की अदालत ने पति, सास व ननद को बरी कर दिया है।

11 नवंबर 2021 को उदल सिंह ने जसपुर थाना में तहरीर दी थी। इसमें उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी अंजू देवी की शादी अप्रैल 2021 में शिवम कुमार, निवासी सूरजपुर जसपुर के साथ हुई थी। शादी के बाद शिवम, सास मीना व बहन आंचल अंजू को परेशान करते थे। इन लोगों ने 19 नवंबर 2021 को उनकी बेटी अंजू को मारपीट कर जान से मार दिया। इसके बाद मुकदमे में चार्जशीट आई और पति शिवम, सास मीना व ननद आंचल के विरुद्ध दहेज हत्या का मामला प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, काशीपुर के यहां चला। इसमें अभियोजन की ओर से कुल 12 गवाह न्यायालय में प्रस्तुत किए गए, जिसमें आईपीएस अक्षय प्रहलाद कोंडे भी शामिल हैं। इस मामले में अभियुक्त की ओर से अधिवक्ताओं ने तर्क दिए कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अंजू देवी के पेट में खाना था और शरीर पर किसी भी प्रकार का खरोच का निशान नहीं था। यदि मारपीट होती, तो खरोच आनी आवश्यक है। केवल फांसी के फंदे पर अंजू देवी की लाश मिली है।

ब्रीफ न्यूज

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार गंभीर घायल

किच्छा : बरेली मार्ग पर नीलकमल होटल के सामने एक तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ग्राम दोपहरिया निवासी विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सकों के अनुसार, विनोद के दोनों हाथ-पैर और दाहिना कूल्हा फ्रैक्चर हो गया है। वर्तमान में उनका उपचार जिला चिकित्सालय रुद्रपुर में चल रहा है।पीड़ित के भाई अमर पाल ने बताया कि विनोद 15 दिसंबर की शाम सामान पहुंचाने किच्छा आया था, तभी अज्ञात बाइक सवार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी और फरार हो गया। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है, जिससे इलाज में कठिनाई आ रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंटवारे में मिले आभूषण न लौटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद

बाजपुर : आपसी बंटवारे में मिले आभूषण न लौटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली बाजपुर पहुंचकर एक युवक के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गुजड़ पिपलसाना जनपद मुरादाबाद (उप्र) निवासी मोहम्मद अशरफ ने पुलिस को बताया कि करीब 12 वर्ष पूर्व आपसी बंटवारे में उसके हिस्से में छह ग्राम सोना आया था। बंटवारे के बाद चनकपुर रोड बरहैनी बाजपुर निवासी व्यक्ति ने सोना बाद में देने की बात कही थी, लेकिन वह इतने वर्षों से टालमटोल करता आ रहा है। पीड़ित का आरोप है कि 17 दिसंबर की दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे जब वह अपना सोना मांगने गया तो आरोपित ने अभद्रता करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपित ने दोबारा आभूषण मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

युवा व्यापारी की बीमारी के कारण मौत

जसपुर : गंभीर बीमारी के कारण स्थानीय निवासी युवा व्यापारी की मौत हो गई। व्यापारी की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नगर के गांधी पार्क निवासी प्रदीप कुमार उर्फ मोनू पोस्ट ऑफिस गली में कारोबार करते थे। बीते कई दिनों से वह गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। बुधवार की रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रदीप की मौत पर पूर्व विधायक डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल, व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह, सिद्धार्थ सिंघल, सोनू कुमार, विमल, अंकुर आदि ने शोक व्यक्त किया।

चेक बाउंस में दोषी को एक साल का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : वर्ष 2021 में उधारी का पैसा वापस नहीं करने और चेक बाउंस प्रकरण के दोषी को एक साल कठोर कारावास और 3.10 लाख उधारी रकम वापस करने का आदेश भी अदालत ने दिया। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फैसला सुनाया।

वादी अधिवक्ता कमल चिलाना ने बताया कि करनदीप सिंह निवासी सिविल लाइन रुद्रपुर ने अदालत में दायर याचिका में बताया था कि उसकी सरन दीप सिंह उर्फ गोल्डी निवासी प्रीत विहार कॉलोनी के साथ जान पहचान थी। अभियुक्त ने तीन लाख रुपये उधार लिए थे और 14 फरवरी 2021 को हस्ताक्षरयुक्त चेक देते हुए आश्वासन दिया था। साथ ही जल्द ही उधारी की रकम वापस करने की बात कही लंबा समय निकलने के बाद भी जब पैसा वापस नहीं हुआ और एक्सिस बैंक का चेक भी बाउंस हो गया तो अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस भेजा गया, लेकिन नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद चेक बाउंस प्रकरण की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट इंदु शर्मा की अदालत में हुई। जहां दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने दोषी सरन दीप सिंह को एक वर्ष कठोर कारावास और याचिकाकर्ता को 3.10 लाख रुपये प्रतिकर देने का आदेश दिया। यह भी आदेश किया कि एक हजार रुपये राजकोष में जमा कराया जाए।

नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, दो झोलाछाप डॉक्टर हिरासत में, 12,792 नशीली टैबलेट व कैप्सूल पकड़े

दो क्लीनिकों से भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: औषधि नियंत्रक विभाग और कुमाऊं परिक्षेत्र की एसओटीएफ टीम ने पुलभट्टा थाना अंतर्गत ग्राम दोपहरिया में एक बड़ी छापेमारी को अंजाम दिया है। इस संयुक्त टीम ने दो अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों पर छापा मारकर कुल 12,792 नशीली टैबलेट और कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से दो झोलाछाप चिकित्सकों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही शुरू कर दी है।

अवैध दवाओं का जखीरा और गिरफ्तारी कुमाऊं रेंज आईजी रिद्धिम अग्रवाल और उत्तराखंड स्वास्थ्य सचिव के दिशा-निर्देशों पर वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार और एसओटीएफ प्रभारी पूरन सिंह मर्तोलिया के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई। टीम ने ग्राम दोपहरिया निवासी हर प्रसाद और पूरन लाल के क्लीनिकों की तलाशी ली।

जांच के दौरान हर प्रसाद के कब्जे से 960 नशीली कैप्सूल और 7,700 टैबलेट बरामद हुईं। वहीं, पूरन लाल के क्लीनिक और पास के कमरे में रखी लकड़ी की अलमारी से 3,552 प्रतिबंधित कैप्सूल और 580 टैबलेट जब्त की गईं। कुल मिलाकर टीम ने स्पॉसमों कंपनी के 4,512 कैप्सूल और अल्प्राजोलम की 8,280 टैबलेट अपने कब्जे में ली हैं।

किच्छा के ग्राम दोपहरिया में जांच करती प्रशासन की टीम। ● अमृत विचार

मुख्य सप्लायर ''इकरार'' का गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे निकटवर्ती ग्राम नोडांडी निवासी इकरार नाम का युवक उन्हें इन नशीली और प्रतिबंधित दवाओं की सप्लाई करता था। प्रशासन ने इकरार के मोबाइल नंबरों के आधार पर उसकी घेराबंदी शुरू कर दी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का दावा किया है।

मुनाफे के लिए युवा पीढ़ी से खिलवाड़ जांच में यह भी सामने आया कि ये झोलाछाप डॉक्टर सस्ते दामों पर नशीली दवाओं की खेप लाकर स्थानीय युवाओं को महंगे दामों पर बेचते थे। ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में ये आरोपी क्षेत्र की युवा पीढ़ी को नशे की दलदल में धकेल रहे थे। छापेमारी के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक टीम में शामिल सदस्य इस सफल अभियान में औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट, पूजा रानी, निधि शर्मा, हर्षिता, पूजा जोशी और पुलभट्टा थाने से उप निरीक्षक दिनेश भट्ट, कांस्टेबल पंकज भट्ट, मुजफ्फर अली, पंकज भंडारी, हरबंस राणा और मुकेश बोरा आदि शामिल रहे।

पेट्रोल लेकर कॉलेज की छत पर चढ़ा छात्रसंघ अध्यक्ष

परीक्षा प्रभारी को हटाने और प्राध्यापक से माफी मांगने पर अड़े

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अपनी मांगों को लेकर छात्र संघ अध्यक्ष महाविद्यालय की छत पर चढ़ गये। वह अपने साथ पेट्रोल लेकर चढ़े, तो महाविद्यालय प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए। मौके पर आईटीआई थाना पुलिस और अग्निशमन यूनिट पहुंची। मांगे पूरी होने के बाद छात्र संघ अध्यक्ष नीचे उतरे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह राधेहरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीए प्रथम सेमेस्टर के तीन छात्र-छात्राएं समय से नहीं पहुंचे, तो उन्हें परीक्षा दिए बिना वापस लौटा दिया गया। सूचना पर छात्रसंघ अध्यक्ष जतिन शर्मा अपने साथियों के साथ परीक्षा प्रभारी के पास पहुंचे। उन्होंने वापस लौटे छात्रों को परीक्षा दिलाने के लिए कहा, तो इस पर दोनों पक्षों में बीच बहस हो गई। जतिन शर्मा ने परीक्षा प्रभारी कक्ष में बैठे एक प्राध्यापक पर उनके साथ गाली-गलौज करने और परीक्षा प्रभारी पर अभद्रता का आरोप लगाया। इसके बाद छात्रों ने प्राचार्य कक्ष के बाहर चैनल में तालाबंदी कर दी। उन्होंने परीक्षा प्रभारी को हटाने और प्राध्यापक से माफी मांगने पर अड़ गए। करीब पौन घंटे तक धरना प्रदर्शन चलता रहा। कोई सुनवाई नहीं होने पर गुस्साए छात्रसंघ अध्यक्ष शर्मा पेट्रोल की बोतल लेकर महाविद्यालय की छत पर चढ़ गए। उन्होंने छत के दरवाजे में ताला लगाकर परीक्षा प्रभारी को हटवाने और सदस्य से माफी मांगने को लेकर प्रदर्शन करते रहे। सूचना पर आईटीआई थाना पुलिस व अग्निशमन यूनिट मौके पर पहुंची। उन्होंने भी छात्रों से नीचे उतरने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। बाद में सदस्य और परीक्षा प्रभारी के माफी मांगने पर छात्र शांत होकर छत से उतर गए। यह हाईवोल्टेज ड्रामा करीब दो घंटे तक चलता रहा। प्रदर्शन करने वालों में दानिश, हितेश , रिंकू, अभिषेक, अनमोल गुप्ता, कामिनी, मीनाक्षी, नीतू, गरिमा, आसिफ शामिल रहे।

काशीपुर में कॉलेज की छत पर चढ़े छात्रसंघ पदाधिकारी। ● अमृत विचार

स्वास्थ्य विभाग ने दर्ज किए डॉक्टरों के बयान

सितारगंज: डिलीवरी के तीन घंटे बाद हुई प्रसूता की मौत की जांच के लिए बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम सितारगंज पहुंची। यहां टीम ने प्रसूता की मौत के सही कारणों को पता करने के लिए तथ्यों की जांच की।

बृहस्पतिवार को एसीएमओ डॉ. डीपी सिंह, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. कनक बनोधा और डॉ. सुधीर गुप्ता ने केयर अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने डाक्टरों से प्रसूता के अस्पताल में भर्ती होने से लेकर उसकी मौत होने के बीच उसे दिए गए उपचार की जानकारी ली। साथ ही, बीएचटी (बेड हेड टिकट) की जांच की। इस दौरान उन्होंने डॉ. जेबा मोइन और नर्स सहित घटना के दिन ड्यूटी तैनात अन्य स्टाफ के बयान दर्ज किए। साथ ही, टीम ने सील ओटी को खुलवा कर वीडियो रिकार्डिंग की। बुधवार को भी स्वास्थ्य महानिदेशक स्तर से गठित जांच टीम ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिन डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों का बयान दर्ज किया था। सीएमओ केके अग्रवाल ने बताया कि एसीएमओ डॉ. डीपी सिंह, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. कनक बनोधा और डॉ. सुधीर गुप्ता ने अस्पताल में तैनात डॉक्टर, नर्स और स्टाफ का बयान दर्ज किया है। जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

पीड़ित परिवार को मिलें 10 लाख और एक को नौकरी

खटीमा में ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर तुषार शर्मा हत्याकांड में पीड़ित परिवार को 10 लाख का मुआवजा और घर के एक व्यक्ति को नौकरी देने की मांग की है। उन्होंने घायलों को एक-एक लाख का मुआवजा देने की मांग की है।

सीएम धामी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी तुषार सैनी को सौंपते हुए पीड़ित परिवार को 10 लाख का मुआवजा और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने, घायल परिवारों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने तथा घटना में संलिप्त दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। उन्होंने तुषार हत्याकांड कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस जघन्य, अमानवीय एवं समाज को झकझोर देने वाली घटना में न केवल एक निर्दोष युवक की जान गई बल्कि उसका पूरा परिवार गहरे मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक संकट में आ गया है। ऐसी स्थिति में उन्होंने पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय, सुरक्षा एवं आर्थिक संबल प्रदान करने हेतु शासन प्रशासन से मांग की ताकि उनका जीवन पुनः सामान्य हो सके। ज्ञापन देने वालों में कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बॉबी राठौर, राजू सोनकर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र आर्या, रोहित शर्मा, रमेश चंद्र जोशी, मो ताहिर, विजय चंद, नरेंद्र सिंह कार्की, रेखा सोनकर, संजीव पासवान, राजकुमार गिहार, लखवंत सिंह, गगनदीप सिंह कपिल सिंह आदि शामिल रहे।

पुलिस लाइन का होगा सौंदर्यीकरण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एसएसपी मणिकांत मिश्रा और महापौर विकास शर्मा ने पुलिस लाइन का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही पुलिस कर्मियों की मूलभूत समस्याओं के अलावा सुविधाओं पर मंथन किया। मेयर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही पुलिस लाइन के सौंदर्यीकरण और विस्तारीकरण का खाका तैयार किया जाएगा।

गुरुवार को मेयर और एसएसपी अधीनस्थों के साथ पुलिस लाइन पहुंचे। जहां उन्होंने कानून व्यवस्था में अहम योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को सुविधाएं देने पर चर्चा की और पुलिस लाइन का भ्रमण भी किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों से संवाद कर जमीनी स्तर पर समस्याओं को भी जाना। निरीक्षण के दौरान एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि पुलिस लाइन स्थित मंच का सौंदर्यीकरण, पुलिस परिवार की सामाजिक आवश्यकता के लिए बारात घर का निर्माण, पेयजल की उचित व्यवस्था सहित पुलिस लाइन का सौंदर्यीकरण होना जरूरी है। इसके अलावा पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसर व बुनियादी सुविधाएं बेहद जरुरी है। ताकि स्वच्छ वातावरण के साथ ही पुलिस परिवार को कोई परेशानी नहीं हो। महापौर ने बताया कि जल्द ही पुलिस लाइन का सर्वे कराकर एक प्रस्ताव बनाया जाएगा और प्रस्ताव के आधार पर निर्माण कार्य भी जल्द प्रारंभ होगा। इस मौके पर एसपी क्राइम निहारिका तोमर, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, सीओ प्रशांत कुमार, सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन का निरीक्षण करते एसएसपी और मेयर। ● अमृत विचार

भीड़ ने चोर को पीट-पीट कर किया अधमरा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: डीडी चौक पर पर्स चोरी करने वाले एक चोर को भीड़ ने पीटकर अधमरा करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी का उपचार कराया और हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह चालक शिवम डीडी चौक पर सवारियों का इंतजार कर रहा था। इस बीच एक युवक आया और मोबाइल मांगते हुए फोन करने की बात करता है। जब चालक ने रिचार्ज नहीं होने की बात कही तभी नजदीक खड़े एक यात्री ने पर्स चोरी होने की जानकारी दी। यात्री को संदेह था कि पर्स चालक ने ही चोरी कर दिया। मामला एसएसपी कार्यालय पहुंचा। जहां सीसीटीवी कैमरे की जांच करने पर पाया कि पर्स चालक नहीं, बल्कि मोबाइल मांगने वाले युवक ने निकाला।

इसके बाद दोनों शिकायतकर्ता डीडी चौक से कुछ ही दूरी पहुंचे ही थे कि अचानक वहीं युवक दिखाई पड़ा। आरोपी युवक को दबोच लिया और फिर भीड़ ने आरोपी चोरी को पीटना शुरू कर दिया। थप्पड़ की गूंज के बाद युवक जमीन पर गिर गया और अधमरा जैसा पड़ा रहा।

घायल आरोपी। ● अमृत विचार

दो युवकों ने रास्ता रोककर मारपीट व लूटपाट की

बाजपुर : रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट व लूटपाट का गंभीर आरोप लगाते हुए पीड़ित ने दो युवकों के विरुद्ध कोतवाली में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम विक्रमपुर निवासी सुरेंद्र पाल सिंह ने पुलिस को बताया कि 17 दिसंबर की रात करीब आठ बजे वह अपनी कार से सास कैलाशी व दो बच्चों के साथ ससुराल जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच दो युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार विरोध करने पर आरोपितों ने कार से खींचकर नीचे गिरा दिया और लात-घूंसों से पीटा। इतना ही नहीं बचाव करने पर उसकी वृद्ध सास के साथ भी अभद्रता व मारपीट की, जिससे दोनों को चोटें आई हैं। पीड़ित ने उससे 25 हजार रुपये नकद व करीब डेढ़ लाख रुपये की सोने की चेन भी लूट लेने की बात कही है।

यूपीआई से तीन किश्तों में तीन लाख निकालकर की धोखाधड़ी

सितारगंज : सितारगंज में फिर ठगी करने का मामला सामने आया है। इस बार ठगों ने यूपीआई के जरिए बैंक खाते से तीन किस्तों में तीन लाख निकाल लिए। वहीं, मामले में पुलिस ने ठगों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज की है। गांव बिज्टी निवासी सोहन सिंह ने बताया कि उसका बीओबी बैंक की बिज्टी शाखा में खाता है। बिना उसकी अनुमति के उसके बैंक खाते से यूपीआई के जरिए तीन लाख रुपये निकाल लिए गए। बताया कि सबसे पहले 30 नवंबर को उसके बैंक खाते से 99,999 निकाले। फिर, 1 दिसंबर को 99,999 निकाले। 2 दिसंबर को तीसरी बार यूपीआई के जरिए बैंक खाते से 99,999 निकल गए। बताया कि उसके खाते से कुल 2,99,997 निकाले गए। वहीं, उसने साइबर ठगी की आशंका जताते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा से रुपये वापस कराने की मांग की है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएमएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – अनिल कुमार – 9927028507

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी एक्ट) 2002 के अंतर्गत प्रतिभूतिहित नियम 2002 के नियम 13(2) के अन्तर्गत यह सूचना जारी की जाती है।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से प्राप्त किये गये ऋण जो कि एनपीए हो चुके हैं व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्नवर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्नवर्णित ऋणियों एवं जमानतदारों को वित्तीय आस्तियों के प्रतिभुतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांकों को पंजीकृत डाक पावती सहित/ स्पीड पोस्ट/कोरियर द्वारा आप सभी को भेजी गयी थी, जिसकी पावती प्राप्त नही हुई/जो बिना तामील प्राप्त हो गयी। मांग सूचना निम्नांकित दिनांकों में हमने आश्य को स्पष्ट कर दिया था, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शायी राशि 60 दिनों के अन्दर जमा नहीं करायी गयी तो उक्त उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में बंधक सम्पत्तियॉ जो कि निम्नलिखित ऋणियों /जमानतदारों के नाम है, उनका आधिपत्य ले लिया जायेगा और कब्जा सूचना /ई–नीलामी सूचना में कर्जदार व गारंटरों की फोटो प्रकाशित की जायेगी। बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार है:–

क्र. सं.	खाता संख्या/कर्जदार का नाम/ सह–कर्जदार/गारंटर और एनपीए की तारीख	मांग सूचना की तिथि बकाया राशि	सुरक्षित संपत्तियों का विवरण
1.	UP/ALI/MDBD/A000000123, श्री हिमांशू हिमांशू, श्रीमती गीता रानी, श्री नितेश कुमार सभी: रजाकपुर अमरोहा, अमरोहा, सेमीअर्बन, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-12-2025	11-12-2025 रू 955935/- 11-12-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	ग्राम रजाकपुर पोस्ट अमरोहा, अमरोहा, मेट्रो, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221 दिशा/सीमाएँ: उत्तर–मकान अतर सिंह, दक्षिण–रास्ता 4.27 मीटर पूर्व–घेर विहारी, पश्चिम–मकान अमीचंद
2.	UP/HDW/HDWN/A000000130, UP/HDW/HDWN/A000000332, श्री पलविन्दर सिंह पता: बिदौरा, बिदौरा नानकमत्ता सितारगंज यू एस.नगर, नानकमत्ता, गुरुद्वारा, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 श्री बलविन्दर सिंह पता: बिदौरी नानकमत्ता सितारगंज, नानकमत्ता, गुरुद्वारा, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-12-2025	11-12-2025 रू 954976/- 11-12-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खतौनी नंबर 31, खेत नंबर 83/1/1, कौंडाखेड़ा, नानकमत्ता, जिला – यूएस नगर, नानकमत्ता, गुरुद्वारा, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 दिशा/सीमाएं: उत्तर –12 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण– शंकर लाल, पूर्व–धरसन सिंह का घर, पश्चिम–हरभजन का घर
3.	UP/HDW/KTMA/A000000161, श्री धनराज गूजर पता: तरूण कंप्यूटर, 0, मझरा रोड, सिशोरा, सितारगंज, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 श्रीमती मीना देवी गूजर पता: गुर्जर मोहल्ला वार्ड1, 0, भीलवाड़ा, 0, सेमीअर्बन, भीलवाड़ा, राजस्थान, भारत – 311801 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-12-2025	11-12-2025 रू 1120769/- 11-12-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	खसरा नंबर 887/1 मिन, ग्राम सिसौना, सितारगंज, यूएस नगर, उत्तराखंड 262405, सिसौना, 0, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405 दिशा/सीमाएँ: नॉर्थ–रोड, दक्षिण– कुलदीप राणा का घर, पूर्व–रोड, पश्चिम–मणींद्र नेगी का प्लॉट
4.	UP/UDA/JSHP/A000000075, श्री पुनित रंजन शरण गुप्ता, श्रीमती रिंकू देवी दोनों पते: प्रकाश हार्मोनी दरियाल रोड, 12, सैनी मंदिर के पास काशीपुर, मंदिर, शहरी, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-12-2025	11-12-2025 रू 1797612/- 11-12-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	मकान नंबर 35, खसरा नंबर 242 मिनट, प्रकाश हार्मोनी, दरियाल रोड, मंदिर, शहरी, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 दिशा/सीमाएं: उत्तर– 25 फीट, सड़क दक्षिण– मकान नंबर– 28, पूर्व– मकान नंबर 34, पश्चिम– मकान नंबर 36
5.	UP/HDW/RDRP/A000000255, श्री धीरेंद्र कुमार पता: गली नंबर 4, बालाजी मंदिर रोड शारदा कॉलोनी डिबडिबा कौशलगंज रामपुर, रामपुर, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244921 श्रीमती मुन्नी देवी पता: गली नंबर 4 बालाजी मंदिर रोड शारदा कॉलोनी रामपुर, रामपुर, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244921 ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की तिथि : 05-12-2025	16-12-2025 रू 944026/- 13-12-2025 तक + ब्याज एवं कानूनी प्रभार इत्यादि	गटा नं. 7 मिन दिबदिबा बिलासपुर रामपुर, रामपुर, अर्धशहरी, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244921 दिशा/सीमाएँ: उत्तर– प्लॉट नं. बी–20, दक्षिण– 18 फीट रोड, पूर्व– प्लॉट नं. बी–18, पश्चिम– 18 फीट रोड

दिनांक : 19.12.2025 स्थान : हल्द्वानी

प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

विवाद

लोगों ने पूर्व विधायक से मिलकर की शिकायत

निजी भूमि पर जबरन कब्जा करने का आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: न्यायालय में विचाराधीन एक निजी भूमि विवाद में एक पक्ष ने मजदूरों और जेसीबी की मदद से जबरन भूमि पर कब्जा करने और तोड़फोड़ करने की कोशिश की। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं मामले में पूर्व विधायक से भी मुलाकात कर निदान की मांग की है।

जानकारी के अनुसार घटना बुधवार सुबह लगभग पांच ग्राम चांदपुर की है। शिकायतकर्ताओं सुनील छाबड़ा व नमन गुप्ता के अनुसार, आरोपी ने अपनी टीम के साथ उनकी खरीदी हुई भूमि पर धावा बोल दिया। शिकायतकर्ता ने बताया कि यह भूमि उन्होंने 28 अक्टूबर 2022 को क्रय की थी और वे तभी से इस पर काबिज हैं, जिसका रिकॉर्ड राजस्व कागजातों में भी दर्ज है। उनके मुताबिक आरोपी द्वारा बार-बार अवैध कब्जे का प्रयास किए जाने के कारण, उन्होंने पूर्व में ही उनके विरुद्ध दीवानी न्यायालय में एक वाद दायर कर रखा है। यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है और इसमें आरोपी स्वयं उपस्थित भी हो चुके हैं। न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी होने के बावजूद, आरोपी मजदूरों और एक जेसीबी मशीन लेकर सुबह के समय भूमि में घुस आए और जबरन तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब उन्होंने मौके पर पहुंचकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो आरोपी लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो गया। उन्होंने शिकायतकर्ताओं को धमकी दी कि वह बलपूर्वक इस भूमि पर कब्जा करके रहेंगे।

शिकायतकर्ताओं ने कोतवाली काशीपुर में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। वहीं गुरुवार को शिकायतकर्ताओं ने लोगों के साथ मिलकर पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा के आवास पर जाकर उनसे मिलकर मामले की जानकारी दी और निदान की मांग की है। उन्होंने भी मामले की कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

काशीपुर में पूर्व विधायक से मुलाकात करते शिकायतकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

विधायक गोपाल सिंह राणा ने सुनीं समस्याएं

नानकमत्ता : क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह राणा ने विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों का भ्रमण कर जनचौपाल लगाई। इस दौरान ध्यानपुर, कैथुलिया, टुकड़ी, बिचुवा और बिचई के ग्रामीणों ने जर्जर सड़कों, नाली निर्माण और सोलर लाइट की समस्याएं प्रमुखता से रखीं। विधायक ने ध्यानपुर में 200 मीटर सड़क, करगडा पट्टी में भूमसेन पूजा स्थल व 100 मीटर आरसीसी रोड निर्माण का आश्वासन दिया। वहीं, कैथुलिया में श्मशान घाट पर टिनशेड और प्राथमिक विद्यालय के मैदान में मिट्टी भरान कार्य को शीघ्र पूरा करने की बात कही। विधायक ने कहा कि ग्रामीण विकास उनकी प्राथमिकता है और सभी समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य मलकीत सिंह, ग्राम प्रधान नरेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

छूट मिलने के बाद दिल्ली जा रहीं रोडवेज की बसें

काशीपुर : सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व के आदेश में संशोधित करते हुए बीएस-4 की बसों को छूट दी है। छूट मिलने के बाद अब बीएस-4 की बसें दिल्ली जा रही हैं। इससे डिपो प्रशासन ने राहत की सांस ली है। काशीपुर डिपो से 16 बसें दिल्ली के लिए संचालित होती हैं, जिनमें 10 बसें बीएस-4 की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए बीएस-4 की बसों के दिल्ली प्रवेश को प्रतिबंधित किया था। ऐसे में डिपो की बसें केवल गाजियाबाद के कौशांबी बस अड्डे तक ही जा रही हैं। ऐसे में यात्रियों को कौशांबी बस अड्डे पर उतर कर अन्य सवारी गाड़ियों से दिल्ली में जाना पड़ रहा था।

स्कूली बच्चों ने किया पौराणिक स्थलों का भ्रमण

जसपुर : महुआडाबरा के पीएमश्री नेहरू राइंका के कक्षा 6 से 8 तक के बालक -बालिकाओं ने एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल द्रोणासागर, चैती मेला स्थित मां बाल सुंदरी देवी मंदिर काशीपुर और सूत मिल का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने धार्मिक, पौराणिक व कपास से बनने वाले धागे की विस्तृत जानकारी ली। भ्रमण दल को प्रधानाचार्य बीएम लाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यहां राजेश चौधरी, मोनिका, नीतू सैनी, नूतन चौहान, हरीश शर्मा, योगेश पंत, कालिका प्रसाद सुमन, उपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सिटी कॉन्वेंट में उभरते गायक मान पानू का स्वागत

खटीमा : सिटी कॉन्वेंट स्कूल में हिम नाद वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में खटीमा क्षेत्र के उभरते हुए भारतीय गायक मान पानू का प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय ने स्वागत किया।

अल्पसंख्यकों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर कोतवाली सितारगंज में अल्पसंख्यकों की बैठक बुलाई गई, शिकायत दर्ज करवाने का आह्वान

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर कोतवाली सितारगंज में अल्पसंख्यकों की बैठक बुलाई गई। बैठक में एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी ने उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

बृहस्पतिवार को कोतवाली सितारगंज में आयोजित बैठक में डॉ. उत्तम सिंह नेगी ने कहा कि यदि समाज में कभी भी अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव या अन्याय होता है। तो वह सीधे अल्पसंख्यक आयोग में इसकी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा वह पुलिस को भी शिकायत कर सकते हैं। पुलिस तत्परता से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। साथ ही, उन्होंने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, शिक्षा के लिए विशेष अनुदान, मदरसों का आधुनिकीकरण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत कराया। इस मौके पर इंस्पेक्टर सुंदरम शर्मा, तहसीलदार हिमांशु जोशी, एसआई कैलाश देव, हाजी शमशुल हक मलिक, जिलानी अंसारी, हामिद मलिक, सरफराज अहमद राजू , करन जंग, सरताज अहमद, ताहिर मलिक, मोहम्मद अहमद मलिक, इकबाल सिंह भुल्लर, निर्मल सिंह, दिलबाग सिंह, खलीक अहमद आदि मौजूद रहे।

कोतवाली में बैठक लेते एसपी सिटी डॉ .उत्तम सिंह नेगी। ● अमृत विचार

बाजपुर में आयोजित कार्यक्रम में समस्याएं सुनते एसएसआई जसविंदर सिंह।

कोतवाली में अल्पसंख्यकों की समस्याएं सुनीं

बाजपुर : विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर कोतवाली में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अल्पसंख्यकों की समस्याएं सुनते हुए उनके निस्तारण का भरोसा दिलाया गया। गुरुवार को कोतवाली परिसर में आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसआई जसविंदर सिंह ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। कई बार जागरूकता के अभाव में व्यक्ति सही निर्णय नहीं ले पता है। उन्होंने जन-जागरूकता कार्यक्रम में पहुंचे अल्पसंख्यकों से उनकी समस्याएं सुनी और निदान का भरोसा दिलाया।

किच्छा कोतवाली में उपस्थित अधिकारी एवं मुस्लिम समाज के लोग। ● अमृत विचार

स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली बताई

बाजपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर केलाखेड़ा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में केबीएन मेमोरियल स्कूल फिदानगर केलाखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधक नाजिम अख्तर ने की। इस दौरान पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध निशुल्क विधिक सेवाओं, राष्ट्रीय नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इस मौके पर पराविधिक कार्यकर्ता निशा परवीन, प्रधानाचार्य मोहम्मद ताहिर मौजूद रहे।

साइबर क्राइम से सतर्क रहने की अपील

किच्छा : विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर किच्छा कोतवाली में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के तमाम लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। कोतवाली परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू ने कार्यक्रम में उपस्थित मुस्लिम समाज के तमाम लोगों को नशे के प्रति जागरूक रहने तथा नशा तस्करी में लिप्त लोगों को चिन्हित कर नशा मुक्त अभियान में पुलिस को गोपनीय सूचना देकर सहयोग करने की अपील की। उन्होंने साइबर क्राइम से बचाव के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जालसाजों द्वारा भोली-भाली जनता को अपने झांसे में लेकर उनको आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे जागरूक रहकर ही बचाव संभव है। मौके पर वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, दानिश इकबाल अहमद, बंटी खुराना, खालिद इकबाल, जावेद अहमद, खलील मियां, अख्तर रजा, हरविंदर सिंह, एस आई पवन जोशी, नवीन भट्ट, जाकिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

जसपुर : अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के मौके पर कोतवाली परिसर में स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख लोगों को उनके अधिकारों एवं कानून के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें जागरूक किया गया। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग से नामित चरनजीत सिंह एवं अभिषेक सुखिया ने अल्पसंख्यकों को विशेष रूप से अवगत कराया। वहीं फैज ए आम इंटर कॉलेज में भी कार्यक्रम कर अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की जानकारी दी गई। इस मौके पर एसएसआई जावेद मलिक, व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह, रईस अहमद मौजूद रहे।

ऋषभ बने गणित के जादूगर व वंश बने स्पैल जीनियस

सितारगंज : ब्लॉक स्तरीय मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में आनंदनगर शक्तिफार्म के ऋषभ कुमार, स्पैल जीनियस में रतनफार्म नंबर तीन के वंश राय और निपुण विद्यार्थी प्रतियोगिता में नकुलिया के पार्थ राणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ब्लाक संसाधन केंद्र में आयोजित प्रतियोगिता में विकासखंड के चारों न्यायपंचायत के प्राथमिक स्तर के 36 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बरकीडांडी नगला की शगुन राणा और विडोरा के प्रिंस राणा, स्पैल जीनियस कंप्टीशन में रनसाली की कुलसुम और पांच क्वार्टर के अंश मालाकार, निपुण विद्यार्थी प्रतियोगिता में झाड़ी नंबर नौ की अनुष्का और सितारगंज प्रथम की सिमरन ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। बीआरसी समन्वयक हृदेश चौहान ने कहा कि विजेता छात्र जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

इस मौके पर हस्सान सिद्दीकी, बीना क्वीरा, केएन अटवाल, जयन्त मंडल, जितेंद्र राणा, उदय चौहान, प्रेम चंद, दलजीत सिंह, दुर्लभ राय, कल्याणी घोष आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पेंशन दिवस को धूमधाम से मनाया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक रेलवे स्कूल परिसर में राष्ट्रीय पेंशन दिवस पर आयोजित की गई। इस अवसर पर केंद्र सरकार व राज्य सरकारों के पेंशन भोगियों को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पेंशन का अधिकार दिलाने वाले डीएस नकारा के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बीते दिन पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एसपी गुप्ता, सचिव एसएस सिन्हा, रेलवे मजदूर यूनियन के पूर्व अध्यक्ष एवं बैठक की अध्यक्षता कर रहे सुरेश शर्मा, ट्रेजरार राजीव पाल आदि ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर सभी ने डीएस नकारा के बारे में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व आईएएस नकारा ने वर्ष 1979 में केंद्र सरकार के पेंशन भोगियों को स्थिति को देखते सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसका निर्णय 17 दिसंबर 1982 में 5 जजों की बेंच ने पेंशन भोगियों के हक में दिया था। जिसका श्रेय डीएस नकारा को जाता है। उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए पूरे देश में 17 दिसंबर को पेंशनभोगी पेंशन दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर एमवाई सिद्दीकी, दिगपाल सिंह, किशोरी लाल पेंशनर्स का जन्मदिन माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा लड्डू खिलाकर धूमधाम से मनाया गया।

अभियान के लिए मिला मेयर का साथ

काशीपुर: नगर को स्वच्छ एवं सुरक्षित शहर बनाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब कॉर्बेट काशीपुर ने मेयर दीपक बाली के साथ मिलकर बीते दिन एक जागरूकता अभियान की शुरुआत की।

इस अभियान के अंतर्गत शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर लगाए गए, जिनके माध्यम से नागरिकों को यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि काशीपुर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इस अवसर पर सभी रोटेरियनों द्वारा मेयर दीपक बाली के अथक, निरंतर और समर्पित कार्यों की खुले मंच से सराहना की गई। रोटरी सदस्यों ने कहा कि स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को लेकर मेयर द्वारा किए जा रहे प्रयास काशीपुर के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

शहर में विकसित किए जाएंगे दस वेंडिंग जोन

संवाददाता, काशीपुर

- महापौर दीपक बाली ने कहा -पांच वेंडिंग जोन निगम ने किए चयनित

अमृत विचार: महापौर दीपक बाली ने कहा कि शहर में 10 वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे। जिसमें से पांच वेंडिंग जोन चयनित कर लिए गए हैं।

मेयर दीपक बाली व नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट ने बृहस्पतिवार को निगम कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि काशीपुर को प्रदेश का रोल मॉडल शहर बनाने के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए जा रहे हैं। निगम प्रशासन किसी तरह का भी टैक्स नहीं बढ़ा रहा है, बल्कि निगम अपनी आय के नए संसाधन विकसित कर रहा है। इसी क्रम में निगम क्षेत्र में निष्प्रोज्य पड़ी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराकर दुकानों का निर्माण कराएगा। इससे एक ओर निगम की आय बढ़ेगी, तो दूसरी ओर स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। महापौर बाली ने बताया कि निगम क्षेत्र में 10 वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे। प्रथम चरण में 5 स्थानों का चयन कर लिया गया है, जहां अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। इन जोनों में फूड स्ट्रीट, सब्जी एवं फल स्ट्रीट सहित अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री उपलब्ध होगी। चयनित स्थानों में गिरीताल के पीछे बाईपास मार्ग पर फूड स्ट्रीट, द्रोणा सागर के पीछे टाट वाले बाबा आश्रम मार्ग पर सब्जी एवं फल स्ट्रीट, रामनगर रोड पर ट्रेड शोरूम से रेलवे क्रॉसिंग के बीच फूड स्ट्रीट, गिरी सरोवर के पूर्वी तट के पास बाईपास मार्ग पर सब्जी एवं फल स्ट्रीट तथा सीतापुर आई हॉस्पिटल रोड पर सब्जी, फल, कपड़े एवं अन्य फेरी सामग्री की स्ट्रीट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन वेंडिंग जोनों के बनने से एक ओर स्थानीय व्यापारियों को स्थायी रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर अतिक्रमण हटाओ अभियानों से उन्हें स्थायी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा कुल 500 दुकानों के निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है, जिससे निगम की आय में लगभग 100 करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान है। प्रथम चरण में कुल 68 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इनमें गुरुद्वारा रोड पर आनंद नर्सरी के पास 32 दुकानें, नमन स्वीट्स के सामने कोर्ट रोड पर 8 दुकानें तथा कुंडेश्वरी रोड पर साईं मंदिर से आगे 28 दुकानें शामिल हैं। इन दुकानों की नीलामी की तिथि 19 एवं 20 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। महापौर के अनुसार, प्रथम चरण की दुकानों से नगर निगम को लगभग 15 करोड़ रुपये की एकमुश्त आय तथा प्रतिवर्ष करीब 50 लाख रुपये किराये के रूप में प्राप्त होने का अनुमान है। इस आय का उपयोग नगर के चहुंमुखी विकास, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी, सड़क और नालियों के सुधार जैसे कार्यों में किया जाएगा।

मझोला खटीमा गन्ना समिति में क्लीनिक का शुभारंभ करते अध्यक्ष ढिल्लो।

मझोला-खटीमा गन्ना समिति कार्यालय पर खुला क्लीनिक

खटीमा : आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग उत्तराखंड के निर्देशानुसार खटीमा–मझोला सहकारी गन्ना विकास समिति कार्यालय में गन्ना क्लीनिक एवं परामर्श केन्द्र का शुभारंभ किया गया। समिति कार्यालय पर गन्ना क्लीनिक का शुभारंभ समिति अध्यक्ष बलविंदर सिंह ढिल्लो, किसान नेता प्रकाश तिवारी, पूर्व समिति अध्यक्ष भगवंत सिंह खालसा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। किसान नेता तिवारी ने बताया कि गन्ना क्लीनिक एवं परामर्श केन्द्र में गन्ने की फसल में लगने वाले रोग कीट एवं गन्ने की उन्नत खेती के संबंध में उपचार एवं जानकारियां दी जाएगी। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष प्रभदीप सिंह, अमरदीप सिंह, अशोक कुमार, कैलाश पंत, प्रगतिशील कृषक, नितिन रस्तोगी, अमरीक सिंह, मनमोहन सिंह सोहेल, जसवीर सिंह एवं समिति सदस्य मौजूद रहे।

टचवुड स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

जसपुर: टचवुड स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। वार्षिकोत्सव में बच्चों की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों ने अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया।

बैलजुड़ी स्थित स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेता डॉ. यूनुस चौधरी, सेवानिवृत कोतवाल विजेन्द्र चौधरी ने कार्यक्रमों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से आगे बढ़ने का आह्वान किया। बच्चों के सेना पर आधारित नाटक ने देशभक्ति की भावना जगाई। मां पर आधारित प्रस्तुति ने पूरे पंडाल को भावुक कर दिया। शायर इकबाल अदीब साहब, असरार अहमद ने अपने शेरों से मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्य काविश सिद्दीकी ने डॉ. यूनुस चौधरी, विजेन्द्र चौधरी को सम्मानित किया।

शांतिपुरी सैनिक संगठन अध्यक्ष जोशी का निधन

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर एक के पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष दिगम्बर प्रसाद जोशी (73 वर्ष) का बुधवार रात करीब 11 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को हरिद्वार स्थित गंगा नदी तट पर किया गया। उनकी चिता को उनके पुत्र प्रकाश चंद्र जोशी व मनोज जोशी ने मुखाग्नि दी। शांतिपुरी नंबर एक निवासी सैनिक संगठन अध्यक्ष जोशी को रात करीब नौ बजे अचानक सीने में तेज दर्द उठा। परिजन उन्हें उपचार के लिए रूद्रपुर के एक निजि अस्पताल लेकर गये जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 28 नवम्बर 1973 भारतीय थलसेना में भर्ती हुए तथा उन्होंने कारगिल युद्ध में गढ़वाल राइफल के साथ अग्रिम मोर्चे पर रह कर दुश्मन का डटकर मुकाबला किया। 30 नवम्बर 2001 में फौज से सेवानिवृत होने के बाद सैनिक संगठन व सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे। वर्तमान में वह बीते दो वर्षों से सैनिक संगठन अध्यक्ष के पद पर रह कर उनका कुशल नेतृत्व कर रहे थे। वह अपने पीछे बहू बेटों एवं नाती पोतों का भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं।

दिगंबर प्रसाद (फाइल)।

प्रकोष्ठ के केन्द्रीय अध्यक्ष बने भाटिया

खटीमा: उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी खटीमा के शिव शंकर भाटिया को उत्तराखंड क्रांति दल में उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ का केंद्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने उनका अमाऊं स्थित पार्टी कार्यालय में स्वागत किया। इस नियुक्ति पर भाटिया ने केन्द्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र कुकरेती, काशी सिंह ऐरी, नारायण सिंह जंतवाल , पुष्पेश त्रिपाठी, पंकज व्यास, आनंद सिंह असगोला ,गोविंद सिंह बिष्ट, खटीमा जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी का आभार प्रकट करते हुए शीर्ष नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि उक्त दायित्व का तन मन धन से निर्वहन करेंगे। इस दौरान जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी, मुकेश मोहन शर्मा, संतोष मल्होत्रा, दल बहादुर चंद मौजूद रहे।

दो दिन के घने कोहरे के बाद निकली धूप

संवाददाता, काशीपुर

- लोगों को ठंड से मिली राहत, धूप सेंकते नजर आए लोग

अमृत विचार: दो दिन छाई कोहरे की सफेद चादर ने लोगों की दुश्वारियों को बढ़ा दिया था। सबसे ज्यादा दिक्कत वाहन चालकों को उठानी पड़ रही थी। बृहस्पतिवार को कोहरे की चादर हटी और धूप खिली। धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली और मकानों की छत और पार्कों में लोग धूप सेंकते नजर आए।

मंगलवार व बुधवार को कोहरे की चादर छाई हुई थी, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं कोहरा छा जाने के साथ चल रही शीतलहर लोगों को ठंड का एहसास करा रही थी। दिन ढलते ही कोहरे की छा रही सफेद चादर के कारण सबसे ज्यादा परेशानी वाहन चालकों को उठानी पड़ रही थी। क्योंकि रात में कोहरा छाने के कारण वाहन चालकों को सड़क पर आगे का साफ दिखाई नहीं दे रहा था और ऐसे में हादसों की संभावना भी अधिक बनी हुई थी। वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गए थे। बृहस्पतिवार को सुबह तो कोहरा था, लेकिन 11 बजे के आसपास मौसम साफ हो गया और अच्छी धूप खिली। लोगों ने गुनगुनी धूप का आनंद लिया।

किच्छा में प्रतियोगिता का शुभारंभ करते प्रधानाचार्य एवं अतिथि। ● अमृत विचार

वॉलीबॉल एवं थ्रो बॉल प्रतियोगिता का समापन

किच्छा : नगर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय बॉलीबॉल एवं थ्रो बॉल प्रतियोगिता का विधिवत समापन हो गया। प्रधानाचार्य फादर मोंटेरो ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने का आह्वान किया। बॉलीबॉल प्रतियोगिता के प्रथम दिन बालक वर्ग में कक्षा 11 कॉमर्स वर्ग के छात्रों ने फाइनल मैच में जीत दर्ज की। जबकि थ्रो बॉल प्रतियोगिता में कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की बालिकाओं ने जीत का परचम फहराया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन विजयी प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य फादर मोंटेरो एवं उप प्रधानाचार्य सिस्टर लूसिया ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के दौरान शारीरिक शिक्षक संजय सिंह नेगी, हंसराज, प्रमिला पवार, भानु पांडे, रुक्मणी, राज अरोड़ा, योगिता कर्नाटक, मनीष थापा, एलन बर्नार्ड आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम | भाकपा माले की रुद्रपुर इकाई ने विनोद मिश्रा की 27वीं बरसी पर संकल्प दिवस मनाया

नए साल में पार्टी का विस्तार करने का संकल्प

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भाकपा माले की रुद्रपुर इकाई ने विनोद मिश्रा की 27वीं बरसी पर संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान संकल्प दिवस पर नए साल में पार्टी का विस्तार करने, पूरे संगठन को नई ऊर्जा से खड़ा करने और अपने आंदोलन को और ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार खड़े होकर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

गुरुवार को हेड मास्टर निशान सिंह भवन रुद्रपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने बताया कि 1970 के दशक के शुरुआती भयंकर झटके और बिखराव के बाद भाकपा (माले) को दोबारा खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी अगुवाई में पार्टी ने हर तरह की बाधाओं को पार किया और भारत के इतिहास व समाज को समझने के लिए अपनी मार्क्सवादी समझ को लगातार विकसित व मजबूत करते हुए व्यापक जन-संघर्षों को खड़ा किया। जिला प्रभारी केके बोरा ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार तक एक के बाद एक राज्य चुनावों में मिली जीतों से बेलगाम होकर मोदी सरकार ने पूरे देश में अपने फासीवादी हमलों को तेज कर दिया है। इस अवसर पर जिला सचिव ललित मटियाली, दिनेश तिवारी, अमनदीप कौर, ज्ञानी सुरेन सिंह, अनिता अन्ना, कमलेश कार्की, रंजन विश्वास, उत्तम दास, नरेश, विजय शर्मा, प्रीति, जगजीत कौर, नरेश कुमार मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद भाकपा माले के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी व अन्य। ● अमृत विचार

नोज़गे स्कूल के विजेता छात्र-छात्राओं के साथ प्रबंधिका। ● अमृत विचार

नोजगे की अनुकृति सामान्य ज्ञान ओलंपियाड में प्रथम

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन हरियाणा द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान ओलंपियाड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रबंधिका टिवंकल दत्ता ने अनुकृति शर्मा सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दक्ष कुमार, अक्ष थापा, परमजोत सिंह, आराध्या सक्सेना, अग्रिम गोयल, अंशिका, पीयूष गुरुंग, नक्ष रिखाले, सनवीर सिंह को सम्मानित किया। इसी क्रम में उन्होंने परी रस्तोगी, सिद्धि मित्तल, चयन राना, दीपांशु पाटनी, सरनजोत सिह, जसप्रीत कौर, अर्शदीप सिंह, प्रयास सक्सेना, समृद्धि, पावनी थापा, दीपिका, सिद्धि कुंवर, गुनीत कौर, यश चन्द, मिसिका राना, हार्दिक सिंह बिष्ट, तृषा, हिमानी बोहरा, स्वीटी कुमारी, कार्तिक, वैष्णवी, वंश रस्तोगी, सम्राट सिंह, जसनूर कौर अरोरा को सम्मानित किया। चयनित छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिका सिमरन बंसल और आयोजन रश्मि मिश्रा ने किया। विद्यालय के अकादमिक अधिकारी डॉ. विनय जैन ने विजयी छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

ब्रीफ न्यूज

संध्या गिरी बने मां पूर्णागिरि मंदिर के महंत

बनबसा : मां पूर्णागिरि मंदिर बनबसा बस स्टैंड में ब्रहमालीन महंत मोजगिरी भगत महाराज का सोलहवीं पर भण्डारा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संध्या गिरी महाराज को सर्व सम्मिति से मां पूर्णागिरि मंदिर का नया महंत मनोनीत किया गया। इस अवसर पर समंदर गिरी महाराज, राम भरोसे गिरी महाराज, महंत राजेश गिरी महाराज, महंत राधे गिरी महाराज, महंत रणधीर गिरी महाराज, महंत राम गिरी महाराज, महंत हनुमान गिरी, उम्मेद सिंह नेगी, संजय सिंह मल्ल, मनोज जोशी आदि रहे।

कटिया डालकर बिजली चोरी करने पर मुकदमा

रुद्रपुर : विद्युत विभाग और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चलाते हुए किच्छा बाईपास मार्ग पर छापामार कार्रवाई की और तीन उपभोक्ताओं को कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया। उपखंड अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को संयुक्त टीम ने किच्छा बाईपास मार्ग स्थित ढिल्लो फार्म इलाके में छापा मारा। जहां नितिन अग्रवाल ने 3.492 किलोवाट, फरीद हुसैन को 1.224 किलोवाट और फैजान अली निवासी खेड़ा बस्ती को 0.302 किलोवाट एलटी लाइन से कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया।

एनएचपीसी का मिला प्रथम पुरस्कार

बनबसा : एनएचपीसी लिमिटेड के बनबसा स्थित टनकपुर पावर स्टेशन को सतर्कता गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए संपूर्ण एनएचपीसी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार टनकपुर पावर स्टेशन के सतर्कता अधिकारी शिव कुमार श्रीवास्तव को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए फरीदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सतर्कता अधिकारी संतोष कुमार द्वारा प्रदान किया गया।

प्रो. रावत को आचार्य पीसी रे स्मृति पुरस्कार

नैनीताल : कुमाऊं विवि नैनीताल के कुलपति एवं प्रख्यात रसायन वैज्ञानिक प्रो. कर्नल दीवान एस रावत को वर्ष 2024 के लिए आचार्य पी.सी. रे स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान उन्हें रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय शोध, नवाचारपूर्ण योगदान तथा वैज्ञानिक नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार इंडियन केमिकल सोसायटी के 62वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के साथ प्रो. रावत उत्तराखंड से यह सम्मान प्राप्त करने वाले दूसरे रसायन वैज्ञानिक बन गए हैं।

चौखुटिया में भालू ने किया दो महिलाओं पर हमला, घायल

जमणिया और चौकुड़ी के जंगल में किया वन्यजीव ने हमला

संवाददाता, अल्मोड़ा

चौखुटिया में भालू के हमले में घायल महिलाका हाल जानने पहुंची वन विभाग की टीम।

अमृत विचार: चौखुटिया ब्लॉक के जमणिया और चौकुड़ी गांव में गुरुवार सुबह भालू ने एकाएक दो महिलाओं पर हमला कर दिया। दोनों महिलाएं पास के जंगल में चारा-पत्ती लेने गई हुई थी। घायल दोनों महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी अनुसार गुरुवार विकासखंड चौखुटिया के जमणिया गांव में गुरुवार सुबह महिलाएं मवेशियों के लिए चार-पत्ती लेने जंगल गई हुई थी। इसी दौरान घात लगाए बैठे भालू ने 26 वर्षीय चंपा देवी हमला पर हमला कर दिया। हो हल्ला करने के बाद महिला की किसी तरह जान बच सकी। इसके बाद कुछ ही दूरी पर भालू ने चौकुड़ी निवासी 36 वर्षीय गीता देवी पर भी हमला कर दिया। अन्य महिलाओं के शोर मचाने पर भालू भाग गया। हमले में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से घायल महिलाओं को सीएचसी सेंटर पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों महिलाओं को हॉयर सेंटर रेफर कर दिया गया है। इधर, डॉ. सागर ने बताया कि महिलाओं के चेहरों में गहरे निशान बने हुए है। उपचार के लिए महिलाओं को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ दीपक सिंह ने अस्पताल पहुंचकर दोनों घायल महिलाओं को हाल जाना। इसके अलावा गीता देवी को तीस हजार और चंपा देवी को बीस हजार की सहायता धनराशि प्रदान की गई।

क्षेत्र में वन विभाग ने डाला डेरा

जमणिया और चौकुड़ी गांव दो महिलाओं पर भालू के हमले के बाद दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने गांव में डेरा जमा दिया है। वहीं, विभागीय टीम द्वारा क्षेत्र में सघन गस्त की जा रही है। क्षेत्र में अनावश्यक उगी झाड़ियों का कटान किया जा रहा है। विभाग ने लोगों से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गो को अकेला न छोड़ने की अपील की है। मानव-वन्यजीव संघर्ष संबंधित या किसी भी वन्यजीव की गतिविधि पाए जाने पर तुरंत हेल्पलाईन नंबर 1800-890-9715 पर संपर्क करने की भी अपील की।

बागेश्वर के शुभम जोशी थल सेना में बने लेफ्टिनेंट

बागेश्वर: नगर के ठाकुरद्वारा निवासी शुभम जोशी का थल सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयन हुआ है। उन्हें गत दिनों देहरादून में आयोजित पासिंग आउट परेड में यह उपाधि मिली। उनकी इस सफलता पर जनपद में खुशी की लहर है।

नगर के ठाकुरद्वारा निवासी व सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यापक मोहन जोशी के पुत्र शुभम जोशी ने प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर बागेश्वर व बाद की शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय व उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से प्राप्त की। उनकी माता निर्मला जोशी गृहणी हैं।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व अध्यापकों समेत सिल्ली गांव के सेवानिवृत्त कैप्टन सतीश खोलिया, कर्नल बलवंत सिंह और कैप्टन लोकेश खोलिया को दिया। कहा कि कैप्टन खोलिया ने उन्हें सेना की बारीकियां बताई तथा सैन्य अफसर बनने के लिए प्रेरित किया।

केंद्र सरकार के फैसले के विरोध में कांग्रेसियों ने किया पुतला दहन

रानीखेत में मनरेगा को लेकर पुतला दहन करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट मनरेगा को रद्द करने के उद्देश्य से बिल लाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गांधी चौक पर भाजपा की केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा कोई सामान्य योजना नहीं, बल्कि एक संघर्ष से निकला कानून है। जिसने ग्रामीण भारत के करोड़ों लोगों को हर हाथ को काम दो, काम का पूरा दाम दो का कानूनी अधिकार दिया। यह कानून 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार की गारंटी देता है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस कानून को कमजोर कर मजदूरों के अधिकारों पर हमला कर रही है और महात्मा गांधी के नाम व मूल्यों को मिटाने की सोची-समझी राजनीतिक साजिश कर रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट ने की। वक्ताओं ने कहा कि अधिकार आधारित कल्याणकारी कानूनों को समाप्त कर उनकी जगह केंद्र नियंत्रित चैरिटी मॉडल लाना भाजपा-आरएसएस की मंशा को उजागर करता है, जो सीधे तौर पर लोगों के काम के अधिकार को खत्म करने की कोशिश है।

कार्यक्रम में महेश आर्या, चिलियानौला नगर अध्यक्ष कमलेश बोरा, महिला जिला अध्यक्ष गीता पवार, महिला नगर अध्यक्ष नेहा साह माहरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, यूथ अध्यक्ष अंकित पडालिया पंत, महाविद्यालय उपाध्यक्ष पारस खत्री, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल देव, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष भगवंत नेगी, निवर्तमान उप सचिव विनीत चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसिक संतुलन के लिए बहु-विभागीय समन्वय करें

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : गुरुवार को जिला सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जनपद में छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों एवं समाधानात्मक उपायों को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों के मानसिक कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल एवं दीर्घकालिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

कहा गया कि जिले में छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से जिला स्तरीय नियंत्रण समिति का गठन किया है, जो डीएम की अध्यक्षता में कार्य करेगी, समिति में डीईओ, सीएमओ, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। डीएम द्वारा इसके लिए स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट के प्राचार्य को निर्देश दिए कि वे जिला स्तर पर संचालित सभी गतिविधियों का प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करें तथा विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के मध्य आपसी सामंजस्य स्थापित कर कार्य करें। डीएम ने कहा कि छात्र-छात्राएं राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं, अतः उनका मानसिक रूप से स्वस्थ, संतुलित एवं सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है और इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम कृष्ण नाथ गोस्वामी, सीईओ मेहरबान सिंह बिष्ट समेत विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्णागिरि मेले का होगा 27 फरवरी से शुभारंभ

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

चम्पावत जिला सभागार में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार साथ में जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में मां पूर्णागिरि मेले को सुरक्षा, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समय से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मां पूर्णागिरि मेले का शुभारंभ 27 फरवरी (एकादशी) होली से पूर्व किया जाएगा, ताकि होली के दौरान भी श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह मेला 27 फरवरी से 15 जून यानी 109 दिन तक आयोजित किया जाएगा।

डीएम ने कहा कि उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेले में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, ऐसे में प्रत्येक श्रद्धालु को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सड़कों एवं पैदल मार्गों के सुधारीकरण, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, पार्किंग, सुरक्षा, आवास, संचार तथा स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने जल संस्थान को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में प्याऊ एवं पेयजल स्टैंड पोस्ट स्थापित कर श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बिजली, सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, पार्किंग स्थल, सफाई व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाएं समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने बताया कि मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की दो एंबुलेंस 24 घंटे तैनात रहेंगी तथा बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए चिकित्सा शिविर भी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें चिकित्सक एवं मेडिकल स्टाफ की तैनाती रहेगी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा, समिति के अध्यक्ष पंडित किशन चंद्र तिवारी, नीरज पांडेय, मोहन पांडेय, अंचला बोहरा, भुवन चंद्र पांडेय, प्रकाश तिवारी, दीपक रजवार, एडीएम कृष्ण नाथ गोस्वामी, सीडीओ डॉ जीएस खाती, सीओ शिवराज सिंह राणा, कमलेश बिष्ट, अधिशासी अभियंता लोनिवि मोहन पलड़िया आदि अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रों को दिए नशे से दूर रहने के टिप्स

लोहाघाट : राइंका दिगालीचौड़ में चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षा, नशे से दूर रहने और आत्मरक्षा के बारे में जागरूक करना था।

प्रधानाचार्य दीपा बोरा की अध्यक्षता और बृजेश सिंह ढेक के संचालन में मुख्य अतिथि जगत सिंह रौंकली ने बच्चों को सतर्क और जागरूक रहने की महत्वपूर्ण जानकारी दी। चाइल्ड हेल्पकेयर की जिला समन्वयक संतोषी और महिला सेल की पूजा डांगी ने छात्र-छात्राओं को नशे की लत से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी। कराटे कोच दीपक सिंह और प्राची ओली ने आत्मरक्षा की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस दौरान जगदीश जोशी, नेहा शर्मा, कंचना, गायत्री, भुवन मौजूद रहे।

लमगड़ा के कनरा गांव में पैरामिलिट्री समिति की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन।

पैरामिलिट्री बोर्ड और कोष के गठन की मांग

अल्मोड़ा, अमृत विचार : पूर्व पैरामिलिट्री कल्याण समिति की गुरुवार को कनरा गांव में बैठक हुई। बैठक में पैरामिलिट्री बोर्ड व पैरामिलिट्री कोष के गठन की मांग की उठाई गई। वहीं, समिति की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें चतुर सिंह बिष्ट को अध्यक्ष और बहादुर सिंह को सचिव चुना गया। बैठक में समिति के सदस्यों ने कहा कि ड्यूटी के दौरान शहीद पैरामिलिट्री जवानों को अब भी शहीद का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। जबकि जवानों को शहीद का दर्जा देने की जरूरत है। उन्होंने सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पैरामिलिट्री बोर्ड व सेना झंडा कोष की तर्ज पर पैरामिलिट्री कोष की स्थापना करने, सेवानिवृत्त जवानों को एक्स मैन का दर्जा देकर सुविधा देने समेत कई मांगों को उठाया। इसके अलावा बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष और सचिव के अलावा राम सिंह रजवार को संरक्षक चुना गया। यहां बैठक में दीवान सिंह बिष्ट, तारा दत्त शर्मा, दीवान सिंह बोरा, खीम सिंह बोरा, पुरेंद्र सिंह बिष्ट, किशन सिंह खनी, केएस रावत, केएस अधिकारी आदि रहे।

जनगीत गाकर बेस की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा के चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में धरने पर बैठे लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज के अधीन बेस अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लोगों को आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को भी लोग धरने पर डटे रहे। वहीं, धरना स्थल पर आंदोलनकारियों ने जनगीत गाकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग उठाई।

मालरोड स्थित गांधी पार्क में आयोजित धरना स्थल पर लोगों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, बेस में मरीजों को जन औषधि केंद्र का लाभ नहीं मिलने का आरोप लगाया। कॉलेज मात्र रेफर सेंटर बनकर रह गया है। मरीजों को बाहार की मंहगी दवा खरीदने में मजबूर किया जा रहा है। इसके अलावा लोगों ने पर्चे में दवा लिखने में डॉक्टरों की मनमानी बंद करने, बेस में कम से कम छह एंबलेंस रखने, महत्वपूर्ण विभागों में डॉक्टरों की नियुक्ति करने, अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था को नियमित करने, बेवहज मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने में रोक लगाने की मांग की। यहां नरेंद्र सिंह बिष्ट, मोहित साह, दिनेश जोशी, गिरीश नाथ गोस्वामी, हेम चंद्र, हरीश बिष्ट, सोनू नेगी, राहुल बिष्ट, पंकज रावत, दीप्ति, सूरज आर्या, प्रेम कुमार, संजय कुमार, पवन पांडे, प्रदीप बिष्ट, आयुष कुमार आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर चर्चा

लोहाघाट : भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर बैठक आयोजित की। इसमें फर्जी वोटरों पर अंकुश लगाने और सूची को स्वच्छ बनाने पर जोर दिया गया।

गुरुवार को नगर पालिका सभागार में भाजपा मंडल अध्यक्ष गिरीश कुंवर की अध्यक्षता में हुई बैठक में वक्ताओं ने मतदाता सूची शुद्धिकरण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सूची का शुद्धिकरण होने से फर्जी मतदाताओं पर प्रभावी लगाम लग सकेगी। साथ ही इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री गौरव पांडेय ने किया।

अल्मोड़ा कोतवाली में उत्तराखंड हज से नामित सदस्य को साल भेंट किया गया।

विश्व अल्पसंख्यक दिवस पर बताए गए अधिकार

अल्मोड़ा, अमृत विचार : अल्मोड़ा कोतवाली पुलिस में गुरुवार को विश्व अल्पसंख्यक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अल्पसंख्यकों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं, उत्तराखंड हज से नामित सायरा सिराज को साल भेंट कर सम्मानित किया गया। कोतवाली में आयोजित कार्यक्रम में सीओ जीडी जोशी ने अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को उनके अधिकार बताए। इसके उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों के साथ कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार छात्रवृत्ति, लघु ऋण, शिक्षा ऋण आदि योजनाओं से विकास कार्य कर रही है। यहां भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष रजा अंसारी, अल अंजुमन सेवा समिति अध्यक्ष हाजी नूर खान, अख्तर हुसैन, सलिम अख्तर, अमन अंसारी, जब्बार खान, बाबर अंसारी, आतिफ, यासर खान, सद्दाम हुसैन, निजाम कुरैशी, यावर अन्सारी, अनस अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम | आयुक्त कुमाऊं रावत की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता, पिथौरागढ़

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की व्यापक एवं गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जनपद में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उन्हें अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाना रहा, ताकि आम नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण लाभ प्राप्त हो सके।

आयुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि योजनाओं के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य किया जाए तथा गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। आयुक्त ने वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित कार्यों की विशेष समीक्षा में निर्देश दिए कि सीमांत गांवों में सड़क, संचार, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें तथा पलायन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। आयुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की बाधा अथवा समस्या को समय रहते उच्च स्तर पर अवगत कराया जाए। आयुक्त ने बीएसएनएल के अधिकारियों से मोबाइल टावरों की स्थिति की जानकारी ली, जिस पर अवगत कराया गया कि जनपद में स्थापित 12 मोबाइल टावरों में से 5 टावर चालू हो चुके हैं तथा शेष 7 टावरों पर कार्य प्रगति पर है। बैठक में जिलाधिकारी आशीष भटगांई, एसपी रेखा यादव, सीडीओ डॉ. दीपक सैनी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

एटीएम की सुविधा मिलने से राहत

रीठा साहिब : गुरुद्वारा रीठा साहिब में पंजाब एंड सिंध बैंक की शाखा में एटीएम लगने से स्थानीय जनता एवं यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली है। एटीएम का उद्घाटन शाखा प्रबंधक प्रदीप कुमार ने किया गया।

व्यापारियों कहा कि एटीएम लगने से देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों तथा स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। पहले एटीएम न होने के कारण लोगों को नकदी निकासी के लिए लोहाघाट, चम्पावत, जाना पड़ता था। शाखा प्रबंधक ने बताया कि बैंक में नए स्टाफ के आने के बाद उनके प्रयासों से यह एटीएम मशीन लगवाई गई। इस काम में बैंक अधिकारी रोहित सिंह तितियाल, नीरज कुमार और भुवन सिंह का भी विशेष सहयोग रहा।

निगम से अलाव जलाने की मांग

अल्मोड़ा में मेयर को ज्ञापन सौंपते देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल ने कड़ाके की ठंड से बचने के लिए मुख्य बाजार में अलाव जलाने की मांग को लेकर व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने नगर निगम मेयर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में व्यापारियों ने बताया कि इन दिनों ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ते जा रहा है। कहना है कि इस साल ठंड में इजाफा हो गया है। इससे कई जगह पाला जम रहा है। व्यापारियों ने नगर के मुख्य बाजारों, चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था करने की मांग की। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, नगर अध्यक्ष संजय साह रिक्खू, प्रमोद कुमार, दीप चंद्र जोशी, वंदना वर्मा, मनु गुप्ता, नीरज थापा, गणेश जोशी, हिमांशु बिष्ट, हिमांशु काण्डपाल, दिनेश काण्डपाल, निकेश उपाध्याय, दीपक नायक, कमल बिष्ट, पार्षद अमित साह, अभिषेक जोशी, कृष्ण बहादुर सिंह, सुधीर गुप्ता, मनीष मल्होत्रा, संजीव अग्रवाल, सुभम साह समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

संघर्ष से मुझमें आत्मविश्वास पैदा हुआ, जो पहले मुझमें नहीं था।

–सुभाष चंद्र बोस

सुधार का विस्तार हो

दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा पर न्यायालय की सक्रियता और उसके निर्देशों का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण हर साल दोहराई जाने वाली समस्या बन चुकी है। इसे काबू करने के लिए तत्काल जरूरी उपायों के अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दीर्घकालिक उपायों की रणनीति की समीक्षा कर उसे अभी से मजबूत करे, ताकि अगले वर्ष ऐसी स्थिति न आए। सवाल यह नहीं कि अदालती आदेश के बाद दिल्ली की हवा सुधरेगी या नहीं; बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह सुधार टिकाऊ होगा और क्या इसका दायरा दिल्ली से आगे बढ़ेगा? क्योंकि महज दिल्ली ही देश नहीं है। देश के दर्जनों शहर- कानपुर, लखनऊ, पटना, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद की हवा दिल्ली से कम विषैली नहीं। इन शहरों के लिए अदालत कब विचार करेगी और सरकारें कब चेतेंगी?

हवा को शुद्ध करने से पहले उसकी अशुद्धि मापना अनिवार्य है। देश के लगभग 50 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का मापन ही नहीं होता। 64 प्रतिशत जिले मॉनिटरिंग नेटवर्क से बाहर हैं। महानगरों में भी 22 से 55 प्रतिशत शहरी इलाके कवरेज से बाहर हैं और मात्र 2 प्रतिशत आबादी ही किसी मॉनिटरिंग स्टेशन के दो किलोमीटर के दायरे में रहती है। जब देश का दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा सीधे मॉनिटरिंग कवरेज में हो और 10 किलोमीटर त्रिज्या जोड़ने पर भी यह हिस्सा दस प्रतिशत तक पहुंचे तो इतने कम सैंपल से राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता का आकलन कैसे विश्वसनीय होगा? 289 शहरों के मैनुअल मॉनिटरिंग स्टेशन सप्ताह में केवल दो बार एयर सैंपल लेते हैं। यह तकनीकी अक्षमता नीतिगत अंधेपन को जन्म देती है। मैनुअल स्टेशनों को स्वचालित, रियल-टाइम सेंसर में बदले बिना और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना न चेतावनी समय पर जा सकती है, न उपचार सटीक होगा। आज स्थिति यह है कि देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग के 10 किलोमीटर दायरे में है। इस कवरेज को 50 प्रतिशत तक ले जाने के लिए हजारों नए स्टेशन चाहिए और इसके लिए स्पष्ट टाइमलाइन, बजट और जवाबदेही तय करनी होगी। इस अक्षमता के चलते 85 प्रतिशत शहर समय पर एयर-क्वालिटी अलर्ट जारी करने में अक्षम हैं। इसके लिए डेटा इंटीग्रेशन, नगर-स्तरीय कंट्रोल रूम, स्कूलों-अस्पतालों के लिए प्रोटोकॉल और मोबाइल-आधारित चेतावनी प्रणालियां जरूरी हैं। उतना ही जरूरी है मॉनिटरिंग स्टेशनों का नियमित ऑडिट। क्या वे तय मानक प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं, सेंसर कैलिब्रेट हैं या नहीं, यह पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी महज पर्यावरण मंत्रालय पर छोड़ कर वाणिज्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य, उद्योग, रेलवे, शिक्षा और शहरी विकास मंत्रालयों की भी स्पष्ट भूमिकाएं तय होनी चाहिए। प्रदूषण कोई स्थानीय आपदा नहीं, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है। इसे केवल न्यायालयों के भरोसे छोड़ना शासन की विफलता मानी जाएगी। अतीत गवाह है, सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालयों की फटकार से कुछ तात्कालिक कदम उठते हैं, पर जड़ में जाकर समस्या सुलझाने की राजनीतिक-प्रशासनिक इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है।

प्रसंगवश

'रख दे कोई जरा सी खाके वतन कफन में'

19 दिसंबर 1927 को आज के ही दिन काकोरी कांड के अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां एवं ठाकुर रोशन सिंह हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी इस शहादत ने नौजवानों के दिलों में आजादी की ज्वाला को भड़का दिया। अंग्रेज सरकार के खिलाफ पूरे देश में गहरा आक्रोश फैल गया। नौजवान सिर पर कफन बांधकर जंगे आजादी में कूद पड़े।

देश की पराधीनता के दिन थे। भारत माता परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ी हुईं थीं। अंग्रेज शासकों के देश की जनता पर दमन एवं अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। पूरे देश में लोगों के दिलों में आजादी की आग सुलग रही थी। देश की आजादी के लिए नौजवानों ने सशक्त क्रांति का मार्ग अपनाया। सशस्त्र क्रांति के लिए हथियारों की जरूरत थी। हथियार खरीदने के लिए धन कहां से जुटाया जाए? यह समस्या क्रांतिकारियों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। काफी विचार-विमर्श के बाद क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाने को लूटने का निर्णय लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा

लेखक

प्रखर, क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में इस खजाने को लूटने की योजना बनाई गई। अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र लाहिड़ी इस योजना में शामिल थे। योजना के अनुसार सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में कुछ नौजवान क्रांतिकारी यात्रियों के रूप में सवार हुए। जैसे ही ट्रेन काकोरी स्टेशन से आगे बढ़ी क्रांतिकारियों ने चैन पुलिंग कर ट्रेन को रोक लिया। उस स्थान पर कुछ सशस्त्र क्रांतिकारी नौजवान पहले से ही खड़े थे। यह घटना नौ अगस्त 1925 में काकोरी स्टेशन के पास घटी, इसलिए इतिहास में इसे काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।

क्रांतिकारियों की इस दुःसाहसिक वारदात को देखकर अंग्रेज दंग रह गए। अंग्रेज शासकों का दमन चक्र तेज हो गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धर पकड़ तेज हो गई। रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी सहित 22 नौजवान क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन्हें अलग-अलग जेलों में कैद कर उनके खिलाफ सरकारी खजाने की लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा चलाया गया। 18 महीने तक चले मुकदमे के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई गई। शेष क्रांतिकारियों को आजन्म कारावास की सजा मिली।

19 दिसंबर सन 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई। फांसी के तख्ते पर खड़े होकर उन्होंने एक शेर पढ़ा, "अब न अहले वलवले हैं और न अरमानों की भीड़, एक मिट जाने की हसरत अब दिले बिस्मिल में है।" अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जिले में फांसी पर लटकाया गया। फांसी का फंदा चूमने से पहले उन्होंने यह शेर कहा, "कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह है, रख दे कोई जरा-सी, खाके-वतन कफन में।" फिर भारत माता की जय का नारा लगाते हुए वे फांसी के तख्ते पर झूल गए। ठाकुर रोशन सिंह को इलाहाबाद जेल में 19 दिसंबर को फांसी दी गई। जैसे ही जेलर का बुलावा आया, वे हाथ में गीता पकड़े मुस्कराते हुए चल दिए। फांसी के तख्ते पर चढ़ते ही उन्होंने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष किया और शहीद हो गए। चौथे नौजवान क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी को तेजी से बढ़ रहे जनाक्रोश से भयभीत अंग्रेज अफसरों ने गोंडा जेल में घोषित तिथि से दो दिन पहले ही फांसी दे दी। फांसी को फंदे को चूमने से पूर्व उन्होंने वंदे मातरम् का जयघोष किया। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए फांसी का फंदा गले में डाल लिया।

अब मनरेगा पर मचा सियासी घमासान

विवेक सक्सेना

अयोध्या

मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। इससे संसद में बवाल मच गया है। मनरेगा का नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है। शुरुआत में इस योजना का नाम नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (नरेगा) था। वर्ष 2009 में यूपीए सरकार ने इसमें बदलाव किया और महात्मा गांधी का नाम जोड़ा।

इसके बाद यह महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) कहलाने लगी। दोनों एक ही योजना हैं और नाम बदलने का उद्देश्य गांधीजी के ग्राम स्वराज के विचारों से इसे जोड़ना था। आजकल लोग इसे आमतौर पर मनरेगा ही कहते हैं। यह योजना साल 2005 में यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई में शुरू हुई। उस समय गांवों में काम की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे थे।

इस योजना का उद्देश्य गांवों में गरीबी कम करना, बेरोजगारी दूर करना और लोगों को गांव में ही सम्मानजनक काम और कमाई देना था। पहले की कई योजनाओं, जैसे- जवाहर रोजगार योजना और संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना को मिलाकर इसे नया और मजबूत रूप दिया गया था। गांवों में रहने वाले जरूरतमंद और मेहनतकश परिवारों के लिए मनरेगा एक ऐसी सरकारी योजना है, जो जीवन का सहारा बन चुकी है। यह योजना ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी और गरीबी से लड़ने का सबसे मजबूत हथियार है।

दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना के रूप में जानी जाने वाली मनरेगा लाखों लोगों को साल भर में काम और कमाई का भरोसा देती है। यह न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि गांवों का विकास भी करती है। अब केंद्र सरकार इस योजना का नाम बदलने जा रही है। अब इसको शॉर्ट में जी राम जी कहा जा रहा है, जिसको लेकर बवाल मचा है। सरकार का तर्क है कि इससे खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों को संतुलित तरीके से मजबूती मिलेगी। रोजगार गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का भी प्रावधान है। ग्रामीण परिवारों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा, लेकिन राज्यों को खर्च का 10-40% वहन करना होगा। फसल के मौसम में काम नहीं मिलेगा, जिससे कृषि कार्यों में मजदूरों की कमी न हो।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नए सांचे में ढालने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार का दावा है कि यह बिल 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करेगा। नए बिल में यह भी प्रस्ताव है कि बुवाई और कटाई के मौसम के करीब 60 दिनों में इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा, ताकि कृषि कार्यों के दौरान मजदूरों की कमी न हो। वहीं इस बदलाव पर सियासी बहस तेज हो गई है।

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि 'राम' शब्द पर विपक्ष का विरोध उनकी सोच दर्शाता है। योजना में सुधार जैसे ग्राम पंचायत योजनाओं को पीएम गति शक्ति से जोड़ना, जल संरक्षण पर जोर, बुआई-कटाई में काम रोकना और बायोमेट्रिक सत्यापन से फर्जीवाड़ा रुकना ग्रामीण आय व इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और मजदूरों को अधिक रोजगार उपलब्ध होगा।

विपक्ष ने इस बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि इससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और गरीबों का नुकसान होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून मनरेगा को केंद्र के नियंत्रण का औजार बना देगा। बजट और नियम केंद्र तय करेगा, जबकि राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डाला जाएगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही और 10 सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर योजनाओं के नाम बदलने की 'सनक' का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी, बल्कि राज्यों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होगा। बिहार में भी इस बिल को लेकर सियासत गर्म है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि केंद्र सरकार का कोई नया विजन नहीं है और वह यूपीए काल की योजनाओं का नाम बदलकर अपनी उपलब्धि बता रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महात्मा गांधी केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रेरणा हैं। बापू रामराज की स्थापना की बात कहते थे। पता नहीं 'विकसित भारत- जी राम जी' के नाम पर विपक्ष क्यों भड़क गया। उनका संकल्प था कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण हो। उन्होंने दावा किया कि यह बिल गरीबों के सम्मान और गांधीजी के सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

यह भी उल्लेखनीय है कि मजदूरी के दिवस बढ़ाने के साथ राज्यों को वर्ष में 60 दिन काम रोकने का अधिकार दिया गया है। इसकी मांग भी होती थी। सरकार इस अधिनियम में बदलाव के जरिए ग्रामीण विकास को एक ऐसी दिशा देना चाहती है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उचित यह होगा कि संसद में इस विधेयक के गुण-दोष के आधार पर व्यापक बहस हो, जिससे कि इस अधिनियम को कहीं प्रभावी रूप दिया जा सके। सुधार की पहल के अतिरंजित विरोध से बचा जाना चाहिए।

मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है।

आमने

अधिकारियों का काम था कि फोटो से सत्यापित करके लाते। उन (नीतीश कुमार) के दिमाग में रहा होगा कि वही हैं या कोई अलग हैं, इसलिए हिजाब हटा दिया होगा। इसे अलग तरह से नहीं लेना चाहिए। नकाब पर आप लोग इतना कह रहे हैं। कहीं चेहरा-वेहरा छू लेते तब क्या करते आप लोग?

–संजय निषाद

मंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

ये इनकी महिला विरोधी सोच को दिखाता है। एक गलत काम को सही साबित करने के लिए एक महिला की इज्जत को, उसके सम्मान को दरकिनार किया जा रहा है। चाहे वो बीजेपी हो या बीजेपी के सहयोगी दल। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, ये सब महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग हैं।

–प्रियंका चतुर्वेदी

नेता, शिवसेना (यूबीटी)

2025 के तीन बड़े आर्थिक सुधार और उम्मीदें

प्रो. एचसी पुरोहित

दून विश्वविद्यालय

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, क्योंकि इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलेगी। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा देश की श्रम शक्ति को समर्पित लंबे अंतराल के बाद श्रम कानून में सुधार की तीन श्रम संहिताएं प्रमुख हैं। इन सुधारों का असर दिखना शुरू हो गया है। आज विश्व में तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख टेक कंपनियां भारत में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। हाल के वर्षों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में कई अरब डॉलर निवेश की परियोजनाएं प्रारंभ करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह निवेश तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने, विनिर्माण को गतिशील बनाने के साथ ही रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगा।

निवेशकों का यह उत्साह वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता तथा अन्य देशों की तुलना में अधिक विश्वसनीयता को समझा जा सकता है। तकनीकी क्षेत्र की इन तीन कंपनियों द्वारा भारत में तेजी से उभरते डिजिटल बाजार में निवेश की योजना, भारत की विकासोन्मुखी और निवेश-अनुकूल नीति को भी प्रदर्शित करती है। तकनीकी परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ-साथ एआई, क्लाउड, मशीन लर्निंग, डेटा प्रोसेसिंग-प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तकनीकी कौशल प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे, जो औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के सुचारु संचालन में सहायक होंगे। देश में डिजिटल केंद्रों के विस्तार से नागरिक सेवाओं का विस्तार और उनका सुचारु संचालन संभव होगा। विशेष तौर पर कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, स्वास्थ्य, ट्रैफिक, बैंकिंग, शिक्षा, बीमा इत्यादि सेवाओं के संचालन को एआई की मदद से गति मिलेगी, जिससे आर्थिक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ना तय है।

भारत के उपभोक्ता वैश्विक आशावाद में सबसे आगे हैं, जैसा कि बीसीजी ग्लोबल कंज्यूमर रडार की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि ऑटोमोबाइल और मोबाइल जैसी वस्तुओं के क्रय में उनका खर्च करने का इरादा है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट है कि 62% भारतीय उपभोक्ता दैनिक जीवन की खरीदारी के लिए जेनरेटिव एआई (Generative AI) टूल का उपयोग कर रहे हैं, इस कारण भारत उपभोग के लिए एआई अपनाने में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश बन गया है।

भारत के उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति विश्वास और खर्च करने का इरादा भारत के घरेलू उपभोग चक्र में महत्वपूर्ण वृद्धि ला रहा है। इससे ऑटोमोबाइल, मोबाइल उपकरण और खुदरा क्षेत्रों को लाभ होने की संभावना है। उपभोक्ताओं की इस प्रवृत्ति का लाभ उठाने में वे ब्रांड या कंपनियां सर्वोत्तम स्थिति में होंगे, जो तकनीकी मदद से वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर रहे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति यह लचीलापन देश का एक मजबूत आर्थिक आधार एवं पारदर्शी तंत्र का संदेश देता है।

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। एडीबी की रिपोर्ट से पूर्व फिच और आरबीआई ने भी भारत की विकास को तेज गति से बढ़ने का पूर्वानुमान किया है। इसका प्रमुख कारण भारत की दीर्घकालीन सुधारवादी नीतियां हैं, जिनके कारण विनिर्माण क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी निरंतर सुधर रहा है, जो अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को गतिशील बनाए रखने में सहायक हो रहा है।

इस वर्ष हुए तीन बड़े सुधारों का आर्थिक मोर्चे पर प्रभाव आने वाले समय में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जारी रहने से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है और इस योजना का असर पिछले कुछ वर्षों के निर्यात में भी दिखा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ दर बढ़ने के बावजूद भी भारत का निर्यात 19.3 फीसदी बढ़कर छह माह के उच्चतम स्तर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंचा है और व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर 24.53 अरब डॉलर पर पहुंचा है, जबकि आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब डॉलर रह गया है। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और आर्थिक सुधारों से बेरोजगारी दर अप्रैल माह के बाद घटकर नवंबर में 4.7 फीसदी रह गई है, जैसा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वे इंगित कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था कि यह वृद्धि सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, इसका ग्रामीण इलाकों में भी व्यापक प्रभाव दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की भी क्रय शक्ति में खासा इजाफा हो रहा है, जैसा कि नाबार्ड के आठवें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) इशारा कर रहे हैं कि पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। नाबार्ड के अध्ययन से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खपत की रफ्तार तेज रही है और इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा श्रम कानून में सुधार प्रमुख हैं। इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

सोशल फोरम

कला के दो दिग्गज भाई बलराज और भीष्म

रंजन शर्मा

रिटायर ऑफिसर

बलराज साहनी और भीष्म साहनी : दो भाई, दो दिग्गज। कुछ रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, वो इतिहास रचते हैं। बलराज साहनी और भीष्म साहनी ऐसे ही दो नाम हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और साहित्य को एक नई दिशा दी। बलराज साहनी, भारतीय सिनेमा के सबसे सशक्त और सहज अभिनेताओं में से एक थे। 'दो बीघा जमीन' का संघर्षशील किसान हो या 'काबुलीवाला' की इंसानियत, या 'वक्त' का ज़िम्मेदार पिता- उन्होंने हर किरदार को जीवन से भर दिया। उनकी आखिरी फिल्म 'गर्म हवा' आज भी विभाजन की त्रासदी को सबसे मार्मिक ढंग से दिखाती है। वे केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक चिंतक, लेखक और समाज के लिए आवाज़ उठाने वाले इंसान थे।

भीष्म साहनी, छोटे भाई, लेकिन साहित्य की दुनिया के विशाल स्तंभ। उपन्यास 'तमस' ने जैसे भारत के बंटवारे की पीड़ा को शब्दों में उकेर दिया। उन्होंने आम आदमी की कहानियों को गहराई और सच्चाई के साथ कहा। सिर्फ लेखक नहीं, मंच और फ़िल्मों के भी उम्दा कलाकार थे। 'मोहन जोशी हाज़िर हों!' और 'मिस्टर एंड मिसेज अय्यर' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय भी यादगार रहा।

एक ने परदे पर कहानियां जीवंत कीं, तो दूसरे ने काग़ज़ पर, लेकिन दोनों के दिलों में एक ही आग थी- सच्चाई को सामने लाने की, समाज को जगाने की। इन दो महान आत्माओं की विरासत हमें आज भी प्रेरणा देती है। यही सच्ची कला की ताक़त है।

सामयिकी

युद्ध में आम इंसानों को निशाना बनाने पर चिंता

मौजूदा दौर में समूची दुनिया में लगातार गहराती हिंसा, युद्ध, जातीय संघर्ष और धार्मिक उन्माद चिंता का विषय बने हुए हैं। कई देशों में आम नागरिक सीधे निशाने पर हैं, कहीं घर उजड़ रहे हैं और कहीं सत्ता के संघर्ष में निर्दोष लोग बलि चढ़ रहे हैं। इस वैश्विक चिंता के दौर में हाल ही में जनसंहार की रोकथाम का जिम्मा संभालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में नव नियुक्त सलाहकार चलोका बेयानी ने पूरी दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि अनेक देशों में टकरावों और युद्धों के दौरान आम लोगों को जानबूझ कर निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे अत्याचार और गंभीर मानवाधिकार अपराधों का जोखिम तीव्र गति से बढ़ा है। उन्होंने नौ दिसंबर को जनसंहार के भुक्तभोगियों की समृति व गरिमा और इस अपराध की रोकथाम के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर इस बात पर भी चिंता जताई है कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट एक बेहद खतरनाक संकेत है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

बेयानी की यह चेतावनी एक ओर जहां समस्या की गंभीरता को दर्शाने वाली है, वहीं पूरी मानवता के सामने संकट को व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। इसी के साथ यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत को लेकर विश्व के किसी भी मंच पर इस प्रकार की कोई आशंका व्यक्त नहीं की गई है। इस बात पर हर देशवासी को गर्व होना चाहिए कि समूचा विश्व आज भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखता है, जहां विविध संस्कृतियों, भाषाओं, खान-पान, जाति-धर्मों के बावजूद परस्पर सहयोग, शांति, समन्वय और लोकतांत्रिक संतुलन कायम है।

दुनिया में हमारा देश ही ऐसा है, जहां सैकड़ों भाषाएं, अनेक धर्म, दर्जनों जातियां और अनगिनत सांस्कृतिक धाराएं एक साथ बहती चली आ रही हैं। अनेक विविधताओं के बावजूद हमारा समाज आज भी सहअस्तित्व, भाईचारे और सहयोग की भावना को अपने में समेटे हुए है। हमारे गांवों से लेकर शहरों तक, सबका अलग पहनावा है। अलग बोली है। अपने-अपने त्योहार हैं। अलग खान-पान है, फिर भी सब एकजुटता से परिवार, समाज और देश को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। इसी मजबूत आधार पर देश खड़ा है और यह संदेश देता प्रतीत होता है कि अगर दृढ़ इच्छा हो तो विविधता को भी सबसे बड़ी ताकत बनाया जा सकता है।

इस बात को स्वीकारना होगा कि बीते कुछ सालों में देश के कुछ हिस्सों से हिंसा और सामाजिक तनाव की चंद घटनाएं सामने आई हैं। कहीं भीड़ के हाथों किसी की जान गई है। कहीं धार्मिक पहचान को लेकर आंशिक टकराव की स्थिति बनी है। कहीं उत्तेजक बयान देने वालों ने सामाजिक एकता में विष घोलने का प्रयास किया है, मगर ऐसी घटनाओं की संख्या, उनका प्रभाव और उनके फैलाव को हम भारत की विशाल जनसंख्या और व्यापक सामाजिक ढांचे के संदर्भ में देखें तो यह कोई बड़ी बात नजर नहीं आती। हमारा संविधान इस मामले में देश की ढाल बना हुआ है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, समान सुरक्षा और समान अवसर की गारंटी देता है।

संयुक्त राष्ट्र सलाहकार बेयानी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब किसी क्षेत्र में इन जोखिमों का स्वरूप लगातार हिंसक होने लगता है, तब उनका कार्यालय चेतावनियां जारी करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठनों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों से भी निकट संपर्क रखा जाता है। वह कहते हैं कि जब एक बार खतरे की घंटी बज जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि संकट अपनी सीमा लांघने के बेहद करीब पहुंच चुका है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

सूर्य चिकित्सा

खरी है आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर

आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में धूप स्नान या सूर्य की किरणों से उपचार की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है, जिसे आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा पाया गया है। युवा वैज्ञानिक और शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय ने इस विषय पर गहराई से अध्ययन किया तो सुखद व आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रकाश चिकित्सा विज्ञान (मेडिकल साइंस) में क्रांतिकारी हथियार के रूप में उभर रहा है। इसे फोटोमेडिसिन या प्रकाश चिकित्सा कहा गया है, जिससे प्रकाश की किरणें बीमारियों से लड़ने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। यह न केवल त्वचा की समस्याओं का इलाज करती है, बल्कि मांसपेशियों को मजबूत करने, आंतों के सूक्ष्म जीवों को संतुलित करने और यहां तक कि कैंसर जैसी जटिल बीमारियों पर नियंत्रण पाने में सहायक सिद्ध हो रही है। शोधार्थी डॉ. उपाध्याय के शोध ने आंतों के सूक्ष्म जीवों और मांसपेशियों के बीच के रहस्य को उजागर किया है। साथ ही प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति से जुड़ाव और भारत में इसके उपयोगी अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया है। हाल ही में प्रकाशित शोध 'प्रकाश संवर्धन द्वारा आंतों के सूक्ष्म जीवों के माध्यम से मांसपेशियों को मजबूत करना' ने फोटो मेडिसिन को एक नई दिशा दी है। यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। *–मार्कण्डेय पाण्डेय*

शोध में निकले नतीजे

- गैर-आक्रामक फोटो बायोमॉडुलेशन थेरेपी मांसपेशी सहनशक्ति बढ़ाती है।
- पेट पर प्रकाश लागू करने से आंत मांसपेशी अक्ष पुनर्गठित होता है।
- यह उपचार तीव्र व्यायाम से बिगड़े आंत माइक्रोबायोटा को संतुलित करता है।
- शॉर्टचेन फैटी एसिड उत्पादक बैक्टीरिया को बढ़ाता है।
- रोगजनक जीवाणुओं को घटाता है और जैव-विविधता में वृद्धि करता है।
- इससे मांसपेशियों की थकान घटती है और माइटोकॉन्ड्रिया की ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- पहली बार सिद्ध हुआ है कि बाहरी प्रकाश बिना किसी औषधि या शल्य-प्रक्रिया के आंतों के सूक्ष्मजीवों को प्रभावित कर सकता है। यह खोज आयुर्वेद की "सूर्य चिकित्सा" की आधुनिक पुनर्व्याख्या के समान है।

आधुनिक फोटो मेडिसिन का प्रारंभ

भारत में हजारों वर्ष से सूर्य चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियां प्रचलित हैं, लेकिन आधुनिक दौर में 1970 के दशक में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में लेजर तकनीक सामने आई। यहां पर स्थित वेलमैन सेंटर ने इसे चिकित्सा क्षेत्र में इसका प्रयोग शुरू किया। अब यह सेंटर विश्व का सबसे बड़ा शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र है, जो प्रकाश के जीवविज्ञान और चिकित्सा पर प्रभावों की जांच करता है। यहां प्रकाशिकी, फोटॉनिकी, अभियंत्रण, रसायन विज्ञान, भौतिकी और उन्नत जैविक तकनीकों पर शोध चल रहे हैं। इस केंद्र के अनुसंधान से विकसित 26 से अधिक चिकित्सीय नवाचार वर्तमान में उपयोग में हैं। इनमें लगभग 20 प्रमुख प्लेटफॉर्म तकनीकें शामिल हैं, जिनके अनेक अनुप्रयोग हैं और 40 से अधिक स्टार्टअप कंपनियां इन पर आधारित हैं। उदाहरण के तौर पर लेजर द्वारा बाल हटाने, टैटू मिटाने, ऊतक मरम्मत (झुर्रियां, निशान और त्वचा की रंगत सुधारने) जैसी तकनीकें अब सामान्य चिकित्सा का हिस्सा बन चुकी हैं।

प्राचीन ज्ञान व आधुनिक विज्ञान का संगम

भारत में प्रकाश चिकित्सा का इतिहास प्राचीन है। आयुर्वेद में सूर्य चिकित्सा या सूर्योपासना का उल्लेख मिलता है, जिसमें सूर्य की किरणों से शरीर के दोषों– वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की विधियां बताई गई हैं। 'त्राटक' जैसी विधियां, जहां दीपक की लौ पर दृष्टि केंद्रित की जाती है। यह सभी विधियां आधुनिक फोटोथेरेपी के सिद्धांतों से मेल खाती हैं। हाल के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सूर्य प्रकाश शरीर के चक्रों को सक्रिय कर ऊर्जा संतुलन स्थापित करता है, जो फोटो बायोमॉडुलेशन के सिद्धांतों के समान है।

भारत में सस्ता, सुरक्षित चिकित्सा विकल्प

भारत में जहां लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, फोटो मेडिसिन विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। प्रकाश आधारित उपचार गैर आक्रामक हैं, इनमें न दर्द है न दवा का दुष्प्रभाव। उपकरण भी किफायती हैं। साधारण एलईडी युक्त चिकित्सा उपकरण 5 हजार से 10 हजार रुपये तक में उपलब्ध हैं। यह चिकित्सा विधि वृद्धावस्था में मांसपेशी कमजोरी, आंत–संबंधी विकार, थकान, मधुमेह और संक्रमण जैसी स्थितियों में सहायक सिद्ध हो सकती है। व्यायाम के साथ इनका प्रयोग मांसपेशियों की पुन :स्थापना की गति को लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह घाव भरने और संक्रमण नियंत्रण के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। डॉ. प्रभात उपाध्याय जैसे शोधकर्ता इस क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि से योगदान के साथ आयुर्वेदिक परंपराओं को आधुनिक प्रमाणों से जोड़ रहे हैं। भारत में प्रकाश चिकित्सा करोड़ों लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणाली का रूप ले सकती है। वास्तव में प्रकाश ही भविष्य है, भारत उसका उज्ज्वल अध्याय लिखने की दहलीज पर है।

लेजर कृत्रिम प्रकाश पर आधारित है आधुनिक विज्ञान

आधुनिक विज्ञान लेजर और कृत्रिम प्रकाश पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद प्राकृतिक प्रकाश को उपचार का साधन मानता है। त्रिफला जैसी औषधियों के साथ प्रकाश चिकित्सा का संयोजन भविष्य की समग्र (होलिस्टिक) चिकित्सा प्रणाली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जंगल की दुनिया

सिवेट पाम: भारत का रहस्यमयी निशाचर जीव

भारत की समृद्ध जैव-विविधता में सिवेट पाम एक ऐसा स्तनधारी है, जिसके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी है। यह भारत में पाई जाने वाली सबसे व्यापक सिवेट प्रजातियों में से एक है। अत्यधिक शुष्क पश्चिमी क्षेत्रों को छोड़कर यह लगभग पूरे देश में पाई जाती है। जंगलों के साथ-साथ ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी गई है। अपने निशाचर स्वभाव के कारण यह दिन में छिपी रहती है और रात के समय सक्रिय होकर भोजन की तलाश में निकलती है।

सिवेट पाम को ताड़ के फलों के प्रति विशेष लगाव होता है, इसी वजह से इसका नाम सिवेट पाम पड़ा। हालांकि इसे आम बोलचाल में सिवेट कैट या टॉडी कैट कहा जाता है, लेकिन यह बिल्ली परिवार का सदस्य नहीं है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, चेहरे पर नुकीली बनावट और लंबी, घनी पूंछ इसकी पहचान है। इसकी चाल-ढाल और फुर्ती इसे अन्य छोटे मांसाहारी जीवों से अलग बनाती है। इस प्रजाति की एक खास बात यह है कि यह मानव बस्तियों के आसपास भी आसानी से रह लेती है। पारंपरिक घरों की छप्पर वाली छतें, पुराने गोदाम, सूखी नालियां, बाहरी शौचालय और सुनसान कोने इसके पसंदीदा आश्रय स्थल होते हैं। दिन के समय यह इन्हीं स्थानों में छिपकर आराम करती है और रात ढलते ही भोजन की खोज में निकल पड़ती है। इसका भोजन मुख्य रूप से फल, कीड़े-मकोड़े और छोटे जीव होते हैं। निशाचर और अत्यंत सतर्क स्वभाव के कारण सिवेट पाम को प्रत्यक्ष रूप से देख पाना मुश्किल होता है। यही वजह है कि वन्यजीव विशेषज्ञ इसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप और दूरस्थ निगरानी उपकरणों का सहारा लेते हैं। इन अध्ययनों से पता चलता है कि यह जीव पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फलों को खाने के बाद बीजों को अलग-अलग स्थानों पर छोड़कर यह प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों के प्रसार में योगदान देता है।

आज बदलते पर्यावरण, आवासों के नष्ट होने और मानवीय गतिविधियों के कारण सिवेट पाम के प्राकृतिक ठिकानों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह जीव मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक अनोखा उदाहरण है। सिवेट पाम का संरक्षण न केवल इस प्रजाति के लिए, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

पृथ्वी की है एक चुंबकीय पूंछ

सुनकर अजीब लगता है कि पृथ्वी की एक पूंछ भी है और यह बहुत लंबी है। यह चुंबकीय पूंछ अंतरिक्ष में 20 लाख किलोमीटर लंबाई में फैली हुई है। यह पूंछ नंगी आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन अंतरिक्ष में घूमने वाले हमारे उपग्रह और दूरबीन इसे देख सकते हैं। सौर मंडल में हमारी पृथ्वी ब्रह्मांडीय वातावरण की ताकतों के साथ कैसे अपना अस्तित्व कायम रखती है , यह पूंछ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी जुटाने से मालूम होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र या मैग्नेटोस्फीयर एक कुदरती फिनॉमिना है, जो हमारे लिए एक अदृश्य ढाल है, जो हमें कॉस्मिक और गामा किरणों के अलावा एक्स–रेज के प्रभाव और सौर–तूफानों से बचाता है। इस चुंबकीय क्षेत्र के परिणामस्वरूप पृथ्वी के उत्तरी अक्षांशों में नीली–पीली रौशनी अर्थात ऑरोरा दिखने की शानदार ब्रह्मंडलीय घटनाएं होती हैं।

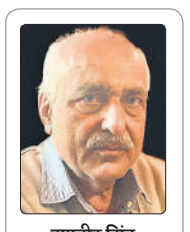

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

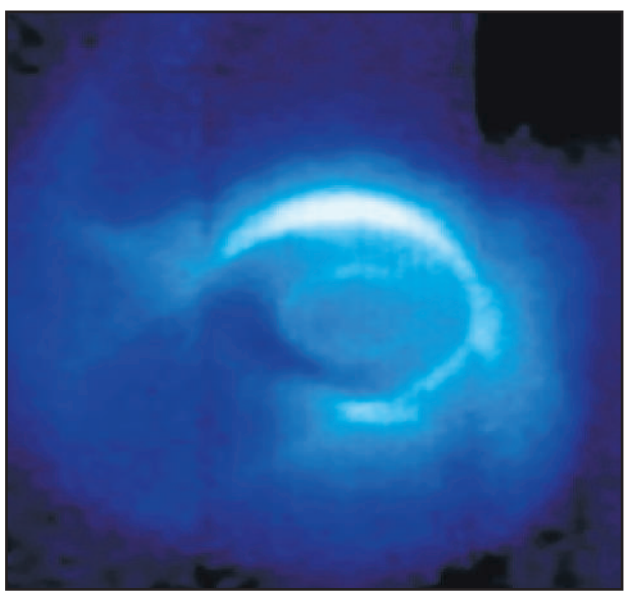

पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर

मैग्नेटोस्फीयर पृथ्वी के बाहरी कोर के अंदर पिघली हुई धातुओं की गति अर्थात डायनामिक्स ऑफ अर्थ्स मैटेलिक कोर के कारण बनता है। यह चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की सतह के नीचे मौजूद प्लाज्मा से बाहर की तरफ तेज आंधी के तरह निकलने वाले आवेशित ऊर्जा कणों सोलर कोरोनल मॉस इजेक्शन को फंसाता और निर्देशित करता है। पृथ्वी का अपना एक चुंबकीय क्षेत्र है, यह अच्छी तरह से ज्ञात है, लेकिन इस बाबत पूरे तौर से मालूम नहीं कि हमारे ग्रह और चुंबकीय क्षेत्र का रिश्ता कितना गहरा है और यह पूंछ की शक्ल में क्यों दिखाई देता है? इसकी वास्तविकता अब उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषी उपकरणों द्वारा इसे देखे और दर्ज किए जाने के बाद ही मालूम हुई। अब यह अनेक खगोल विज्ञानियों का ध्यान आकर्षित कर रही है ताकि इसकी प्रकृति और भूमिका के बारे में अधिक तथ्य जुटाए जा सकें।

धूमकेतु या अन्य खगोलीय पिंडों पर देखी जाने वाली पूंछों के विपरीत, पृथ्वी की पूंछ अदृश्य और बहुत कम स्पष्ट है। यह पूंछ प्लाज्मा से बनी है, जो चार्ज कणों से बनी एक गैस है और जिसे मैग्नेटोस्फीयर पकड़ लेता है। जैसे ही सौर विकिरण या पवन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराता है वे इस पृथ्वी के पिघले हुए मैटेलिक कोर प्लाज्मा को पीछे धकेलती हैं। इसी के प्रभाव से एक पूंछ बनती है, जो लाखों किलोमीटर तक खिंच जाती है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सौर हवा के बीच इंटरैक्शन का के परिणाम को हम एक बूंद की उपमा से समझ सकते हैं। सौर हवा पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर को एक आंसू के आकार में बदल देती है, जिसकी पूंछ पीछे की ओर फैली होती है। इससे अंतरिक्ष में एक जटिल और गतिशील संरचना बनती है, जोकि बहुत सुंदर दिखती है। इस विशाल संरचना को औपचारिक रूप से मैग्नेटोटेल नाम दिया गया है। यह पूंछ पृथ्वी ग्रह के वायुमंडल से बहुत दूर तक फैला हुआ है। यह स्थिर भी नहीं है और सौर-पवन की तीव्रता और दिशा परिवर्तन की वजह से लहराता भी है। अर्थात सौर हवाओं की ताकत के आधार पर यह पूंछ अपना आकार बदलती है। सौर हवा सूर्य से निकलने वाले चार्ज्ड कणों का एक निरंतर प्रवाह है, जोकि कभी तेज, कभी बहुत तेज और कभी अत्यंत प्रबल हो जाता है। जब ये कण पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के साथ इंटरैक्ट करते हैं, तो वे उतार-चढ़ाव पैदा करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप मैग्नेटोटेल खिंचता और सिकुड़ता है। जब सौर गतिविधि विशेष रूप से तीव्र होती है, जैसे कि सौर ज्वालाओं या कोरोनल मास इंजेक्शन के दौरान, तो मैग्नेटोटेल में काफी बदलाव हो सकता है। दशकों के अंतरिक्ष अन्वेषण के बावजूद, मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति हमारे ग्रह की अंतरिक्ष के साथ सक्रिय होने के अनजान और रहस्यमय पहलुओं में से एक है।

अनजान और रहस्यमय मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति

जब सोलर एक्टिविटी ज्यादा होती है, जैसे कि सोलर फ्लेयर्स के समय, तो पूंछ में बहुत ज्यादा बदलाव आ सकता है और इससे सैटेलाइट ऑपरेशन, कम्युनिकेशन और यहां तक कि पृथ्वी पर पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। मैग्नेटोटेल और सोलर हवा के इंटरैक्शन की डायनामिक्स को समझना स्पेस वेदर का अनुमान लगाने और आधुनिक टेक्नोलॉजिकल सिस्टम को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। पूंछ में प्लाज्मा पृथ्वी के रात वाले हिस्से से एक वापसी पैटर्न में सूर्या की तरफ बहता है, जिससे यह अंतरिक्ष में कणों की बहती नदी जैसा दिखता है। प्लाज्मा का सूर्य की ओर वापस प्रवाह एक जटिल प्रणाली का सिर्फ एक हिस्सा है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पृथ्वी और सूर्य की शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। हालांकि मैग्नेटोटेल सीधे पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन यह हमारे ग्रह के आसपास के व्यापक अंतरिक्ष परिवेश पर गहरा प्रभाव डालता है। असल में पृथ्वी की मैग्नेटो–शील्ड ही पृथ्वी को नुकसानदायक सौर और कॉस्मिक रेडिएशन से बचाकर धरती पर जीवन को फलने–फूलने देती है। स्पेस वेदर में मैग्नेटोटेल की एक महत्वपूर्ण भूमिका होने का अनुमान है। अभी जोर इस बात पर है कि पृथ्वी की मैग्नेटोटेल की मैपिंग की जाए। इस पूरी स्थिति को लेबोरेटरी में दोहराया गया है। इस तरीके को सिमुलेशन कहते हैं, जिसके नतीजे हमें यह समझने में मदद करते हैं कि मैग्नेटोटेल इन सौर हवा के बदलावों पर कैसे और कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका में गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के कम्युनिटी कोऑर्डिनेटेड मॉडलिंग सेंटर में सौर हवा और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के इंटरैक्शन के लिए मिशिगन विश्वविद्यालय के बीएटीएस–आर–यूएस ग्लोबल मैग्नेटो–हाइड्रोडायनामिक मॉडल को उपर्युक्त सिमुलेशन स्टडी के लिए इस्तेमाल किया गया है। दूर के मैग्नेटोटेल के आकार से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे सवाल को हल करने के अलावा, सिमुलेशन अध्ययन दिखाता है कि सौर हवा में बदलाव के प्रति इसकी प्रतिक्रिया बहुत तेज होती है। चूंकि मैग्नेटोटेल को नए कॉन्फिगरेशन में बदलने में एक या ज्यादा घंटे लगेंगे, इसलिए 10–15 मिनट की प्रतिक्रिया में कोई दूसरी, तेज प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए। परिणाम बताते हैं कि यह प्रक्रिया पृथ्वी के डे–साइड मैग्नेटोपॉज पर मैग्नेटिक रिकनेक्शन है। सौर हवा का प्रवाह नए सिरे से जुड़े इंटरप्लेनेटरी और मैग्नेटोस्फेरिक मैग्नेटिक फील्ड लाइनों को सूर्य से दूर ले जाता है और उन्हें तुरंत मैग्नेटोटेल स्थानों पर जमा कर देता है, जो इनिशियल मॉस फंक्शन ओरिएंटेशन पर निर्भर करते हैं। नतीजतन, मैग्नेटोटेल के आकार, आकृति और संरचना पर भविष्य का काम दूर, डेसाइड मैग्नेटोपॉज पर रिकनेक्शन की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान कर सकता है। इनिशियल मॉस फंक्शन तारों के बनने के समय उनकी आबादी के लिए द्रव्यमान के डिस्ट्रीब्यूशन का वर्णन करता है, जो तारे बनने और गैलेक्सी के विकास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनिशियल मॉस फंक्शन एक अनुभवजन्य फंक्शन है, जो किसी दिए गए क्षेत्र में बने तारों के द्रव्यमान के शुरुआती डिस्ट्रीब्यूशन को दिखाता है। इसे आमतौर पर एक प्रोबेबिलिटी डेंसिटी फंक्शन के रूप में व्यक्त किया जाता है, जो तारे के बनने के दौरान एक विशिष्ट द्रव्यमान होने की संभावना को बताता है। इनिशियल मॉस फंक्शन खगोलविदों के लिए जरूरी है, क्योंकि यह अलग–अलग तारों के बनने और विकास को गैलेक्सी बनने और विकास के व्यापक संदर्भ से जोड़ने में मदद करता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,481.81	25,815 .55
गिरावट	77 .84	3
प्रतिशत में	0 .09	0 .01

सोना 1,36,500
प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,07,600
प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक को जीएसटी नोटिस जारी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक को आयकर विभाग ने कम जीएसटी भुगतान को लेकर 238 करोड़ का नोटिस भेजा है। बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत संबंधित प्राधिकरण से एक आदेश मिला, जिसमें 237,90,04,448 रुपये की जीएसटी मांग है। इसमें 216,27,31,316 रुपये कर और 21,62,73,132 रुपये जुर्माना हैं। इसमें ब्याज भी है। वह पहले भी ऐसे ही मामलों में जारी आदेशों और कारण बताओ नोटिस पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। हालांकि, इस मामले में राशि अधिक होने के कारण इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई है।

पीपीएसएल को काम की आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक से ऑफलाइन भुगतान और सीमा पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय बैंक ने पीपीएसएल को ऑनलाइन भुगतान की पिछले महीने अनुमति दे दी थी। पेटीएम ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 17 दिसंबर को पीपीएसएल को ऑफलाइन भुगतान एवं सीमा-पार लेनदेन के लिए भुगतान एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्रदान की।

ग्रामीण बैंकों के लिए नया प्रतीक चिह्न जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए नया प्रतीक चिह्न गुरुवार को जारी किया। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने एक राज्य एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सिद्धांत पर, 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का एकीकरण किया है, जो एक मई 2025 से प्रभावी हो गया। यह सुधार अधिक सशक्त एवं कुशल आरआरबी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में 28 आरआरबी 700 से अधिक जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यह ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाली इन संस्थाओं की पहचान और दृश्यता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत, ओमान बने साझेदार, मुक्त व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में होंगे शुल्क मुक्त

- खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा भारत

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी के सामने समझौते पर हस्ताक्षर करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ।

भारत और ओमान ने गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में शुल्क मुक्त होंगे। दूसरी ओर भारत खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन वस्तुओं जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। इस समझौता के 2026-27 की पहली तिमाही से लागू होने की उम्मीद है। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अमेरिका में भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस समझौते पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

ओमान ने 98 प्रतिशत से अधिक शुल्क श्रेणियों (या उत्पाद श्रेणियों) पर शून्य शुल्क की पेशकश की है, जिसमें ओमान को भारत के निर्यात का 99.38 प्रतिशत हिस्सा है। रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण और मोटर वाहन सहित सभी प्रमुख श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण रूप से शुल्क मुक्त कर दिया गया है। इनमें से 97.96 प्रतिशत उत्पाद श्रेणियों पर तत्काल शुल्क उन्मूलन की पेशकश की जा रही है। दूसरी ओर, भारत अपनी कुल शुल्क श्रेणियों (12,556) में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क उदारीकरण की पेशकश कर रहा है, जिसमें मूल्य के हिसाब से ओमान से भारत के आयात का 94.81 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। ओमान के लिए निर्यात के लिहाज से महत्वपूर्ण और भारत के लिए संवेदनशील उत्पादों के लिए, यह प्रस्ताव मुख्य रूप से खजूर, संगमरमर और पेट्रोरसायन उत्पादों जैसी वस्तुओं के लिए शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण है। भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील उत्पादों को बिना किसी रियायत की पेशकश किए अलग श्रेणी में रखा है। विशेष रूप से कृषि उत्पाद, जिनमें दुग्ध, चाय, कॉफी, रबर एवं तंबाकू उत्पाद, सोना व चांदी की सिल्लियां, आभूषण, अन्य श्रम-प्रधान उत्पाद जैसे जूते, खेल के सामान और कई निम्न धातुओं का कबाड़ शामिल हैं। ओमान में वर्तमान में श्रम प्रधान वस्तुओं पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। सेवा क्षेत्र के मोर्चे पर ओमान कंप्यूटर संबंधी सेवाओं, व्यावसायिक एवं पेशेवर सेवाओं, ऑडियो-विजुअल सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं व्यक्त करेगा। ओमान का वैश्विक सेवा आयात 12.52 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जिसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 5.31 प्रतिशत थी। यह भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए अपार संभावनाओं को दर्शाता है। सीईपीए की एक प्रमुख विशेषता भारतीय पेशेवरों के लिए आवाजाही की बेहतर रूपरेखा है।

कंपनी में कर्मचारियों की सीमा की 50 प्रतिशत

ओमान ने पहली बार कुशल पेशेवरों की आवाजाही (मोड-4) के तहत व्यापक प्रतिबद्धताएं पेश की हैं, जिनमें कंपनी के भीतर स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों की सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। संविदा आधार पर सेवा प्रदान करने वालों के लिए ठहरने की स्वीकृत अवधि में भी वृद्धि की गई है। इसे मौजूदा 90 दिन से बढ़ाकर दो वर्ष कर दिया गया है। इसे दो वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकता है। यह समझौता लेखांकन, कराधान, वास्तुकला, चिकित्सा और संबद्ध सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों के लिए अधिक उदार प्रवेश एवं ठहरने की शर्तों का प्रावधान भी करता है जिससे गहन तथा अधिक सुगम व्यावसायिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है। इस समझौते में ओमान के प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों द्वारा 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रावधान भी है। इसके तहत वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से भारत के सेवा उद्योग को इस क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए व्यापक अवसर मिलेंगे।

डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर संवेदनशील सूची में

भारत ने ओमान के साथ गुरुवार को संपन्न व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए इन संवेदनशील उत्पादों को 'छूट से बाहर की श्रेणी' में रखा गया है। मंत्रालय के मुताबिक, शुल्क छूट से बाहर रखे गए उत्पादों में डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप शामिल हैं। संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों पर किसी भी तरह की शुल्क रियायत नहीं दी गई है ताकि घरेलू उत्पादकों और एमएसएमई पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जिन उत्पादों में ओमान की निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है।

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5% की वृद्धि

कोलकाता, एजेंसी

- वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार 2025 की तीसरी तिमाही में डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेजी

भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इस बात का खुलासा वर्ल्डलाइन इंडिया ने किया है। वर्ल्डलाइन इंडिया ने गुरुवार को डेटा से भरपूर संक्षिप्त विवरण जारी किया, जिसमें 2025 की तीसरी तिमाही में देश के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास को दर्शाया गया।

इसमें यूपीआई के जरिये लेन-देन की संख्या सालाना 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 59.33 अरब हो गई है। यह विवरण वर्ल्डलाइन की प्रमुख इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट का ही एक विस्तार है, जो इस तिमाही में पेमेंट कर्ताओं के बारे में समय पर जानकारी देता है। इस एनालिसिस में यूपीआई के लगातार दबदबे, क्यूआर-आधारित व्यापार स्वीकृति में तेज़ी से बढ़ोतरी, कार्ड जारी करने में लगातार ग्रोथ और मेट्रो शहरों तथा उभरते भारत दोनों में डिजिटल अपनाने में गहराई को उजागर किया गया। क्यू3- 2025 ने दुनिया की सबसे डायनामिक रियल-टाइम पेमेंट अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को और मज़बूत किया और कहा कि यहां हर स्कैन, टैप और क्लिक उपभोक्ताओं और कारोबारियों के व्यवहार को बदल रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई ने रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा, लेन-देन सालाना आधार पर 33.5 प्रतिशत बढ़कर 59.33 अरब हो गया और लेन-देन का मूल्य सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 74.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। व्यक्ति से कारोबारी (पी2एम) लेन-देन व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) से आगे रहे, जो रोज़मर्रा के खुदरा लेन-देन में यूपीआई के दबदबे को दिखाता है।

भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर

रिपोर्ट के अनुसार पी2एम लेन-देन 35 प्रतिशत बढ़कर 37.46 अरब हो गया और पी2पी 29 वृद्धि के साथ 21.65 अरब लेन-देन हो गया है। औसत टिकट साइज़ घटकर 1,262 रुपये (1,363 रुपये से) हो गया, जो रोजमर्रा के सामान, खाना, हेल्थकेयर की ज़रूरी चीज़ों और हाइपरलोकल कॉमर्स जैसे छोटे लेने-देन के लिए बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है। भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर हो गए हैं, जो जुलाई 2024 से 21 प्रतिशत ज्यादा हैं। किराना, फार्मेसी, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर की व्यापक स्वीकार्यता ने स्कैन-एंड-पे को देश भर में डिफ़ॉल्ट पेमेंट मोड बना दिया है। पीओएस टर्मिनल 35 प्रतिशत बढ़कर 121.2 लाख हो गए (जुलाई 2024-जुलाई 2025), भारत क्यूआर 61.0 लाख पर रहा, जिसमें यूपीआई क्यूआर के दबदबे की ओर बदलाव के बीच मामूली गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस मामले में निजी बैंक आगे हैं जिनका मार्केट शेयर 84 प्रतिशत था। क्रेडिट कार्ड जारी करने में सालाना 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 1133.9 लाख कार्ड तक पहुंच गया। वहीं, डेबिट कार्ड 1.02 अरब हो गए, जबकि प्रीपेड कार्ड 47.01 करोड़ थे। क्रेडिट कार्ड से लेन-देन में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसकी संख्या 1.45 अरब हो गयी, जिसका मूल्य 4.08 लाख करोड़ रुपये था।

चांदी 1,800 रुपये चढ़कर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक साल में हो चुकी है 1,17,100 रुपये यानी 129.4% तक की बढ़ोतरी

चांदी गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 1,800 रुपये उछलकर 2,07,600 रुपये प्रति किलोग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसका कारण कारोबारियों की निरंतर खरीदारी है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी बुधवार को 7,300 रुपये उछलकर पहली बार दो लाख रुपये प्रति किग्रा को पार कर 2,05,800 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। इस वृद्धि के साथ, चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को दर्ज की गई 90,500 रुपये प्रति किग्रा से 1,17,100 रुपये किलो यानी 129.4 प्रतिशत बढ़ चुकी है। सर्राफा संघ के अनुसार, सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 13.16 डॉलर यानी 0.31 प्रतिशत घटकर 4,325.02 डॉलर प्रति औंस रह गया। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोना गुरुवार को 4,330 डॉलर प्रति औंस तक गिर गया, लेकिन अक्टूबर में पहुंचे रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब रहा। इसका कारण अमेरिकी दर में कटौती की उम्मीदों और चल रहे भू-राजनीतिक जोखिमों से सोने को समर्थन मिलना है। इस बीच, बाजार की धारणा फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर की टिप्पणियों से प्रभावित हुई। उन्होंने बुधवार को अतिरिक्त ब्याज दर में कटौती का समर्थन किया, जबकि यह भी कहा कि नीति निर्माता सावधानी से आगे बढ़ सकते हैं। उनकी टिप्पणियां अमेरिकी श्रम डेटा के बाद आईं, जो आगे नरमी का संकेत दे रहा था। इसमें बेरोजगारी दर चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई और नवंबर में नौकरियों में वृद्धि अक्टूबर में देखी गई नरमी की भरपाई करने में विफल रही। विदेशी बाजारों में हाजिर चांदी 0.25% घटकर 66.04 डॉलर प्रति औंस रह गई। पिछले सत्र में, चांदी 3.13 डॉलर यानी 4.91 प्रतिशत बढ़कर 66.88 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

राष्ट्रीय

संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

राज्यसभा ने परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से दी गई मंजूरी, विपक्ष के संशोधनों को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा को संबोधित करते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

संसद ने गुरुवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। उच्च सदन ने विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। मंत्री ने कहा कि यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। उन्होंने कहा कि अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं। इससे पहले, सिंह ने विधेयक को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही इस तरह के बड़े फैसले ले सकते हैं।

राज्य मंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक विधेयक है। संसद के इतिहास में वर्षों बाद कोई ऐसा क्षण आता है जब सदस्यों को ऐसा मौका मिलता है कि वे राष्ट्र की यात्रा को एक नयी दिशा दे सकें।'' उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस विधेयक को मील के पत्थर के रूप में उल्लेखित किया जाएगा। सिंह ने कहा, ''भारत की भौगोलिक स्तर पर भूमिका बढ़ रही है और ऐसे में हमें वैश्विक मानकों के अनुरूप होना होगा...दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बढ़ गयी है...बढ़ती ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

विपक्ष ने की विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने परमाणु ऊर्जा विधेयक का विरोध करते हुए इसे व्यापक विचार-विमर्श के लिए प्रवर या स्थायी समिति में भेजने की मांग की। उच्च सदन में विपक्ष ने विरोध करते हुए इसे मानवता के खिलाफ बताया। बीआरएस सदस्य केआर सुरेश रेड्डी ने विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए प्रवर समिति में भेजने की मांग की और कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां औद्योगिकीकरण बढ़ा है इसलिए बिजली की मांग में तेजी भी आएगी। माकपा सदस्य एए रहीम ने इसे मानवता के खिलाफ बताया। सपा के रामगोपाल यादव ने आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदेही तय करने की मांग की और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी भविष्य में कुछ निजी कंपनियों का एकाधिकार हो जाएगा। बसपा के रामजी ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की। भाजपा के जग्गेश ने विधेयक को भविष्य के लिए अहम बताया। शिवसेना (उबाठा) सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी, राकांपा (एसपी) सदस्य फौजिया खान ने भी विधेयक का विरोध किया। भाजपा के परमार सालमसिंह ने विधेयक को दूर-दृष्टि वाला बताया। मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि देश को 15 साल से इस विधेयक की प्रतीक्षा थी।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयकों संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ा

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयकों पर विचार करने वाली संसदीय समिति को रिपोर्ट देने के लिए आगामी बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक का समय दिया गया है। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के संबंध में यह प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया। गत 12 नवंबर को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया था तथा भाजपा सांसद सारंगी को समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया। लोकसभा सचिवालय के अनुसार इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र के आखिर में विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में सभी विधेयकों को पेश किया था।

हम वीडियो दिखाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है : न्यायालय

आवारा कुत्तों का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता द्वारा आवारा कुत्तों के साथ अमानवीय बर्ताव किए जाने की टिप्पणी पर गुरुवार को उससे कहा कि अगली सुनवाई पर एक वीडियो दिखाया जाएगा और आपसे पूछा जाएगा कि मानवता क्या होती है। आवारा कुत्तों के मामले में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार को बैठने वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ को रद्द कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि मामले पर अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी। सिब्बल ने कहा कि समस्या यह है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस बीच कुछ नियम बनाए हैं जो पूरी तरह विपरीत हैं। उन्होंने पीठ से मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने का आग्रह करते हुए कहा कि अधिकारियों के पास कुत्तों के आश्रय स्थल भी नहीं हैं। जो किया जा रहा है वह बहुत अमानवीय है। न्यायमूर्ति मेहता ने आवारा कुत्तों की समस्या का संदर्भ देते हुए कहा कि अगली तारीख पर हम आपकी सुविधा के लिए वीडियो चलाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है। सिब्बल ने कहा कि वह भी यह दिखाने के लिए वीडियो चलाएंगे कि क्या हो रहा है। पीठ ने कहा कि वह इस पर 7 जनवरी को विचार करेगी।

भूमि अधिग्रहण की याचिका रद्द

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग क्षेत्र की जगह बढ़ाने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 11 जनवरी के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

शराब घोटाला : सुनवाई जनवरी तक स्थगित

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की कथित शराब घोटाले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई गुरुवार को जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि मामले को टुकड़ों में नहीं सुना जा सकता। ईडी द्वारा 18 जुलाई को गिरफ्तार किए गए चैतन्य बघेल ने धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भी चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस पर सुनवाई की।

स्कूली-उच्च शिक्षा संस्थानों में समन्वय की पहल

वीआईटी का मंथन 2025

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यालय-विश्वविद्यालय के अंतर को पाटने के लिए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने शनिवार 13 दिसंबर को मंथन 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हजरतगंज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्लार्क्स अवध में हुआ। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बनाना था।

मंथन 2025 में 70 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। स्कूली शिक्षा में उनके योगदान के लिए वीआईटी ने प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वीआईटी भोपाल विवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध लेखक, प्रेरक वक्ता, सामाजिक उद्यमी तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सह-संस्थापक एवं सीईओ सृजन पाल सिंह ने मंथन 2025- उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी यात्रा को प्रज्वलित करें विषय पर संबोधन दिया। इस दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और तकनीक से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने को तकनीकी, गैर-तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यालयी पाठ्यक्रम को विवि की अपेक्षाओं के अनुसार बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने विद्यालय प्रमुखों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को एक-दूसरे से विचार साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से वीआईटी विवि ने शिक्षा में नवाचार, अकादमिक सहयोग और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दिल्ली में नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में बिगड़ते वायु प्रदूषण से निपटने को प्राधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत गुरुवार से दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर बीएस-6 निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया और साथ ही उन वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा, जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं हैं। पेट्रोल पंप वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन नहीं दे रहे हैं और इसे स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे, पंपों पर वॉयस अलर्ट और पुलिस की मदद से लागू किया जा रहा है।

जिन वाहनों के पास पीयूसी नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा यानी नो पीयूसी, नो फ्यूल। दिल्ली की सीमाओं सहित 126 जांच चौकियों पर 580 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग की कई प्रवर्तन टीम को पेट्रोल पंपों और सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है।

कड़े उपायों के बावजूद वायु गुणवत्ता बिगड़ी

दिल्ली में गुरुवार को धुंध की चादर छा गई, जिससे पूरे शहर में दृश्यता कम हो गई और वायु प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई। 24 घंटे का औसत एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहा और इसका स्तर एक दिन पहले के 334 से बढ़कर 373 हो गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार शहर में स्थित 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 15 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता गंभीर रही। आनंद विहार में सबसे अधिक 441 एक्यूआई दर्ज किया गया जो गंभीर-प्लस श्रेणी में आता है जबकि 24 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब दर्ज की गई।

कोहरे से दिल्ली हवाई अड्डे पर 27 उड़ानें रद्द

मुंबई। घने कोहरे और दृश्यता कम होने से गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर विभिन्न एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई अन्य के परिचालन में देरी हुई। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं।

कोमा में पड़े व्यक्ति के अभिभावकों से मिलेंगे न्यायाधीश

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय उस व्यक्ति के अभिभावकों से मिलने की गुरुवार को इच्छा जताई, जो 12 वर्षों से कोमा में है। शीर्ष अदालत व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर विचार कर रही थी जिसमें उन्होंने कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाकर पुत्र को निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु का अनुरोध किया है। 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद व्यक्ति के सिर में चोट लगी थी। तब से वह कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली पर है। निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु वह प्रक्रिया हैं, जिसमें मरीज का जीवन बचाने के लिए जीवन रक्षक उपकरण हटाकर वह स्थिति पैदा की जाती है, जिससे उसके प्राण निकल सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल : जेन जी प्रदर्शन की जांच के लिए एक महीने का मांगा विस्तार

काठमांडू। नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने सरकार से अपना कार्यकाल एक माह बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने कहा है कि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ हुई बैठक के दौरान आयोग के अधिकारियों ने समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। सुशीला कार्की सरकार ने 21 सितंबर को इस आयोग का गठन कर तीन महीने की समय सीमा तय की थी, जो अगले सप्ताह समाप्त होने वाली है। हालांकि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी भी जारी है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया की सेहत अब भी गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय अध्यक्ष जिया कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिया के निजी डॉक्टर एवं बीएनपी की नीति निर्धारण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य जाहिद हुसैन ने पत्रकारों को बताया कि 11 दिसंबर को उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए जिया को ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा एक्यूआई

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और एक्यूआई बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है।

भारत ने ढाका में फिर शुरू किया वीजा केंद्र, दो अन्य केंद्र बंद किए

ढाका, एजेंसी

- भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों की धमकी के मद्देनजर उठाया कदम

भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर शुरू कर दिया। सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, यही कारण बताते हुए अब बांग्लादेश के खुलना और राजशाही में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है।

दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच आईवीएसी केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, अन्य दो केंद्र पूर्वोत्तर बंदरगाह शहर चटोग्राम और सिलहट में स्थित हैं। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एकीकृत केंद्र है।

भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह के भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ने के बाद तनाव बढ़ने के मद्देनजर, आईवीएसी के ढाका केंद्र को बुधवार को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। ढाका केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी ने बृहस्पतिवार को खुलना और राजशाही में स्थित अपने दोनों केंद्र बंद कर दिए हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बड़ा कदम

भारत सरकार की ओर से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी की अनुमति देने के लिए लाए गए शांति विधेयक के जरिए स्वतंत्रता के बाद पहली बार निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, स्वामित्व और संचालन की अनुमति दी जाएगी। निजी कंपनियां परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में 49% तक की हिस्सेदारी रख पाएंगी। नया कानून परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट 2010 की जगह लेगा। विपक्ष की ओर से इस विधेयक को लेकर कई आशंकाएं जताने के साथ संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉर्पोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने का आरोप लगाया गया है, हालांकि दुनिया के कई देशों में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति है। यह अलग बात है कि इन देशों में नियामकीय व्यवस्था बेहद कठोर है।

परमाणु ऊर्जा विधेयक

क्या हैं विशेषताएं

- विधेयक का उद्देश्य भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 8 गीगावाट से बढ़ाकर 2047 तक 100 गीगावाट करना है।
- विदेशी निवेश आकर्षित करने को बड़े रिएक्टरों के लिए ऑपरेटर का दायित्व बढ़ाकर सप्लायर्स पर बोझ कम किया है।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को वैधानिक दर्जा दिया जाएगा, एक समर्पित परमाणु विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना होगी।
- यूरेनियम खनन, परमाणु ईंधन संवर्धन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहेंगे।
- स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है, बजट 2025-26 में 20,000 करोड़ का प्रावधान।

पुराने कानून के प्रावधान

- मूल अधिनियम के तहत परमाणु ऊर्जा का उत्पादन और संचालन केवल केंद्र सरकार या उसकी सरकारी कंपनियों तक सीमित था।
- संशोधन ने एनपीसीआईएल को अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की अनुमति दी, पर निजी क्षेत्र को दूर रखा।
- सीएलएनडी एक्ट 2010 परमाणु घटना की स्थिति में ऑपरेटर (सरकारी कंपनी) पर 1500 करोड़ तक का 'नो-फॉल्ट' दायित्व डालता है।
- दुर्घटना की स्थिति में विदेशी या निजी आपूर्तिकर्ताओं से क्षतिपूर्ति मांगने का प्रावधान जो विदेशी निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा रहा है।

विदेशी निवेश पर आशंका

- आलोचकों का कहना है कि विदेशी नियंत्रण से स्वदेशी परमाणु कार्यक्रम, रणनीतिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।
- विदेशी और निजी भागीदारी से संवेदनशील तकनीक और परमाणु सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जटिलता बढ़ सकती है।
- विदेशी कंपनियां स्थानीय हालात से अनभिज्ञ हो सकती हैं, एनपीसीआईएल जैसी पुरानी कंपनियों जैसा अनुभव उनके पास नहीं होगा।
- दुर्घटना होने पर विदेशी कंपनियां जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती हैं तो पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में पेच फंस सकते हैं।

निजी कॉरपोरेट समूह

- नए बदलावों के तहत अब निजी कंपनियां परमाणु संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व और संचालन कर सकेंगी।
- कंपनियां छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों में निवेश कर ऊर्जा पोर्टफोलियो बढ़ा सकेंगी।
- निजी ऑपरेटरों की देयता सीमित होगी, बड़े वित्तीय जोखिम सरकार या अंतरराष्ट्रीय फंडों पर साझा होंगे।
- भारतीय निजी समूह अब विदेशी तकनीक दिग्गजों के साथ सीधे रणनीतिक-तकनीकी सहयोग कर पाएंगे।

दूसरे देश

- अमेरिका में परमाणु संयंत्रों का स्वामित्व और संचालन निजी कंपनियों पर, हालांकि सख्त नियामक नियंत्रण।
- कनाडा-ब्रिटेन में भी निजी ऑपरेटरों को परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति दी गई है, फ्रांस में भी ऐसा कानून।

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा, भड़का चीन

कहा- सफल नहीं होगी स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद की यह कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चीन ने आक्रोश जताया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद करने की अमेरिका की यह कोशिश सफल नहीं होगी बल्कि उसे उल्टी पड़ेगी।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार बिक्री प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन और अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन-अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, 'ताइवान स्वतंत्रता' की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमाई को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं।

ताइवान का इस्तेमाल कर हमें रोक नहीं पाएंगे: चीन

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी। बयान में कहा गया कि ताइवान का अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने की बुनियाद है।

यूक्रेन को भी यही हथियार दिए थे अमेरिका ने

आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

बेहाल दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भीषण वायु प्रदूषण के बीच गुरुवार शाम धुंध की चादर छा जाने से सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। इस बीच गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया है जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर में प्रवर्तन को तेज कर दिया है।

सीमा संघर्ष में अब तक 18 कंबोडियाई नागरिकों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर जारी झड़पों के बीच कंबोडिया के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखक ने गुरुवार सुबह बताया कि बुधवार शाम 6 बजे तक संघर्ष में मारे गए कंबोडियाई नागरिकों की संख्या 18 तक पहुंच गई है और घायलों की संख्या 78 हो गई है।

सोखक ने कहा कि विस्थापितों की संख्या बढ़कर 1,44,066 परिवारों तक पहुंच गई है, जिसमें 4,76,179 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें 2,40,000 से अधिक महिलाएं और लगभग 1,30,000 बच्चे हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि बुधवार आधी रात से गुरुवार सुबह तक, थाई सैन्य बलों ने कंबोडियाई क्षेत्र में कई ठिकानों पर हमले किए। कंबोडिया-थाईलैंड सीमा विवाद सात दिसंबर से फिर से भड़क गया है।

राष्ट्र के नाम संदेश में ट्रंप ने किया अपना गुणगान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अपनी आर्थिक और आव्रजन संबंधी उपलब्धियों की तारीफ की, महंगाई का दोष बाइडन पर मढ़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। उन्होंने आर्थिक और आव्रजन संबंधी अपने कई निर्णयों का उपलब्धियों के तौर पर उल्लेख किया और देश में कीमतें बढ़ने और अवैध आव्रजन का दोष अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर मढ़ दिया।

ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन में कहा, 11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं। ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, विपरीत प्रवासन, महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।

भारत-नीदरलैंड रक्षा व उद्योग के क्षेत्र में बढ़ाएंगे साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दोनों देशों के बीच आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया

भारत और नीदरलैंड ने रक्षा क्षेत्र में साझेदारी और रक्षा प्रौद्येगिकी तथा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए गुरुवार को यहां आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील मौजूद थे।

सिंह ने यहां वैन के साथ वार्ता की और दोनों देशों के बीच मजबूत तथा बढ़ती रक्षा साझेदारी की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य-से-सैन्य सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बातचीत के दौरान दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मंत्रियों ने घनिष्ठ रक्षा साझेदारी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को खासकर विशिष्ट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में रक्षा सचिव राजेश सिंह और भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्र्स ने रक्षा सहयोग पर आशय पत्र का आदान-प्रदान किया । दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी सहयोग, प्लेटफॉर्म और उपकरणों के सह-उत्पादन तथा सह-विकास के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप विकसित करके पहचाने गए क्षेत्रों में रक्षा सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का इरादा जताया।

एपस्टीन विवाद से सुर्खियों में आए बोंगिनो देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथलपुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है।

छत्तीसगढ़ में बीएसएफ के जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में बीएसएफ के एक जवान ने होरादी कैंप में आत्महत्या कर ली। मृतक जवान की पहचान कांस्टेबल सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिंगोली गांव के निवासी थे।

जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना होरादी कैंप परिसर में घटित हुई। गोली चलने की आवाज सुनते ही अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां सचिन कुमार को गंभीर अवस्था में पाया गया। अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना से पूरे कैंप में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

एआई सबसे बड़ा खतरा दफ्तर की नौकरियों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- फिक्की के एआई इंडिया सम्मेलन में बोले सूचना प्रौद्योगिकी सचिव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से कार्योंलयों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा है। उद्योग मंडल फिक्की के 'एआई इंडिया' सम्मेलन में कृष्णन ने कहा कि चूंकि एआई अब सीधे तौर पर सोच-विचार कर किए जाने वाले और विश्लेषण से जुड़े कार्यों को चुनौती दे रहा है, इसलिए कार्योलयों में काम करने वाली कर्मचारियों की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने कहा, पिछली औद्योगिक क्रांतियों को देखें तो उनमें अधिकतर बदलाव शारीरिक और लोगों द्वारा किए जाने वाले काम को स्वचालित करने के थे। पहली बार एआई सोचसमझकर किए जाने वाले काम की जगह ले रहा है। इसलिए जो लोग सोच-विचार से जुड़े या विश्लेषण से जुड़े काम करते हैं उन्हीं की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा है।

उन्होंने तर्क दिया कि कौशल विकास के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता, वर्तमान में नौकरियों को हो रहे नुकसान कहीं अधिक है। सचिव ने कहा, कई कंपनियों के लिए तात्कालिक प्रलोभन यह हो सकता है कि वे शुरुआती सफलताओं पर ध्यान दें और भविष्य में आने वाली दीर्घकालिक समस्याओं को भूल जाएं लेकिन सरकार के रूप में हम इस मामले के दोनों पहलुओं को लेकर चिंतित हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

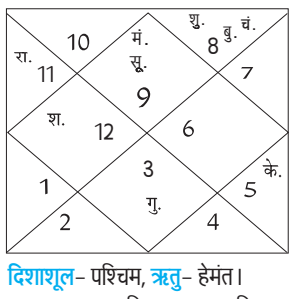

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 22.51 तक तत्पश्चात मूल।

मेष: आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है। अनावश्यक खर्चों को लेकर परेशान हो सकते हैं। अपने आसपास के लोगों से सावधान रहें।

वृष: आज दिन का शुरुआती भाग अत्यंत शुभ रहेगा। बुरी नीयत वाले लोगों से सावधान रहें। विद्युत उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। जिस किसी बात से आप प्रसन्न होंगे, उसी बात पर आपको दुखी होना पड़ेगा।

मिथुन: आज दिन अत्यंत शुभ एवं उत्साहवर्धक रहेगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। अपने काम दूसरों पर डालने से बचें। अविवाहितों के विवाह संबंधी बात आगे बढ़ सकती है।

कर्क: आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ होगा। लोग आपके विचारों से सहमत होंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियंत्रण पा लेंगे। प्रेमी जन के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सिंह: आज व्यर्थ की बातों पर ज्यादा समय बर्बाद न करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन कुछ उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। धैर्य और संयम के साथ काम करें। किसी पर भी आवश्यकता से अधिक विश्वास न करें।

कन्या: आज आपकी व्यवहार कुशलता की प्रशंसा होगी। अपने काम का विस्तार करने का विचार बनाएंगे। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को बड़ी व्यापारिक डील मिल सकती है।

तुला: आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लंघन न करें। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। शाम को तनाव से राहत मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है।

वृश्चिक: आज आपको नई जॉब ऑफर हो सकती है। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-मोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। सम्मानित लोगों के बीच आपकी पैठ मजबूत होगी।

धनु: आज अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण कुछ बदलाव को लेकर सोच सकते हैं। विवाहेतर संबंधों से दूर रहें। परिवार व समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी।

मकर: आज धार्मिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार में नए अनुबंध होने की संभावना बन रही है। सभी तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ: आज आय के साधनों में वृद्धि होगी। परिजनों के साथ अपने मन की बातें शेयर करेंगे। बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे। अपनी कार्यशैली से संतुष्ट रहेंगे। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी।

मीन: आज आपके सद्गुणों की लोग प्रशंसा करेंगे। घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ होगा। उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुरुजनों से चर्चा और विचार-विमर्श करके नया काम शुरू करें।

सुडोकू -6

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3				2	9		
7		8			3			
	1		7		4		5	3
2				6	1		3	
	5						1	
	4		2	8				7
3	2		9		8		6	
			5			2		1
		4	1				8	

सुडोकू - 5 का हल

4	8	5	6	3	9	7	1	2
3	6	9	2	7	1	5	8	4
2	1	7	8	4	5	6	9	3
1	7	3	4	9	6	2	5	8
6	5	8	3	1	2	4	7	9
9	2	4	5	8	7	1	3	6
7	4	2	9	5	8	3	6	1
8	3	1	7	6	4	9	2	5
5	9	6	1	2	3	8	4	7

जसप्रीत बुमराह बेमिसाल मैच विजेता हैं व उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उम्मीद है कि वह विश्व कप तक निरंतरता बनाए रखेंगे।

-रॉबिन उथप्पा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

हाईलाइट

आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होंगे जॉश इंग्लिस

सिडनी। अप्रैल में शादी करने जा रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉश इंग्लिस 26 मार्च से 31 मई तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की छोटी नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जॉश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। इंग्लिस ने बताया कि वह अप्रैल में शादी करने जा रहे हैं। इंग्लिस ने एबीसी स्पोर्ट से कहा मैंने आईपीएल नीलामी देखी और मेरी बारी देर से आई। मैं इस साल पूरे सीजन उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। मैं अप्रैल की शुरुआत में शादी करने जा रहा हूं। सच कहूं तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे खरीदा जाएगा।

टाइगर्स ऑफ कोलकाता से जुड़े गांगुली

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के तीसरे सत्र से पूर्व सह मालिक और मेंटर के रूप में टाइगर्स ऑफ कोलकाता के साथ जुड़ गए। लीग का अगला सत्र सूरत में नौ जनवरी से छह फरवरी तक खेला जाएगा। आईएसपीएल का टी10 टेनिस गेंद प्रारूप गली क्रिकेट से जुड़ा है। इसका लक्ष्य गली स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ियों की काबिलियत को एक टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले क्रिकेटिंग सफर में बदलना है। गांगुली ने कहा मैं इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। टेनिस गेंद क्रिकेट हमेशा से खेल की जड़ों के करीब रहा है। यह बुनियाद पूरे कोलकाता और विशेष रूप से पूर्व में बहुत मजबूत है।

चोटरानी व सूरज की जीत के साथ शुरुआत

मुंबई। शीर्ष वरीय वीर चोटरानी और दूसरे वरीय सूरज चंद ने बृहस्पतिवार को यहां सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। खिताब के प्रबल दावेदार चोटरानी ने अयान खान को 11-1, 11-1, 11-1 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। सूरज ने अजिंक्य पाटिल को 11-4, 11-4, 11-3 से हराया। लड़कों के अंडर-15 वर्ग में दूसरे वरीय यूसुफ पारदीवाला ने अर्जुन पारसरामपुरिया को 11-3, 11-7, 11-7 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। लड़कों के अंडर-17 वर्ग के अगस्त्य बंसल ने हर्ष बंसाल को 11-5, 11-6, 11-6 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अल्कराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते। अल्काराज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक बयान में बताया हम शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

शृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार पर होगी निगाह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज शाम 7 बजे से

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

अहमदाबाद, एजेंसी

चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा।

टेस्ट शृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे शृंखला जीती। अब उसने टी20 शृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था।

यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस शृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए।

गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं।

अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है, क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस श्रृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम रीजा हेंड्रिक्स की जगह एडेन मार्क्रम को शीर्ष क्रम में वापस लाने पर विचार कर सकती है। रीजा हेंड्रिक्स इस दौरे पर अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को इसके अलावा युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी जो अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका को मार्को यानसन की आक्रामक पारियों की कमी भी खली है, लेकिन लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर पहुंचे पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (मध्य) व टीम के अन्य सदस्य।

चोटिल शुभमन गिल भी पहुंचे अहमदाबाद

अहमदाबाद : शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गए हैं हालांकि चौथे मैच से पहले लगी चोट के कारण उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। गिल का नेट्स पर लगी चोट के कारण लखनऊ में चौथे टी20 से बाहर होना तय था लेकिन खराब मौसम के कारण मैच ही रद्द हो गया। यह देखना होगा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे गिल शुक्रवार को चौथे मैच के लिये उपलब्ध होंगे या नहीं या उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा जायेगा। गिल इससे पहले गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अधिकांश समय बाहर रहे थे।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

इंग्लैंड की टीम फिर मुश्किल में

एडिलेड, एजेंसी

एडिलेड टेस्ट

- **213 रनों पर गंवाए 8 विकेट अभी ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे**
- **नेथन लियोन ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर मैकग्रा को पीछे छोड़ा**

नेथन लियोन के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए थे।

इंग्लैंड का दारोमदार कप्तान बेन स्टोक्स पर टिका है जो 151 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े जोफ्रा आर्चर ने 30 रन बनाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर एक समय आठ विकेट पर 168 रन था और लग रहा था कि उसकी पहली पारी दूसरे दिन ही समाप्त हो जाएगी लेकिन स्टोक्स और आर्चर दिन के अंतिम 14 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इन दोनों ने अभी तक नौवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई। आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लियोन ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने अब तक 51 रन देकर दो विकेट लिए हैं। कमिंस ने 54 रन देकर तीन जबकि बोलैंड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए हैं। इस श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले स्टार्क को 12 ओवर में अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

इंग्लैंड ने सहज शुरुआत की और एक समय उसका स्कोर बिना किसी नुकसान के 37 रन था।

कमिंस ने जैक क्रॉली (09) को आउट करके श्रृंखला का अपना पहला विकेट लिया। इससे इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और उसने 15 गेंद और पांच रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। ऑफ स्पिनर लियोन को 10वें ओवर में गेंद सौंपी गई। उन्होंने चार गेंदों के अंदर ओली पोप (03) और बेन डकेट (29) को आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 42 रन हो गया। उन्होंने पोप को एक घूमती हुई गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर किया और उनके शॉट को जोश इंग्लिस ने मिडविकेट पर डाइव लगाते हुए कैच कर दिया। इससे उन्होंने तेज गेंदबाज मैकग्रा के 563 टेस्ट विकेटों की बराबरी कर ली।

हरमनप्रीत भारत की अगुआई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ : अंजुम

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा का मानना है कि व्यस्त अंतर्रष्ट्रीय सत्र और आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पूर्व कप्तानी को लेकर बहस फिर से शुरू होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।

विश्व कप में जीत के बाद भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी और ऐसे में अंजुम का मानना है कि कप्तानी में बदलाव के बारे में अटकलें लगाने की जगह ध्यान इस लय को बरकरार रखने पर होना चाहिए। अंजुम ने कहा पिछले इतने वर्षों से मेरा निजी तौर पर मानना है कि हरमनप्रीत कौर एक मैच विजेता हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वह इस भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। अंजुम ने पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी के कप्तान बदलने के हालिया सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे विचार निजी होते हैं। उन्होंने कहा, हर किसी को अपनी बात कहने का हक है। इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है।

जीत की खुशी

बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स में गुरुवार को टेनिस के महिला फाइनल में थाईलैंड की एम. सवांगकाव को हराने के बाद जश्न मनातीं फिलीपींस की एला एलेक्जेंड्रा। ● एजेंसी

डब्ल्यूएफआई ने नई चयन नीति लागू की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय शिविर में पहलवानों की भागीदारी अनिवार्य**
- **व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को छूट**

भारतीय कुश्ती महासंघ ने नई चयन नीति लागू की है जिसके तहत राष्ट्रीय चयन के लिए राष्ट्रीय शिविरों में भागीदारी अनिवार्य है हालांकि व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को इससे छूट रहेगी।

इसके साथ ही ओलंपिक खेलों में कोटा जीतने वाले पहलवानों को एक दौर के अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेना होगा। डब्ल्यूएफआई की आम परिषद की हाल ही में अहमदाबाद में हुई बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। इसे फीडबैक और समीक्षा लिये भारतीय खेल प्राधिकरण को भी दिया गया है। नीति में कहा गया राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भागीदारी सभी पहलवानों के लिये अनिवार्य होगी जिसमे एलीट और दिग्गज पहलवान शामिल हैं।

बेंगलुरु में डब्ल्यूटीएल में शॉट लगातीं ईगल्स की पाउला बाडोसा। एजेंसी

बाडोसा के प्रदर्शन से ईगल्स जीता

बेंगलुरु, एजेंसी

सुमित नागल और पाउला बाडोसा के शानदार प्रदर्शन से ईगल्स ने बृहस्पतिवार को यहां काइट्स को हराकर विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। नागल ने बेहद कड़े मुकाबले में दक्षिणेश्वर सुरेश को 40 मिनट में 7-6 से हराकर ईगल्स को विजयी शुरुआत दिलाई।

बाडोसा ने महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में मार्टा कोस्त्युक को 6-1 से शिकस्त दी। बाडोसा ने इसके बाद गेल मोनफिल्स के साथ मिलकर दक्षिणेश्वर और कोस्त्युक की जोड़ी को 6-3 से हराया।

पुरुष युगल में भी मोनफिल्स और नागल ने निक किर्गियोस और दक्षिणेश्वर को 6-3 से हराकर ईगल्स की 25-13 से जीत सुनिश्चित की।

घोषणा फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने की बढ़ोत्तरी, अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा मुकाबला

विश्व कप विजेता को मिलेगी 5 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर, एजेंसी

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है।

क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है। विश्व कप 2026 की कुल पुरस्कार राशि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में खेले गए महिला विश्व कप की 110 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि से लगभग छह गुना अधिक होगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान पुरस्कार राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगला महिला विश्व कप 2027 में ब्राजील में होगा। विश्व कप 2026 में कुल 48 टीम भाग लेंगी। ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों को नौ मिलियन डॉलर, अगले दौर में पहुंचने वाली टीमों को 11 मिलियन डॉलर और राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर मिलेंगे।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 19 मिलियन डॉलर, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर और फाइनल में हारने वाली टीम को 33 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

राज्यसभा में उठा भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार को राज्यसभा में भी उठाया गया तथा कांग्रेस के जोस के मणि ने कुराकाओ जैसे छोटा देश के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का हवाला देते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा। भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अभी तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं। मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा द्वारा निर्धारित मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए कदम उठाने सहित किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ की होती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है।